MPHIN36951
कुल पृष्ठ : 52, मूल्य : 50 रुपए
वर्ष 01, अंक 08 मासिक पत्रिका
फरवरी 2022

हर-हर महादेव

हमारा देश हमारा अभिमान

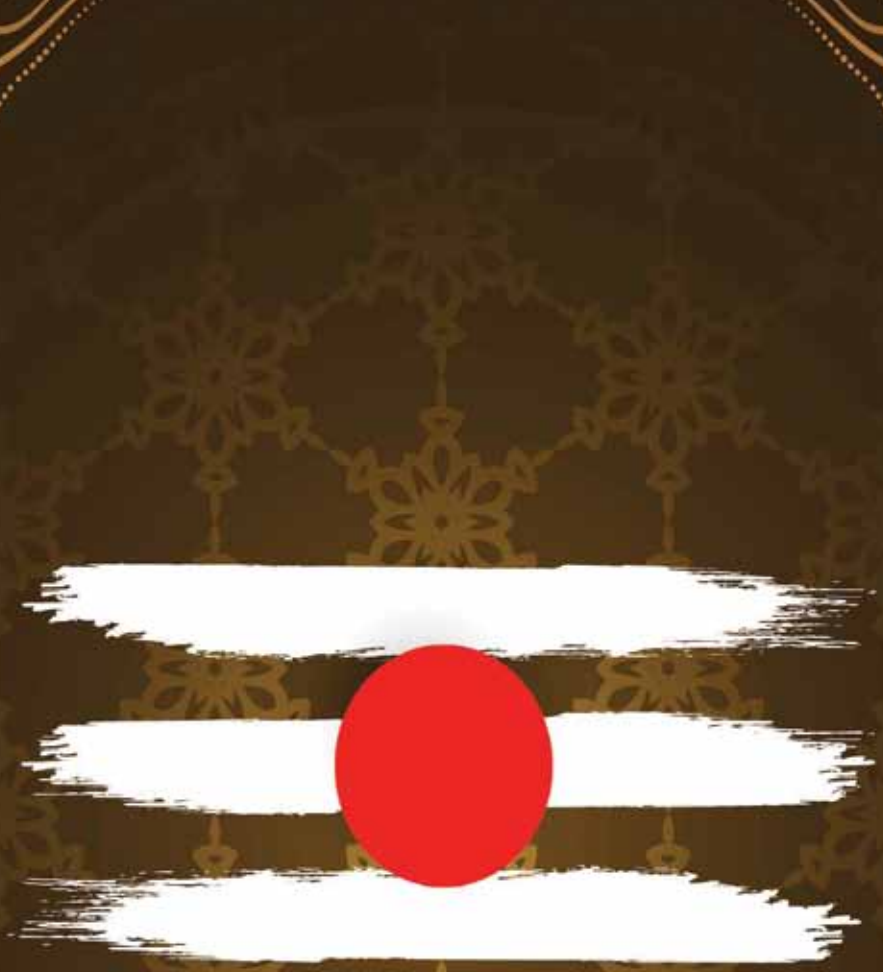

ज्योतिर्लिंगों

के दर्शन से जन्म-जन्मांतर के पापों से मुक्ति मिलती हैं...

धूमेस्वर मैं हुआ संत समागम इसमे गोरक्षा, संतों की रक्षा आदि विषय पर हुई चर्चा। कार्यक्रम के मुख्य भूमिका महामंडलेश्वर अनिरुदवन जी महाराज धूमेस्वर एवं हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका के संरक्षक जी ने निभाई

हमारा देश
हमारा अभिमान

वरिष्ठ संरक्षक मंडल
• अनन्त श्री विभूषित श्रीमद जगद्गुरु श्री राम स्वरूपचार्य जी महाराज कामदगिरि पीठाधीश्वर चित्रकूट धाम
• श्री महामंडलेश्वर रामप्रिय दास
• श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर अनिरुद वन जी श्री धूमेस्वर धाम
• श्री डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा

संरक्षक मंडल
• श्री लोकेश चतुर्वेदी • श्री डॉ. दिनेश उपाध्याय
• श्री अरविंद जैन • श्री अरुण कांत शर्मा, महेश पुरोहित
• विनोद भारद्वाज, अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट
• श्री मनोज भारद्वाज, अनिल जैन, निर्मल वासवानी

संपादक : मनोज चतुर्वेदी
पंकज दीक्षित : प्रमुख परामर्शदाता

विशेष संवाददाता
• रवि परिहार • रविकांत शर्मा

कानूनी सलाहकार
एडवोकेट अनिल शुक्ला शासकीय अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट
एडवोकेट श्याम पाठक ग्वालियर हाई कोर्ट

ब्यूरो : अविनाश (उज्जैन संभाग)

छिंदवाड़ा ब्यूरो : जितेंद्र चौरे

मुम्बई ब्यूरो (महाराष्ट्र)
सचिंदर शर्मा (फ़िल्म डायरेक्टर)

ब्यूरो राजस्थान
सुभाष सोरल (फ़िल्म निर्माता) कोटा

ब्रजेश जैन- साक्षात्कार व्यवस्थापक और विज्ञापन संवाददाता इंदौर

संवाददाता : संदीप पाटिल, इंदौर

सलाहकार
• डॉ. सुनील शर्मा, नेत्र रोग विशेषज्ञ
• डॉ. मुकेश चतुर्वेदी, • डॉ. दिनेश प्रसाद (हड्डी रोग सर्जन)
• अनिल दुबे • विकास चतुर्वेदी • सुरेश शर्मा
• नारायणदास गुप्ता, • पीयूष श्रीवास्तव

मार्केटिंग प्रमुख : शैलेन्द्र जैन

मार्केटिंग मैनेजर
• सुनील • हरशूल • संजू

डिजाइन : मनोज पंवार

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक मनोज कुमार चतुर्वेदी द्वारा कंचन ऑफसेट डी-1/63, सेक्टर-4, विनय नगर ग्वालियर- फोन नं. 0751-2481433, (म. प्र.) से मुद्रित एवं शिव कॉलोनी गली नं. 4 , रेलवे स्टेशन के पीछे, तहसील डबरा, जिला ग्वालियर, (मध्यप्रदेश) प्रकाशित। संपादक-मनोज कुमार चतुर्वेदी । (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र ग्वालियर रहेगा।)

विवरणिका

संपादकीय	02
शुभाशीष	03
कवर स्टोरी	04-05
	06-07
	08-09
साइबर क्राइम	10
नशा	12
बजट	13
खुलासा	15
वित्त	16
मध्यप्रदेश	17-18
घोटाला	19
बसंत ऋतु	20
शिक्षा	22
पर्यटन	24-25
विविध	26-27
त्यौहार	30
योग	31
मध्यप्रदेश	32-33
धर्म	34-35
स्वास्थ्य	36-37
महिला	38
आयुर्वेद	39
स्मृति शेष	41
ग्लैमर	46-47-48

संपादकीय

आदि गुरु...भगवान शिव...

महाशिवरात्रि आध्यात्मिक पथ पर चलने वाले साधकों के लिए बहुत महत्व रखती है। यह उनके लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है जो पारिवारिक परिस्थितियों में हैं और संसार की महत्वाकांक्षाओं में मग्न हैं। पारिवारिक परिस्थितियों में मग्न लोग महाशिवरात्रि को शिव के विवाह के उत्सव की तरह मनाते हैं। सांसारिक महत्वाकांक्षाओं में मग्न लोग महाशिवरात्रि को, शिव के द्वारा अपने शत्रुओं पर विजय पाने के दिवस के रुप में मनाते हैं। परंतु, साधकों के लिए, यह वह दिन है, जिस दिन वे कैलाश पर्वत के साथ एकात्म हो गए थे। वे एक पर्वत की भाँति स्थिर व निश्चल हो गए थे। यौगिक परंपरा में, शिव को किसी देवता की तरह नहीं पूजा जाता। उन्हें आदि गुरु माना जाता है, पहले गुरु, जिनसे ज्ञान उपजा। ध्यान की अनेक सहस्राब्दियों के पश्चात्, एक दिन वे पूर्ण रुप से स्थिर हो गए। वही दिन महाशिवरात्रि का था। उनके भीतर की सारी गतिविधियाँ शांत हुईं और वे पूरी तरह से स्थिर हुए, इसलिए साधक महाशिवरात्रि को स्थिरता की रात्रि के रुप में मनाते हैं। इसके पीछे की कथाओं को छोड़ दें, तो यौगिक परंपराओं में इस दिन का विशेष महत्व इसलिए भी है क्योंकि इसमें आध्यात्मिक साधक के लिए बहुत सी संभावनाएँ मौजूद होती हैं। आधुनिक विज्ञान अनेक चरणों से होते हुए, आज उस बिंदु पर आ गया है, जहाँ उन्होंने आपको प्रमाण दे दिया है कि आप जिसे भी जीवन के रुप में जानते हैं, पदार्थ और अस्तित्व के रुप में जानते हैं, जिसे आप ब्रह्माण्ड और तारामंडल के रुप में जानते हैं; वह सब केवल एक ऊर्जा है, जो स्वयं को लाखों-करोड़ों रुपों में प्रकट करती है।

मनोज चतुर्वेदी
संपादक

शुभाशीष

धर्म... जीवन का धारक...

तुम्हारे जीवन को जो धारण किए हुए है, अथवा तुम जिसको धारण किए हुए हो, वही है धर्म। धर्म तुम्हारे जीवन का धारक है। जैसे मछली के जीवन का धारक है पानी, वैसे ही जीवन का धारक है धर्म। धर्म नहीं सिखाएगा पाशविक व्यवहार। धर्म उदार होगा, क्योंकि भगवान के लिए सब अपना है, कोई पराया नहीं। इसलिए धर्म भेद-विभेद नहीं सिखाएगा। धर्म भाईचारा सिखाएगा। धर्म छुआछूत नहीं सिखाएगा। धर्म ऊंच-नीच का भेद नहीं सिखाएगा, क्योंकि धर्म की वाणी सुनोगे, सीखोगे तो किससे, भगवान से। मानव का धर्म है- मानव धर्म अर्थात् भागवत धर्म और यह धर्म आज का नहीं है। जब से मनुष्य ने जन्म लिया, तब से ही यह धर्म है। इसका आदि कहां है। मनुष्य की जहां से सृष्टि हुई, वहीं इसका आदि है, इसलिए इसको हम सनातन धर्म भी कहते हैं। यह भागवत धर्म है- विस्तार, रस और सेवा। भागवत धर्म का मुख्य लक्ष्य क्या है? मानसिक विस्तार- जब मनुष्य आध्यात्मिक साधना करता है तो उसके मन का स्तर विकसित होता है, जिसे हम वास्तव में विस्तार कहते हैं। रस का अर्थ है अनुभव करना कि ईश्वर का जो प्रवाह है, हम उससे अलग नहीं हो सकते। हमको उसी तरंग में बह जाना है। उसी तरंग के अनुसार आगे बढ़ना है। उन्हीं के रस प्रवाह में हमें चलना है। तीसरा है सेवा। सेवा का अर्थ है बिना शर्त किसी को कुछ देना। यहां सेवा का अर्थ है अपने आपको ईश्वर के चरण में पूर्ण रुप से समर्पित करना। धर्म व्यावहारिक है, सैद्धांतिक नहीं।

डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
संरक्षक

ज्योतिर्लिंगों

हिंदुओं में भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों की पूजा का विशेषता महत्व है। शिव पुराण के अनुसार शिवजी जहाँ-जहाँ स्वयं प्रगट हुए उन बारह स्थानों पर स्थित शिवलिंगों को ज्योतिर्लिंगों के रूप में पूजा जाता है। प्रत्येक ज्योतिर्लिङ्ग का एक एक उपलिंग भी है जिनका वर्णन शिव महापुराण की कोटिरुद्र संहिता के प्रथम अध्याय में किया गया है। ज्योतिर्लिंग, सर्वशक्तिमान का दीप्तिमान चिन्ह है। श्ज्योतिश् शब्द का अर्थ है प्रकाश और श्लिंगश् का अर्थ है हस्ताक्षर अर्थात ज्योतिर्लिंग भगवान शिव का प्रकाश है। प्रत्येक ज्योतिर्लिंग की अलग-अलग कथा है। मान्यता है कि इन ज्योतिर्लिंग के दर्शन, पूजन, आराधना से भक्तों के जन्म-जन्मातर के सारे पाप समाप्त हो जाते हैं। वे भगवान शिव की कृपा के पात्र बनते हैं। ऐसे कल्याणकारी ज्योतिर्लिंग इस प्रकार हैं।

उत्तराखंड उत्तराखंड में हिमालय की पहाड़ी पर स्थित श्री केदारनाथ द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक माना जाता है। यहां मन्दिर के गर्भ गृह के मध्य में भगवान श्री केदारेश्वर जी का स्वयंभू ज्योतिर्लिंग स्थित है जिसके अग्र भाग पर गणेश जी की आकृति और साथ ही माँ पार्वती का श्री यंत्र विद्यमान है।

केदारनाथ

उत्तराखंड उत्तराखंड में हिमालय की पहाड़ी पर स्थित श्री केदारनाथ द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक माना जाता है। यहां मन्दिर के गर्भ गृह के मध्य में भगवान श्री केदारेश्वर जी का स्वयंभू ज्योतिर्लिंग स्थित है जिसके अग्र भाग पर गणेश जी की आकृति और साथ ही माँ पार्वती का श्री यंत्र विद्यमान है। ज्योतिर्लिंग पर प्राकृतिक यगयोपवित और ज्योतिर्लिंग के पृष्ठ भाग पर प्राकृतिक स्फटिक माला को आसानी से देखा जा सकता है। श्री केदारेश्वर ज्योतिर्लिंग में नव लिंगाकार विग्रह विधमान है इस कारण इस ज्योतिर्लिंग को नव लिंग केदार भी कहा जाता है स्थानीय लोक गीतों से इसकी पुष्टि होती है। मन्दिर में मुख्य भाग मण्डप और गर्भगृह के चारों ओर प्रदक्षिणा पथ है। बाहर प्रांगण में नन्दी बैल वाहन के रूप में विराजमान हैं। प्रातः काल में शिव-पिण्ड को प्राकृतिक रूप से स्नान कराकर उस पर घी-लेपन किया जाता है। तत्पश्चात धूप-दीप जलाकर आरती उतारी जाती है। इस समय यात्री-गण मंदिर में प्रवेश कर पूजन कर सकते हैं, लेकिन संध्या के समय भगवान का श्रृंगार किया जाता है। उन्हें विविध प्रकार के चित्ताकर्षक ढंग से सजाया जाता है। भक्तगण दूर से केवल इसका दर्शन ही कर सकते हैं।ज्योतिर्लिंग के पश्चिमी ओर एक अखंड दीपक है जो हजारों सालों से निरंतर जलता रहता है।

काशी विश्वनाथ

उत्तरप्रदेश काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग हजारों वर्षो से वाराणसी में स्थित मंदिर हिन्दुओं में एक विशेष स्थान रखता है। माना जाता है कि मंदिर में दर्शन और गंगा में स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। मंदिर में दर्शन करने के लिए बड़े-बड़े महान संत भी आते हैं। वर्तमान मंदिर का निर्माण महारानी अहिल्या बाई होल्कर द्वारा 17 ई. में करवाया था। बाद में पंजाब के महाराजा रंजीत सिंह द्वारा 1889 ई. में एक हजार किलो ग्राम सोने से 15.5 मीटर ऊँचे मंदिर को स्वर्ण पत्रों से मण्डित करवाया था। सोने का होने के कारण इसे स्वर्ण मंदिर भी कहा जाता है। मुख्य मंदिर के साथ-साथ परिसर में अन्य देवताओं के स्थान भी दर्शनीय है। यहां विदेशी सैलानी भी बड़ी संख्या में आते हैं और भगवान शिव को शीष नवाते हैं। सायं काल गंगा की आरती दर्शनीय है।

सोमनाथ

गुजरात श्री सोमनाथ सौराष्ट्र (गुजरात) के प्रभास क्षेत्र में स्थित है। यह चन्द्रमा के दुख का विनाश करने वाला है। कहा जाता है कि प्रभास क्षेत्र में श्रीकृष्ण ने यदुवंश का संहार कराने के बाद अपनी नर लीला समाप्त कर ली थी। सोमनाथ मंदिर में स्थित सोमेश्वर शिव लिंग भारत के बारह ज्योतिर्लिंगों में एक है। ज्योतिर्लिंग होने के कारण हिन्दुओं में इस मंदिर का विशेष महत्व हैं। मंदिर ने निर्माण एवं पुनः निर्माण के अनेकों के दौर देखे तथा जितनी बार इस मंदिर को विध्वंस किया गया शायद ही किसी ओर मंदिर को किया गया हो। देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने सोमनाथ मंदिर का भव्य निर्माण कराया तथा भारत के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने भी इस मंदिर के भव्य

के दर्शन से जन्म-जन्मांतर के पापों से मुक्ति मिलती हैं...

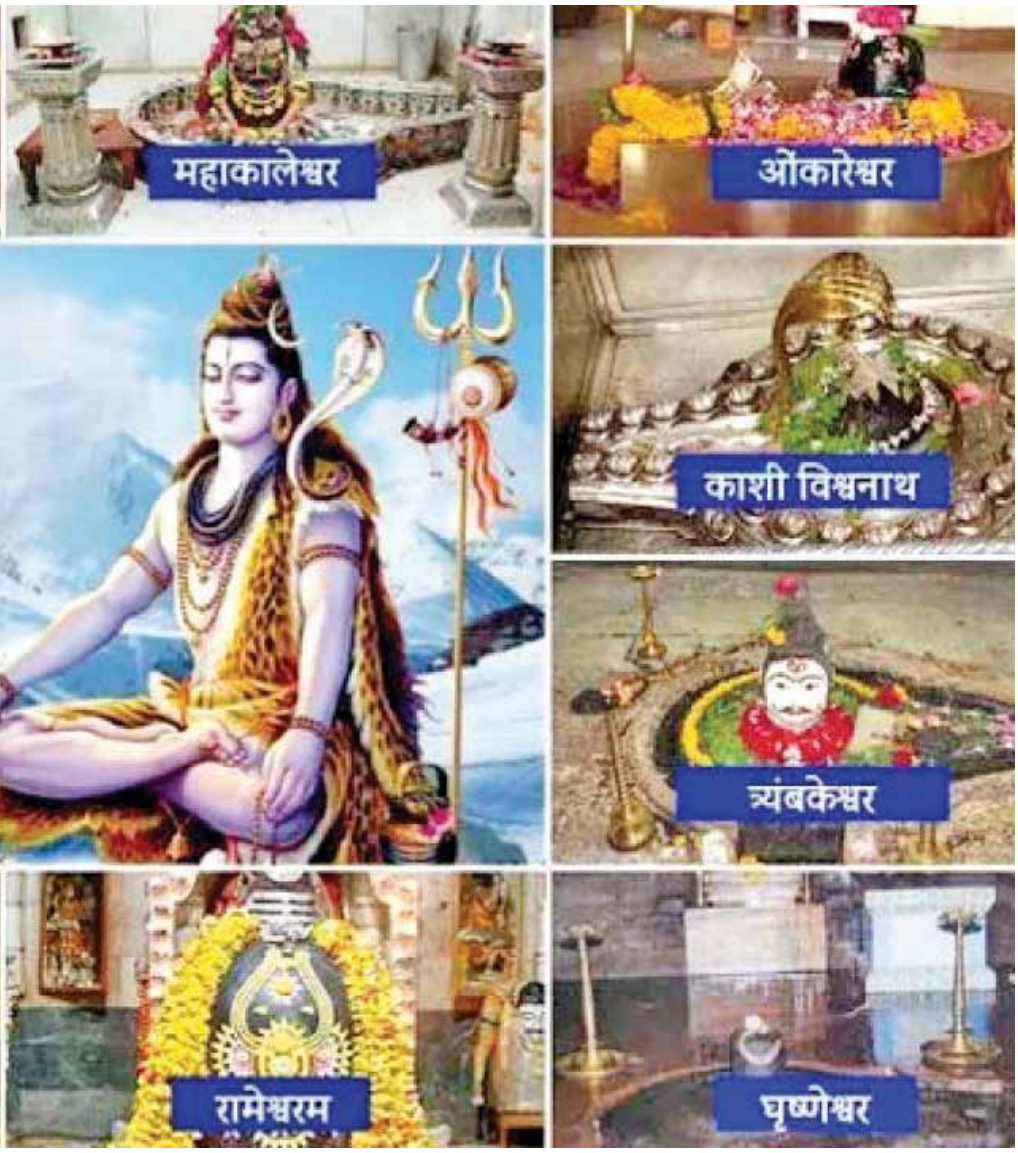

निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। सोमनाथ के मूल मंदिर से कुछ दूरी पर ही स्थित है अहल्या बाई द्वारा बनवाया गया सोमनाथ का मंदिर। सोमनाथ मंदिर का शिखर दूर से नजर आता है। मंदिर के चारों ओर परकोटा बनाया गया है। मंदिर के गुम्बद और मेहराब पत्थरों को काटकर बनाये गये हैं, जिनपर सुन्दर कारीगरी देखने को मिलती है। भू-गर्भ में सोमनाथ लिंग की स्थापना की गई है। यहां रोशनी का अभाव रहता है। मंदिर में पार्वती, सरस्वती, लक्ष्मी, गंगा एवं नन्दी की मूर्तियां स्थापित हैं। भूमि के ऊपरी भाग में शिवलिंग से ऊपर अहल्येश्वर की मूर्ति है। मंदिर परिसर में गणेश जी का मंदिर भी बना है और उत्तर द्वार के बाहर अघोरलिंग की मूर्ति स्थापित की गई है। मंदिर में सायं 7.30 से 8.30 बजे तक एक घण्टे का "ध्वनी एवं प्रकाश" के कार्यक्रम के माध्यम से मंदिर के इतिहास का प्रदर्शन किया जाता है। प्रभास क्षेत्र में अहल्याबाई मंदिर के पास ही महाकाली का मंदिर भी बना है। नगर के द्वार के पास गौरी कुण्ड नामक सरोवर एवं यहां बना प्राचीन शिवलिंग दर्शनीय है। मंदिर के समीप नारायण एवं सरस्वती नदियों का संगम स्थल है, जहां प्रतिवर्ष मेला आयोजित होता है। मंदिर से टकरा कर बिखरती समुद्र की लहर आन्दित करती है।

नागेश्वर

दारुक वन में नागेश्वर, गुजरात गुजरात में द्वारकापुरी से करीब 25 किलोमीटर दूर गोमती द्वारका से बेट द्वारका जाते समय रास्ते में स्थित है नागेश्वर ज्योतिर्लिंग। रूद्रसंहिता में नागेश को दारूकावने नागेश कहा गया है। इस पवित्र ज्योतिर्लिंग के दर्शन की शास्त्रों में अपार महिमा बताई गई है। मंदिर के सभाग्रह में पूजन सामग्री की दुकाने लगी हैं तथा इसके बाद सभा मण्डप आता है और सभा मण्डप से नीचे स्तर पर तलघर गर्भगृह बना है जहां ज्योतिर्लिंग स्थापित है। मध्यम आकार के शिवलिंग पर चांदी के पतरे का आवरण चढ़ाया गया है। लिंग पर ही चांदी के नाग की आकृति बनाई गई है। शिवलिंग के पीछे माता पार्वती की मूर्ति स्थापित की गई है। यहां पर केवल गंगा जल से अभिषेक होता है। अभिषेक के लिए पुरूषों को धोती पहनना आवश्यक है। धोती एवं गंगाजल मंदिर की ओर से निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता है। नागेश्वर मंदिर का पुनः निर्माण सुपर कैसेट इंण्डस्ट्रीज के मालिक गुलशन कुमार के परिवार द्वारा किया गया। मंदिर के परिसर में एक भव्य ध्यान एवं पद्मासन मुद्रा में शिव प्रतिमा लगाई गई है। यह प्रतिमा 125 फीट ऊँची और 25 फीट चौड़ी है। प्रवेश द्वार साधारण परन्तु आकर्षक है। यह प्रतिमा मंदिर परिसर को भव्यता प्रदान करती है। इसके कारण ही मंदिर का परिसर करीब 2 कि.मी. दूर से नजर आने लगता है। मंदिर की देख-रेख एक प्रबन्धन समिति द्वारा की जाती है। कार्तिक पूर्णिमा पर यहां भव्य मेला लगता है। महाशिवरात्रि का पर्व पूरे उत्साह एवं श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। यह मंदिर वीराने में होने से यहां ठहरने की व्यवस्था नहीं हैं। ठहरने के लिए द्वारिका अथवा समीपस्थ ओखा में ही व्यवस्था करनी होती है।

महाकालेश्वर

उज्जयिनी में महाकालेश्वर, मध्यप्रदेश मध्यप्रदेश में उज्जैन को महाकाल की नगरी के रूप में विश्व में जाना जाता है। शिप्रा नदी के किनारे श्री महाकालेश्वर भारत में बारह प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंगों में से एक हैं। महाकालेश्वर मंदिर की महिमा का पुराणों, महाभारत और कालिदास जैसे महाकवियों की रचनाओं में मनोहर वर्णन मिलता है जिसे उज्जैन का विशिष्ट पीठासीन देवता माना जाता था। महाकाल में लिंगम (स्वयं से पैदा हुआ), स्वयं के भीतर से शक्ति (शक्ति) को प्राप्त करने के लिए माना जाता हैं। महाकालेश्वर की मूर्ति दक्षिणमुखी है। मंदिर के ऊपर गर्भगृह में ओंकारेश्वर शिव की मूर्ति प्रतिष्ठित है। गर्भगृह के पश्चिम, उत्तर और पूर्व में गणेश, पार्वती और कार्तिकेय के चित्र स्थापित हैं। दक्षिण में नंदी की प्रतिमा है। तीसरी मंजिल पर नागचंद्रेश्वर की मूर्ति केवल नागपंचमी के दिन दर्शन के लिए खुली होती है। महाशिवरात्रि के दिन, मंदिर के पास एक विशाल मेला लगता है, और रात में पूजा होती है और महाकाल की शोभा यात्रा निकाली जाती है। प्रतिवर्ष और सिंहस्थ के पूर्व इस मंदिर को सुसज्जित किया

जाता है। मंदिर एक परकोटे के भीतर स्थित है। गर्भगृह तक पहुँचने के लिए एक सीढ़ीदार रास्ता है। सावन के महीने का विशेष महत्व होने से देश के कौने - कौने से श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। महाकाल के दर्शन के लिए वायुमार्ग, रेलमार्ग या सड़कमार्ग से पहुंचा जा सकता है। अगर आप वायुमार्ग से जाना चाहते हैं तो आपको इंदौर एयरपोर्ट उतरना होगा और वहां से बस अथवा टैक्सी से जा सकते हैं।

ओंकारेश्वर

मध्यप्रदेश मध्यप्रदेश में देश के प्रसिद्ध 12 ज्योतिर्लिंगों में से 2 ज्योतिर्लिंग विराजमान हैं। एक उज्जैन में महाकाल के रूप में और दूसरा ओंकारेश्वर में ओम्कारेश्वर- ममलेश्वर के रूप में विराजमान हैं। ये एक लिंग के दो स्वरूप हैं। ओम्कारेश्वर लिंग को स्वयंभू समझा जाता है। ओम्कारेश्वर खंडवा जिले में नर्मदा नदी के बीच हिन्दू पवित्र चिन्ह ॐ के आकार में बने मन्धाता या शिवपुरी नामक द्वीप पर स्थित है। इस भव्य क्षेत्र में 33 कोटि देवता परिवार सहित निवास करते हैं तथा ज्योतिस्वरूप लिंग सहित 108 प्रभावशाली शिवलिंग हैं। ओंकारेश्वर तीर्थ क्षेत्र में चौबीस अवतार, माता घाट (सेलानी), सीता वाटिका, धावड़ी कुंड, मार्कण्डेय शिला, मार्कण्डेय संन्यास आश्रम, अन्नपूर्णाश्रम, विज्ञान शाला, बड़े हनुमान, खेड़ापति हनुमान, ओंकार मठ, माता आनंदमयी आश्रम, ऋणमुक्तेश्वर महादेव, गायत्री माता मंदिर, सिद्धनाथ गौरी सोमनाथ, आड़े हनुमान, माता वैष्णोदेवी मंदिर, चाँद-सूरज दरवाजे, वीरखला, विष्णु मंदिर, ब्रह्मेश्वर मंदिर, सेगाँव के गजानन महाराज का मंदिर, काशी विश्वनाथ, नरसिंह टेकरी, कुबेरेश्वर महादेव, चन्द्रमोलेश्वर महादेव के मंदिर भी दर्शनीय हैं। ओंकारेश्वर तीर्थ के साथ नर्मदाजी का भी विशेष महत्व है। मान्यता के अनुसार यमुनाजी में 15 दिन का स्नान तथा गंगाजी में 7 दिन का स्नान जो फल प्रदान करता है, उतना पुण्यफल नर्मदाजी के दर्शन मात्र से प्राप्त हो जाता है। ओंकारेश्वर पर लंबे समय तक ओंकारेश्वर भील राजाओं के शासन का क्षेत्र रहा । देवी अहिल्याबाई होलकर की ओर से यहाँ नित्य मृत्तिका के 18 सहस्र शिवलिंग तैयार कर उनका पूजन करने के पश्चात उन्हें नर्मदा में विसर्जित कर दिया जाता है। ओंकारेश्वर नगरी का मूल नाम श्मान्धाताश् है। ओंकारेश्वर मंदिर में शिव भक्त कुबेर ने तपस्या की थी तथा शिवलिंग की स्थापना की थी। नर्मदाजी में कोटितीर्थ पर स्नान करके यात्री सीढ़ियों से ऊपर चढ़कर ओंकारेश्वर मन्दिर में दर्शन करने जाते हैं।

भीमा शंकर

डाकनी में भीमा शंकर, महाराष्ट्र में पुणे से करीब 100 किलोमीटर दूर सह्याद्रि नामक पर्वत पर स्थित है भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग मन्दिर। करीब 3,250 फीट की ऊंचाई पर स्थित इस मंदिर का शिवलिंग मोटा होने से इसे मोटेश्वर महादेव के नाम से भी जाना जाता है। शिवपुराण के अनुसार भगवान शिव ने राक्षस तानाशाह भीम से युद्ध करने की ठानी। लड़ाई में भगवान शिव ने दुष्ट राक्षस को राख कर दिया और इस तरह अत्याचार की कहानी का अंत हुआ। भगवान शिव से सभी देवों ने आग्रह किया कि वे इसी स्थान पर शिवलिंग रूप में विराजित हो। उनकी इस प्रार्थना को भगवान शिव ने स्वीकार किया और वे भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग के रूप में आज भी यहां विराजित हैं। मान्यता है कि जो भक्त श्रद्धा से इस मंदिर के प्रतिदिन सुबह सूर्य निकलने के बाद 12 ज्योतिर्लिंगों का नाम जापते हुए इस मंदिर के दर्शन करता है, उसके सात जन्मों के पाप दूर होते हैं तथा उसके लिए स्वर्ग के मार्ग खुल जाते हैं। नागर शैली में बने मंदिर का शिखर नाना फड़नवीस द्वारा 18वीं सदी में बनाया गया था। मराठा शासक शिवाजी ने इस मंदिर की पूजा के लिए कई तरह की सुविधाएं प्रदान की। समीप पार्वती जी का अवतार कमलजा मंदिर है। यहां हनुमान झील, गुप्त भीमशंकर, भीमा नदी की उत्पत्ति, नागफनी, बॉम्बे प्वाइंट, साक्षी विनायक आदि दर्शनीय स्थल हैं। भीमाशंकर लाल वन क्षेत्र और वन्यजीव अभयारण्य द्वारा संरक्षित है। यह जगह श्रद्धालुओं के साथ-साथ ट्रैकर्स प्रेमियों के लिए भी आकर्षण का केंद्र है। पुणे से बस यहां तक के करीब चर घंटे का समय लेती हैं।

त्रयंबकेश्वर

गोमती तट पर त्रयंबकेश्वर, महाराष्ट्र नासिक जिले में ब्रह्मगिरी पर्वत के निकट गोमती के किनारे स्थित है। यहीं से गोदावरी नदी का उद्गम होता है। स्थित त्रयम्बकेश्वर महादेव की बड़ी महिमा है। यहाँ गौतम ऋषि की प्रार्थना पर भगवान शिव इस स्थान पर अवस्थित हुए और त्रयम्बकेश्वर के नाम से विख्यात हुए। मंदिर के अन्दर एक छोटे गड्ढे में तीन छोटे-छोटे लिंग हैं जो ब्रह्मा, विष्णु और शिव तीनों शक्ति के प्रतीक माने जाते हैं, इसी कारण त्रयम्बकेश्वर ज्योतिर्लिंग की बड़ी महत्ता है। गर्भगृह में इन लिंगों की केवल अर्धा ही दिखाई देती है। प्रातः काल में होने वाली पूजा के बाद इस अर्धा पर चाँदी का पंचमुखी मुकुट चढ़ा दिया जाता है। त्रयम्बकेश्वर का मंदिर काले पत्थरों से बना स्थापत्य कला का सिन्धु-आर्य शैली का सुन्दर नमूना है। यहां कालसर्प शांति, त्रिपिंडी विधि और नारायण नागबलि की पूजा कराई जाती है। यहां शिवरात्रि और सावन के सोमवार के दिनों में भक्तों का ताँता लगा रहता है। मंदिर के पर्वत से शिखर तक पहुँचने के लिए सीढ़ियों का रास्ता बना है, जिन पर चढ़ने पर रामकुण्ड एवं लक्ष्मण कुण्ड आते हैं तथा शिखर पर गौमुख से निकली हुई भगवती गोदावरी के दर्शन होते हैं।

वैद्यनाथ

चिताभूमि में वैद्यनाथ, महाराष्ट्र झारखण्ड के देवधर ग्राम में स्थित वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग मंदिर पवित्र तीर्थ होने के कारण इसे वैद्यनाथ धाम भी कहा जाता है। देवधर का अर्थ देवताओं के घर से लिया गया है। यहां स्थित ज्योतिर्लिंग सिद्धपीठ है। इस कारण लिंग को कामना लिंग कहा जाता है। मुख्य मंदिर के परिसर में चारों ओर अनेक देवी-देवताओं के मंदिर बनाये गये हैं। यहां छठ के अवसर पर दर्शनार्थियों की विशेष भीड़ रहती है। लोग बड़ी संख्या में कावड़ लेकर भजन-कीर्तन करते हुए तथा भोले के जयकारे लगाते हुए सुल्तानगंज से पवित्र गंगा का जल लेकर यहां आते हैं और बाबा को चढ़ाते हैं। देवधर में ज्योतिर्लिंग स्थापित होने के पीछे प्रचलित कथानक के अनुसार रावण ने हिमालय पर जाकर शिव जी को प्रसन्न करने के लिए घोर तपस्या की ओर अपने सिर काट-काट कर शिवलिंग पर चढ़ाने शुरू कर दिये। जब वह नौ सिर चढ़ाने के बाद 10 वां सिर काटने को था तब ही शिव जी प्रकट हो गये और प्रसन्न होकर उससे वरदान मांगने को कहा। रावण ने इस शिवलिंग को लंका में ले जाकर स्थापित करने का वरदान मांगा। शिव ने इस शर्त के साथ कि रास्ते में शिवलिंग को कहीं भी धरा पर नहीं रखोगे, ले जाने की अनुमति दे दी। रास्ते में रावण को लघु शंका निवारण की आवश्यकता हुई तो वह इसे एक अहीर को देकर लघुशंका निवृत्ति के लिए चला गया। इधर अहीर को जब इसका वजन महसूस हुआ तो उसने इसे पृथ्वी पर रख दिया। लौटने पर रावण जब इसे उठा नहीं सका तो निराश होकर मूर्ति पर अपना अपना अंगूठा गड़ाकर लंका चला गया। अब यहां ब्रह्मा एवं विष्णु आदि देवों ने आकर शिवलिंग की पूजा की तथा शिव जी के दर्शन होते ही सभी देवताओं ने शिवलिंग की यहां शिव स्तुति के साथ स्थापना की और स्वर्ग को लौट गये। तब से आज तक यह स्थान शिव के ज्योतिर्लिंगों में शामिल होकर पूजा जाता है।

धृष्णेश्वर

महाराष्ट्र यह ज्योतिर्लिंग औरंगाबाद से 35 किलोमीटर दूर तथा दौलताबाद से 11 किलोमीटर दूर वेरूल गांव के पास स्थित है जिसे घुष्मेश्वर भी कहा जाता है। मंदिर के गर्भगृह में पूर्वाभिमुख एक बड़े आकार का शिव लिंग स्थापित है। भव्य नन्दीकेश्वर सभा मण्डप में स्थापित है। गर्भगृह सभा मण्डप से कुछ नीचे स्तर पर बना है। मंदिर की दीवारों पर देवी-देवताओं की मूर्तियां खुदी हुई हैं। सभा मण्डप सुन्दर नक्काशीदार 24 खम्भों पर बना है। वास्तुकला की दृष्टि से मंदिर दर्शनीय है। मुख्य त्रिकाल पूजा एवं आरती प्रातः 6 बजे एवं रात 8 बजे होती है। महाशिवरात्री के अवसर पर भगवान शिव की पालकी में शोभा यात्रा बनाकर समीप के शवालय तीर्थ कुण्ड तक ले जाई जाती है। मंदिर का प्रबन्धन देवस्थान द्वारा किया जाता है।

मल्लिकार्जुन

श्रीशैल पर्वत पर मलिकार्जुन, आंध्रप्रदेश आन्ध्रप्रदेश के कुर्नूल जिले में सर्वव्यापी भगवान शंकर के द्वारा ज्योतिर्लिंग के दर्शन एवं स्पर्श करने से सब प्रकार आनंद की प्राप्ती होती है जो विष्णु पुराण में वर्णित हैं। हैदराबाद से 232 किलोमीटर दूर कृष्णा नदी के किनारे स्थित भगवान मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग स्थित है। पुत्र प्राप्ति के लिए इनकी स्तुति की जाती है। इसे "दक्षिण का कैलाश" कहा जाता है। ज्योतिर्लिंग से जुड़ी अनेक कथाएं हैं और कहा जाता है कि यहां दर्शन करने पर सारे पाप धुल जाते हैं और मनुष्य जन्म-मरण के बंधन से मुक्त हो जाता है। मंदिर परिसर में माँ दुर्गा का मंदिर भी बना है जिसे भ्रामरंबा देवी के नाम से जाना जाता है। मंदिर के पीछे पार्वती देवी का अलग से मंदिर बना है जिसे मल्लिका देवी कहा जाता है। मुख्य मंदिर में गर्भगृह में ज्योतिर्लिंग स्थापित है तथा इसके सामने सभा मण्डप में नन्दी की विशाल प्रतिमा बनी है। यहां सोने के शिखर वाला सुन्दर मण्डप दूर से नजर आता है। विजय नगर के महाराजा कृष्ण राय तथा शिवाजी ने इस मंदिर का विस्तार कराया। अहिल्या देवी होल्कर ने पातालगंगा के तट पर 852 सीढ़ियों वाले घाट का निर्माण कराया। पाताल गंगा मंदिर से करीब 3 किलोमीटर कठिन मार्ग है। पर्वत के नीचे कृष्णा नदी बनी है जो पर्यटन के लिए एक अच्छा स्थल है। झील में सैलानी नौकायन का आनन्द भी उठा सकते हैं।

रामेश्वरम

सेतुबन्द पर रामेश्वरम, तमिलनाडु द्वादश ज्योतिर्लिंगों में दक्षिण भारत के तमिलनाडु में स्थित रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग का प्रसंग रामायण काल से जुड़ा है। वाल्मीकि रामायण के अनुसार इस मंदिर में जो शिवलिंग हैं, उसके पीछे मान्यता यह है कि जब मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम सीताजी को रावण से छुड़ाने के लिए लंका जा रहे थे, तब उन्हें रास्ते में प्यास लगी। जब वे पानी पीने लगे तभी उनको याद आया कि उन्होंने भगवान शंकर के दर्शन नहीं किए हैं, ऐसे में वे कैसे जल ग्रहण कर सकते हैं। तब श्री राम ने विजय प्राप्ति के लिए रेत का शिवलिंग स्थापित करके शिव पूजन किया था, क्योंकि भगवान राम जानते थे कि रावण भी शिव का परम भक्त है और युद्ध में हरा पाना कठिन कार्य है, इसलिए भगवान राम ने लक्ष्मण सहित शिवजी की आराधना की और भगवान शिव प्रसन्न होकर माता पार्वती के साथ प्रकट होकर श्री राम को विजय का आशीर्वाद दिया। भगवान राम ने शिवजी से लोक कल्याण के लिए उसी स्थान पर शिवलिंग के रूप में सदा के लिए निवास करने को कहा जिसे भगवान शिव ने स्वीकार कर लिया। रामेश्वर मन्दिर में ज्योतिर्लिंग के दर्शन दूर से किए जाते हैं। मन्दिर के मध्य शिवलिंग के आसपास हलका सा अंधेरा रहता है अतः बहुत ध्यानपूर्वक दर्शन करने होते हैं। दर्शनार्थियों की लंबी कतार लगी रहती है। पुजारी अपने स्थान पर ही अभिषेक भी कराते हैं। भक्तगण ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर शिव भक्त पुण्य कमाते हैं। प्रातः काल शिवलिंग के मणी दर्शन भी कराए जाते हैं।

-साभार

महाशिवरात्रि पर पंचग्रही योग

इस बार महाशिवरात्रि पर दो शुभ संयोग बनने के साथ पंचग्रही योग भी बन रहा है। ऐसे में शुभ संयोग में महाशिवरात्रि पर शिव आराधना करने पर सभी भक्तों की मनोकामनाएं अवश्य ही पूरी होंगी। हिंदू पंचांग के अनुसार हर वर्ष फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिवरात्रि का त्योहार मनाया जाता है। इस बार महाशिवरात्रि 01 मार्च को मनाई जाएगी। भगवान भोलेनाथ को चतुर्दशी तिथि बहुत ही प्रिय होती है,इसलिए हर माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मासिक शिवरात्रि का व्रत रखा जाता है। महाशिवरात्रि पर्व को लेकर कई तरह के कथाएं प्रचलित हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार फाल्गुन कृष्ण पक्ष चतुर्दशी तिथि को ही भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। यही कारण है कि महाशिवरात्रि को अत्यन्त महत्वपूर्ण और पवित्र माना जाता है। शिव भक्तों के लिए महाशिवरात्रि का त्योहार बहुत ही खास होता है। इसमें भक्त व्रत रखते हुए भगवान शिव की विशेष रूप से पूजा आराधना करते हैं। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस बार महाशिवरात्रि पर दो शुभ संयोग बनने के साथ पंचग्रही योग भी बन रहा है। ऐसे में शुभ संयोग में महाशिवरात्रि पर शिव आराधना करने पर सभी भक्तों की मनोकामनाएं अवश्य ही पूरी होंगी।

महाशिवरात्रि पर शुभ योग

इस बार महाशिवरात्रि पर धनिष्ठा नक्षत्र के साथ परिघ योग बनेगा। धनिष्ठा और परिघ योग के बाद शतभिषा नक्षत्र और शिव योग का संयोग होगा। ज्योतिषशास्त्र में परिघ योग में पूजा करने पर शत्रुओं पर विजय प्राप्ति होती है। महाशिवरात्रि 2022 पर ग्रहों का योगः इस वर्ष महाशिवरात्रि 01 मार्च को मनाई जाएगी। महाशिवरात्रि पर ग्रहों का विशेष योग बनने जा रहा है। दरअसल इस बार मकर राशि में पंचग्रही योग का निर्माण हो रहा है। मकर राशि में शनि, मंगल, बुध, शुक्र और चंद्रमा ये पांचों ग्रह एक साथ रहेंगे। इसके अलावा लग्न में कुंभ राशि में सूर्य और गुरु की युति भी रहेगी।

महाशिवरात्रि तिथि

- चतुर्दशी तिथि आरंभः 1 मार्च, मंगलवार, 03:16 AM
- चतुर्दशी तिथि समाप्तः 2 मार्च, बुधवार, 1:00 AM

चारों प्रहर का पूजन मुहूर्त

- महाशिवरात्रि पहले पहर की पूजाः 1 मार्च 2022 को 6:21PM से 9:27PM
- महाशिवरात्रि दूसरे पहर की पूजाः 1 मार्च को रात्रि 9:27PM से 12:33AM
- महाशिवरात्रि तीसरे पहर की पूजाः 2 मार्च को रात्रि 12:33AM से सुबह 3:39AM
- महाशिवरात्रि चौथे पहर की पूजाः 2 मार्च 2022 को 3:39PM से 6:45PM

महाशिवरात्रि पूजन विधि

महाशिवरात्रि के दिन सुबह जल्दी से स्नान करके लोटे में पानी और दूध भरकर साथ में बेलपत्र आक-धतूरे के फूल पास के मंदिर में जाकर शिवलिंग पर चढ़ाना चाहिए। घर में ही मिट्टी का शिवलिंग बनाकर उनका पूजन किया जाना चाहिए। महाशिवरात्रि पर शिव पुराण का पाठ और महामृत्युंजय मंत्र या शिव के पंचाक्षर मंत्र ॐ नमः शिवाय का जाप इस दिन करें।

बेलपत्र और जल चढ़ाने से क्यों होते हैं जल्द प्रसन्न

01 मार्च को महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाएगा। शास्त्रों में भगवान शिव को औढ़र दानी कहा गया हैं। शिव का यह नाम इसलिए है क्योंकि यह थोड़ी सी भक्ति से शीघ्र प्रसन्न हो जाते हैं और तुरंत भक्तों की मनोकामना को पूरी करते हैं। इसलिए सकाम भावना से पूजा-पाठ करने वाले लोगों को भगवान शिव अति प्रिय हैं। भोलेनाथ थोड़ी सी भक्ति और बेलपत्र एवं जल से भी प्रसन्न हो जाते हैं। यही कारण है कि भक्तगण जल और बेलपत्र से शिवलिंग की पूजा करते हैं और शिवजी का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। भोलेनाथ को ये दोनों चीजें क्यों पसंद हैं इसका उत्तर पुराणों में इस प्रकार दिया गया है। शिवरात्रि की कथा में एक प्रसंग आता है कि शिवरात्रि की रात्रि में एक भील शाम हो जाने की वजह से घर नहीं जा सका। उस रात उसे बेल के वृक्ष पर रात बितानी पड़ी। नींद आने से वृक्ष से गिर न जाए इसलिए रात भर बेल के पत्तों को तोड़कर नीचे फेंकता रहा। संयोगवश बेल के वृक्ष के नीचे शिवलिंग था। बेल के पत्ते शिवलिंग पर गिरने से शिवजी भील से प्रसन्न हो गए। शिव जी भील के सामने प्रकट हुए और परिवार सहित भील को मुक्ति का वरदान दिया। इस तरह बेलपत्र की महिमा से भील को शिवलोक प्राप्त हुआ।

विश्व में शांति एवं सहजीवन के प्रेरक हैं भगवान शिव

शिव सभी देवताओं में वे सर्वोच्च हैं, महानतम हैं, दु:खों को हरने वाले हैं। वे कल्याणकारी हैं तो संहारकर्ता भी हैं। प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि को असंख्य श्रद्धालु शिव की भक्ति में मग्न होकर शिवत्व का जन्म दिवस मनाते हैं। यह शिव से मिलन की रात्रि का सुअवसर है।

भगवान शिव शक्ति के प्रतीक ज्योतिर्लिंग का प्रादुर्भाव फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की निशीथ काल में हुआ था, वे आदिदेव है, देवों के देव है, महादेव हैं। उनके जन्मोत्सव को महाशिवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। शिव पुराण के अनुसार सृष्टि के आरंभ में ब्रह्मा ने इसी दिन रुद्र रूपी शिव को उत्पन्न किया था। शिव एवं हिमालय पुत्री पार्वती का विवाह भी इसी दिन हुआ था। अतः यह शिव एवं शक्ति के पूर्ण समरस होने की रात्रि भी है। वे सृष्टि के सर्जक हैं। वे मनुष्य जीवन के ही नहीं, सृष्टि के निर्माता, पालनहार एवं पोषक हैं। उन्होंने मनुष्य जाति को नया जीवन दर्शन दिया। जीने की शैली सिखलाई।

शिव सभी देवताओं में वे सर्वोच्च हैं, महानतम हैं, दुःखों को हरने वाले हैं। वे कल्याणकारी हैं तो संहारकर्ता भी हैं। प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि को असंख्य श्रद्धालु शिव की भक्ति में मग्न होकर शिवत्व का जन्म दिवस मनाते हैं। यह शिव से मिलन की रात्रि का सुअवसर है। यह पर्व सांस्कृतिक एवं धार्मिक चेतना की ज्योति किरण है। इससे हमारी चेतना जाग्रत होती है, जीवन एवं जगत में प्रसन्नता, गति, संगति, सौहार्द, ऊर्जा, आत्मशुद्धि एवं नवप्रेरणा का प्रकाश परिव्याप्त होता है। यह पर्व जीवन के श्रेष्ठ एवं मंगलकारी व्रतों, संकल्पों तथा विचारों को अपनाने की प्रेरणा देता है।

भौतिक एवं भोगवादी भागदौड़ की दुनिया में शिवरात्रि का पर्व भी दुःखों को दूर करने एवं सुखों का सृजन करने का प्रेरक है। भोलेनाथ भाव के भूखे हैं, कोई भी उन्हें सच्ची श्रद्धा, आस्था और प्रेम के पुष्प अर्पित कर अपनी मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना कर सकता है। दिखावे, ढोंग एवं आडम्बर से मुक्त विद्वान-अनपढ़, धनी-निर्धन कोई भी अपनी सुविधा तथा सामर्थ्य से उनकी पूजा और अर्चना कर सकता है। शिव न काठ में रहता है, न पत्थर में, न मिट्टी की मूर्ति में, न मन्दिर की भव्यता में, वे तो भावों में निवास करते हैं।

भगवान शिव भोले भण्डारी है और जग का कल्याण करने वाले हैं। सृष्टि के कल्याण हेतु जीर्ण-शीर्ण वस्तुओं का विनाश आवश्यक है। इस विनाश में ही निर्माण के बीज छुपे हुए हैं। इसलिये शिव संहारकर्ता के रूप में निर्माण एवं नव-जीवन के प्रेरक भी है। सृष्टि पर जब कभी कोई संकट पड़ा तो उसके समाधान के लिये वे सबसे आगे रहे। जब भी कोई संकट देवताओं एवं असुरों पर पड़ा तो उन्होंने शिव को ही याद किया और शिव ने उनकी रक्षा की।

समुद्र-मंथन में देवता और राक्षस दोनों ही लगे हुए थे। सभी अमृत चाहते थे, अमृत मिला भी लेकिन उससे पहले हलाहल विष निकला जिसकी गर्मी, ताप एवं संकट ने सभी को व्याकुल कर दिया एवं संकट में डाल दिया, विष ऐसा की पूरी सृष्टि का नाश कर दें, प्रश्न था कौन ग्रहण करें इस विष को। भोलेनाथ को याद किया गया गया। वे उपस्थित हुए और इस विष को ग्रहण कर सृष्टि के सम्मुख उपस्थित संकट से रक्षा की। उन्होंने इस विष को कंठ तक ही रखा और वे नीलकंठ कहलाये। इसी प्रकार गंगा को पृथ्वी पर लाने के लिये भोले बाबा ने ही सहयोग किया। क्योंकि

गंगा के प्रचंड दबाव और प्रवाह को पृथ्वी कैसे सहन करें, इस समस्या के समाधान के लिये शिव ने अपनी जटाओं में गंगा को समाहित किया और फिर अनुकूल गति के साथ गंगा का प्रवाह उनकी जटाओं से हुआ। ऐसे अनेक सृष्टि से जुड़े संकट और उसके विकास से जुड़ी घटनाएं हैं जिनके लिये शिव ने अपनी शक्तियों, तप और साधना का प्रयोग करके दुनिया को नव-जीवन प्रदान किया। शिव का अर्थ ही कल्याण है, वही शंकर है, और वही रुद्र भी है। शंकर में शं का अर्थ कल्याण है और कर का अर्थ करने वाला। रुद्र में रु का अर्थ दुःख और द्र का अर्थ हरना- हटाना। इस प्रकार रुद्र का अर्थ हुआ, दुःख को दूर करने वाले अथवा कल्याण करने वाले।

यह पर्व महाकाल शिव की आराधना का महापर्व है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन पूजा एवं अभिषेक करने पर उपासक को समस्त तीर्थों के स्नान का फल प्राप्त होता है। शिवरात्रि का व्रत करने वाले इस लोक के समस्त भोगों को भोगकर अंत में शिवलोक में जाते हैं। शिवरात्रि की पूजा रात्रि के चारों प्रहर में करनी चाहिए। शिव को बिल्वपत्र, धतूरे के पुष्प तथा प्रसाद में भांग अति प्रिय हैं। लौकिक दृष्टि से दूध, दही, घी, शकर, शहद- इन पाँच अमृतों (पंचामृत) का पूजन में उपयोग करने का विधान है। महामृत्युंजय मंत्र शिव आराधना का महामंत्र है। शिवरात्रि वह समय है जो पारलौकिक, मानसिक एवं भौतिक तीनों प्रकार की व्यथाओं, संतापों, पाशों से मुक्त कर देता है। शिव की रात शरीर, मन और वाणी को विश्राम प्रदान करती है। लौकिक जगत में लिंग का सामान्य अर्थ चिह्न होता है जिससे पुल्लिंग, स्त्रीलिंग और नपुंसक लिंग की पहचान होती है। शिव लिंग लौकिक के परे है। इस कारण एक लिंगी है। आत्मा है। शिव संहारक हैं। वे पापों के संहारक हैं। शिव की गोद में पहुंचकर हर व्यक्ति भय-ताप से मुक्त हो जाता है।

शिवरात्रि जागृति का पर्व है। जिसमें आत्मा का मंगलकारी शिव से मिलना होता है। यह आत्म स्वरूप को जानने की रात्रि है। यह स्वयं के भीतर जाकर अथवा अंतश्चेतना की गहराइयों में उतरकर आत्म साक्षात्कार करने का दुर्लभ प्रयोग है। यह आत्मयुद्ध की प्रेरणा है, क्योंकि स्वयं को जीत लेना ही जीवन की सच्ची जीत है, शिवत्व की प्राप्ति है। काल के इस क्षण की सार्थकता शिवमय हो जाने में है। शक्ति माया नहीं है, मिथ्या नहीं है, प्रपंच नहीं है। इसके विपरीत शक्ति सत्य है। जीव और जगत भी सत्य है। सभी तत्वतः सत्य हैं। सभी शिवमय हैं।

शिवरात्रि भोगवादी मनोवृत्ति के विरुद्ध एक प्रेरणा है, संयम की, त्याग की, भक्ति की, संतुलन की। सुविधाओं के बीच रहने वालों के लिये सोचने का अवसर है कि वे आवश्यक जरूरतों के साथ जीते हैं या जरूरतों से ज्यादा आवश्यकताओं की मांग करते हैं। इस शिवभक्ति एवं उपवास की यात्रा में हर व्यक्ति में अहंकार नहीं, बल्कि शिशुभाव जागता है। क्रोध नहीं, क्षमा शोभती है। कष्टों में मन का विचलन नहीं, सहने का धैर्य रहता है। यह तपस्या स्वयं के बदलाव की एक प्रक्रिया है। यह प्रदर्शन नहीं, आत्मा के अभ्युदय की प्रेरणा है। इसमें भौतिक परिणाम पाने की महत्वाकांक्षा नहीं, सभी चाहों का संन्यास है।

शिव ने जीवन को नई और परिपूर्ण शैली दी। पृथ्वी, पानी, अग्नि, वायु, वनस्पति की जीवन में आवश्यकता और उपयोगिता का प्रशिक्षण दिया। कला, साहित्य, शिल्प, मनोविज्ञान, विज्ञान, पराविज्ञान और शिक्षा के साथ साधना के मानक निश्चित किए। सबको काम, अर्थ, धर्म, मोक्ष की पुरुषार्थ चतुष्टयी की सार्थकता सिखलाई। वे भारतीय जीवन-दर्शन के पुरोधा हैं।

आज चारों ओर युद्ध, अनैतिकता, आतंक,

भारतीय संस्कृति की भांति शिव परिवार में भी समन्वयकारी गुण दृष्टिगोचर होते हैं। वहां जन्मजात विरोधी स्वभाव के प्राणी भी शिव के प्रताप से परस्पर प्रेमपूर्वक निवास करते हैं। शंकर का वाहन बैल है तो पार्वती का वाहन सिंह, गणेश का वाहन चूहा है तो शिव के गले का हार सर्प एवं कार्तिकेय का वाहन मयूर है।

अराजकता और अनुशासनहीनता का बोलबाला है। व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र- हर कहीं दरारे ही दरारे हैं, हर कहीं टूटन एवं बिखराव है। मानवीय दृष्टि एवं जीवन मूल्य खोजने पर भी नहीं मिल रहे हैं। मनुष्य आकृति से मनुष्य रह गया है, उसकी प्रकृति तो राक्षसी हो चली है। मानवता क्षत-विक्षत होकर कराह रही है। यूक्रेन एवं रूस के बीच चल रहा युद्ध मानवता के विनाश की कहानी लिख रहा है, विश्वयुद्ध की संभावनाएं गहराती जा रही है। इन सबका कारण है कि हमने आत्म पक्ष को भुला दिया है। इन विकट स्थितियों में महादेव ही हमें बचा सकते हैं, क्योंकि शिव ने जगत की रक्षा हेतु बार-बार और अनेक बार उपक्रम किये।

वस्तुतः अपने विरोधियों एवं शत्रुओं को मित्रवत बना लेना ही सच्ची शिव भक्ति है। जिन्हें समाज तिरस्कृत करता है उन्हें शिव गले लगाते हैं। तभी तो अछूत सर्प उनके गले का हार है, अधम रूपी भूत-पिशाच शिव के साथी एवं गण हैं। समाज जिनकी उपेक्षा करता है, शंकर उन्हें आमंत्रित करते हैं। शिव की बरात में आए नंग-धडंग, अंग-भंग, भूत-पिशाच इसी तथ्य को दृढ़ करते हैं। इस लिहाज से शिव सच्चे पतित पावन हैं। उनके इसी स्वभाव के कारण देवताओं के अलावा दानव भी शिव का आदर करते हैं। सचमुच! धन्य है उनकी तितिक्षा, कष्ट-सहिष्णुता, दृढ़-संकल्पशक्ति, धैर्यशीलता, आत्मनिष्ठा और अखण्ड साधनाशीलता।

भारतीय संस्कृति की भांति शिव परिवार में भी समन्वयकारी गुण दृष्टिगोचर होते हैं। वहां जन्मजात विरोधी स्वभाव के प्राणी भी शिव के प्रताप से परस्पर प्रेमपूर्वक निवास करते हैं। शंकर का वाहन बैल है तो पार्वती का वाहन सिंह, गणेश का वाहन चूहा है तो शिव के गले का हार सर्प एवं कार्तिकेय का वाहन मयूर है। ये सभी परस्पर वैर भाव को छोड़कर सहयोग एवं सद्भाव से रहते हैं। शिव परिवार का यह आदर्श रूप प्रत्येक परिवार एवं समाज के लिए ग्राह्य है, विश्व में शांति एवं सहजीवन का प्रेरक है। आज समाज एवं राष्ट्र में ऐसे ही सद्भाव, सौहार्द एवं समन्वय की आवश्यकता है।

-साभार

सावधान...! कस्टमर केयर नंबर पर कॉल करते ही खाली हो सकता है अकाउंट

ताकि जाल में फंस जाएं...

आमतौर पर हम जब भी गूगल पर कुछ सर्च करते है, तो पहले नंबर पर आने वाली लिंक पर ही क्लिक करते हैं। ऐसे में ये जालसाज वेबसाइट पर इस तरह से काम करते है कि जब भी कोई उस कंपनी का नाम सर्च करे, तो इनकी बनाई हुई फर्जी वेबसाइट गूगल पर सबसे पहले नंबर पर आए और उसपर दिए गए नंबर पर कॉल करके लोग इनके जाल में फंस जाए। इसके बाद ये आसानी से उनसे ठगी कर सके।

लिंक पर क्लीक करना, यानि खतरा...

दरअसल फर्जी नंबर पर कॉल करते ही साइबर ठग कस्टमर से कंपनी का कर्मचारी बनकर उससे बात करते है और उसकी परेशानी पूछते है। इसके बाद वह कस्टमर से कहते हैं कि वह उनकी परेशानी सुलझा देगा। इसके लिए वह उसके नंबर पर एक लिंक भेज रहा है, वह उसपर क्लिक करे। जैसे ही कस्टमर ठग द्वारा भेजी गई लिंक पर क्लिक करता है, उसका मोबाइल हैंग हो जाता है और मोबाइल का पूरा एक्सेस जालसाजों के पास पहुंच जाता है।

कुछ समझो, तब तक अकाउंट खाली

इसके बाद ये जालसाज उसकी पूरी निजी जानकारी चुरा लेते हैं और उसके कार्ड से शॉपिंग कर लेते हैं। चूंकि मोबाइल का पूरा एक्सेस ठगों के पास होने के कारण उन्हें ओटीपी भी मिल जाता है। जब तक व्यक्ति कुछ समझ पाए, तब तक उसका अकाउंट खाली हो चुका होता है। इसके बाद वह अपने साथ हुई ठगी की शिकायत लेकर साइबर पुलिस के पास पहुँचता है। इंदौर में इस तरह की ठगी के मामले तेजी से बढ़ें है।

कोरोना महामारी की तीसरी लहर भी अब लगभग निकल चुकी है, लेकिन इस महामारी के चलते लगे लॉक डाउन के दौर में इंटरनेट और सोशल मीडिया पर हमारी निर्भरता और तेजी से बढ़ी है, जो अभी तक है। ऐसे में साइबर अपराधी भी पहले से ज्यादा सक्रिय हो गए हैं और लोगों से ठगी करने के नए-नए तरीके ढूंढ रहे हैं। इंटरनेट पर बढ़ती निर्भरता और ऑनलाइन कामों से साइबर अपराधों में भी तेजी आई है। ऐसे में किसी भी कंपनी कस्टमर केयर नंबर पर कॉल करने से पहले उसकी अच्छी तरह जांच जरूरी है, क्योंकि कस्टमर केयर पर कॉल करने के बाद अकाउंट खाली भी हो सकता है। अब जालसाजों ने ठगी के लिए कंपनियों के नाम पर फर्जी नंबर भी डालने शुरू कर दिए हैं।

आमतौर पर हम किसी भी बैंक का कंपनी से शिकायत होने पर हम उसका कस्टमर केयर नंबर गूगल पर सर्च करते हैं और जो नंबर पहले दिखता है, उसपर कॉल करके समाधान की कोशिश करते हैं। लेकिन अब इस पर भी साइबर ठगों की नजर पड़ गई है और ये इसी का फायदा उठाकर लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। जालसाजों ने इन्ही नंबरों से लोगों को ठगने का नया तरीका निकाला है। पिछले कुछ महीनों में इंदौर में इस तरह के कई मामले सामने आए है, जिसमें कस्टमर केयर पर कॉल करने वाले लोगों के अकाउंट खाली हो गए हैं।

फर्जी वेबसाइट का सहारा

लोगों को अपने जाल में फंसाने के लिए साइबर ठग बड़ी और नामी कंपनियों के नाम से फर्जी वेबसाइट बनाते है। इस फर्जी वेबसाइट को बिलकुल कंपनी की वेबसाइट की तरह तैयार किया जता है, ताकि किसी को शक न हो। इसमें कंपनी की असली वेबसाइट से मामूली सा अंतर रखा जाता है, जिसपर किसी का ध्यान नहीं जाता और लोग ठगी का

खजुराहो नृत्य समारोह

उत्कृष्ट पाषाण कला को विश्व स्तर पर दिलाएगा पहचान-राज्यपाल

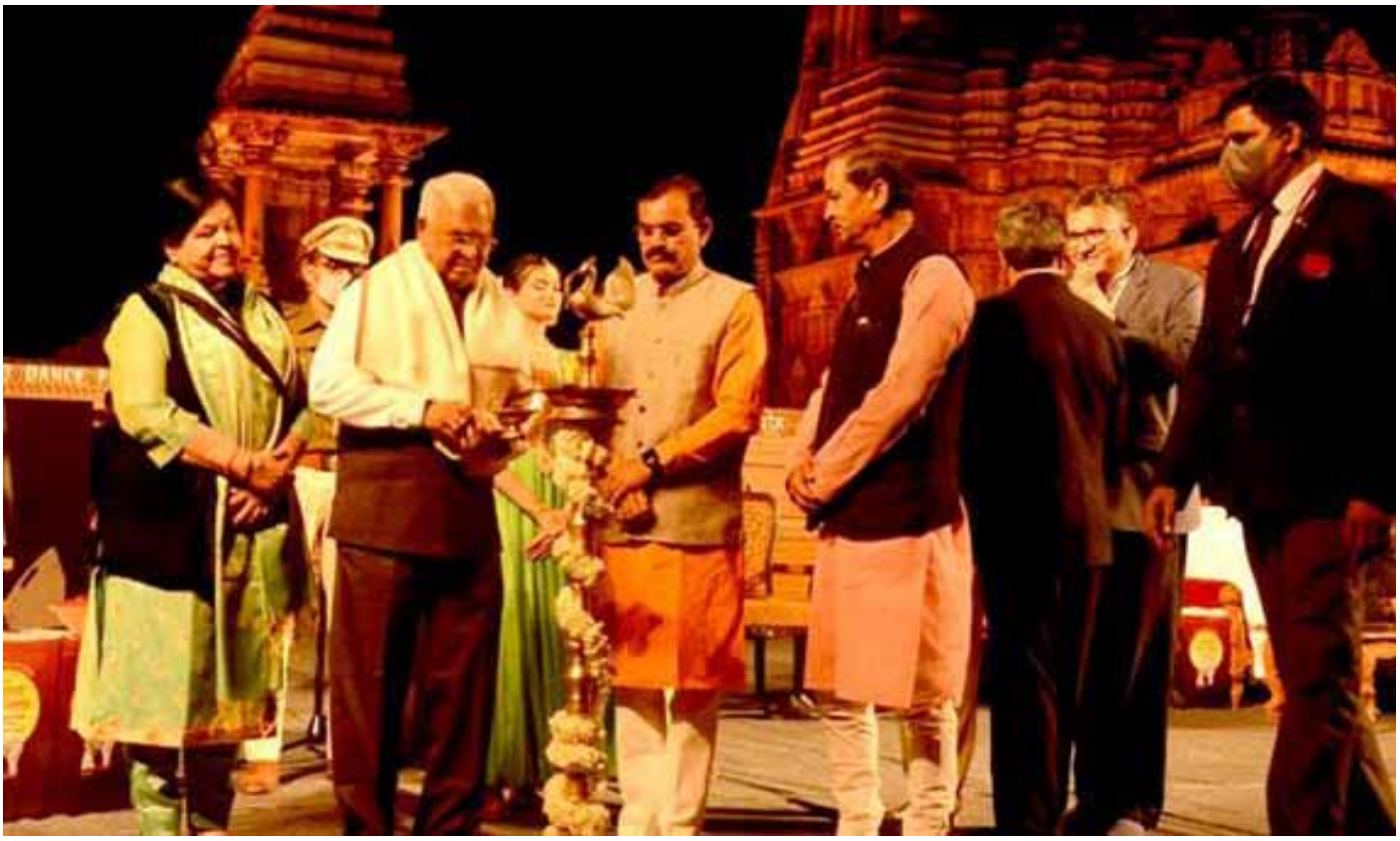

राष्ट्रीय कालिदास सम्मान और राज्य रूपंकर कला पुरस्कार अलंकरण

राज्यपाल श्री मंगु भाई पटेल ने कहा कि खजुराहो नृत्य समारोह खजुराहो की उत्कृष्ट पाषाण कला को विश्व स्तर पर पहचान दिलाएगा। यह न सिर्फ प्रदेश और देश बल्कि विश्व के सांस्कृतिक परिदृश्य पर अमिट छाप छोड़ेगा। राज्यपाल श्री पटेल 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अवसर पर विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल खजुराहो में 48वाँ 'खजुराहो नृत्य समारोह-2022' का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि नृत्य सार्वभौमिक कला है, जिसका जन्म मानव जीवन के साथ हुआ है। यह शिल्प, नाट्य, संगीत और साहित्य का संगम है। पुराणों में इसे दुष्ट नाशक और ईश्वरी साधना का माध्यम माना गया है। खजुराहों नृत्य समारोह इसी शास्त्रीय नृत्य की साधना का गरिमामय आयोजन है। राज्यपाल श्री पटेल ने पर्यटन, संस्कृति और अध्यात्म मंत्री सुश्री उषा ठाकुर, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा और सांसद श्री विष्णु दत्त शर्मा के साथ दीप जला कर समारोह का शुभारंभ किया। उन्होंने भारत माता के चित्र पर पुष्प भी अर्पित किये।

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री सुश्री ठाकुर ने कहा कि भारत में सभी कला की अंतर्निहित दृष्टि अध्यात्म है। भारत मे मंदिरों की परंपराओं से नृत्य शैलियों का उद्भव हुआ है। तंजौर के मंदिर से भरतनाट्यम, भगवान जगन्नाथ पुरी के मंदिर से ओडीसी नृत्य, नटवर कृष्ण के नृत्य से प्रेरित कथक, केरल के गुरुवायुर मंदिर से कथकली, भगवान विष्णु के मोहिनी अवतार पर आधारित मोहिनीअट्टम, और मणिपुरी नृत्य वैष्णव संप्रदाय की देन है। नृत्य सभी प्रकार के भावों की लयबद्ध प्रस्तुति है। संपूर्ण ब्रह्मांड भी लय बद्धता के कारण ही संचालित होता है। इन्हीं लयबद्ध नृत्य की मुद्राओं के रूप में खजुराहों की मूर्तियाँ भारतीय दर्शन की जीवंत झांकियाँ हैं। सनातन धर्म के चारों पुरुषार्थ धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष को दर्शाती हैं। यह बाह्य जगत से अंतर्जगत की यात्रा है। मानव जीवन में नृत्य की महानता और उसके योगदान को देखते हुए खजुराहो में शास्त्रीय नृत्य संदर्भ का केंद्र स्थापित किया जाएगा।

मंत्री श्री सखलेचा ने कहा कि बुंदेलों द्वारा 9वीं से 12वीं शताब्दी के बीच कला और संस्कृति के संयोग को मंदिरों के रूप में स्थापित किया गया था। यह मंदिर जोमेट्री, गणित और वास्तुकला का अद्भुत नमूना है। यहाँ की मूर्तियों में जीवन जीने की कला का चित्रण है, जो दुनिया में कहीं देखने को नहीं मिलती है।

सांसद श्री वी.डी. शर्मा ने कहा कि खजुराहो कला, संस्कृति और अध्यात्म का संगम है। इसे मृतंगेश्वर भगवान की धरती और वर्ल्ड हेरिटेज साइट होने के साथ देश के 17 आईकॉनिक सिटी में से एक होने का गौरव प्राप्त है। यहाँ वर्ल्ड क्लास ऑडिटोरियम के निर्माण और खजुराहो नृत्य समारोह के आयोजन से खजुराहो के सांस्कृतिक और पर्यटन विकास को नई ऊँचाइयाँ मिलेंगी। प्रमुख सचिव संस्कृति और पर्यटन श्री शिवशेखर शुक्ला ने कहा कि खजुराहो नृत्य समारोह का मंच विश्व में विशिष्ट स्थान रखता है। देश-विदेश के कई नामी-गिरामी कलाकार के लिए यह मंच बहुत महत्वपूर्ण है। शासन का प्रयास है कि आने वाले समय में देश और विदेशों की अलग-अलग संस्कृति के कलाकारों को अपनी साधना के प्रदर्शन का अवसर दिया जाएगा। उन्होंने सभी गणमान्य नागरिकों और 8 देशों के राजदूत एवं उच्चायुक्तों के खजुराहो नृत्य समारोह में उपस्थित होने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि आप सभी की उपस्थिति ने इस समारोह को अधिक भव्यता और गरिमा प्रदान की है।

अब स्कूलों के आसपास भी कसेगा नशे पर शिकंजा

स्कूलों के आसपास मादक पदार्थ बेचने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

इंदौर शहर में नशे पर अभी तक केवल पुलिस, आबकारी, नारकोटिक्स और अन्य संबंधित विभाग ही अंकुश लगाने का प्रयास कर रहे थे। अब जिला प्रशासन ने भी नशे पर लगाम कसने की ठान ली है और इसके चलते नए निर्देश जारी किए गए हैं। दरअसल राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा जिले में जॉईंट एक्शन प्लान एक युद्ध नशे के विरुद्ध के तहत 11 अगस्त 2021 को वेबिनार के माध्यम से जिला स्तर पर किये गये कार्यों की प्रगति के संबंध में विभागवार समीक्षा की गयी थी। उक्त समीक्षा में दिये गये निदेर्शों के अनुपालन में इन्दौर जिले की राजस्व सीमा के अंतर्गत नाबालिग बच्चों द्वारा मादक पदार्थों के सेवन को रोकने हेतु कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मनीष सिंह द्वारा दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये गये है।

जारी आदेशानुसार जिले में ऐसे स्थान जहां पर बच्चों को बीड़ी, सिगरेट एवं अन्य मादक पदार्थों की बिक्री हो रही हो उनका विशेष किशोर पुलिस ईकाई एवं बाल कल्याण पुलिस अधिकारी के माध्यम से चिन्हांकन कर ऐसी दुकानों या व्यक्ति को दोषी पाये जाने पर उनके विरूद्ध पुलिस विभाग द्वारा किशोर न्यायालय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 की धारा 77 एवं नियम 2016 की धारा 56 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। जिले में संचालित समस्त स्कूलों के 100 मीटर के दायरे में लगने वाली शराब की दुकानो या अन्य दुकानों पर किसी भी प्रकार के मादक पदार्थ या तंबाकू उत्पाद की बिक्री की जाती है तो उसकी सूचना संबंधित स्कूल के प्राचार्य द्वारा संबंधित क्षेत्र के थाना प्रभारी को दिया जाना सुनिश्चित की जाये। प्राचार्य द्वारा स्कूल में लगे सी.सी.टी.वी. कैमरों से निगरानी कर स्कूल के आसपास लगने वाली शराब की दुकानों या अन्य मादक पदार्थों का विक्रय करने वाली दुकानों की सूची संबंधित थाना प्रभारी को देकर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करायी जाये।

इसी तरह शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षकों का चिन्हांकन किया जाकर उनको प्रशिक्षण दिलवाया जाये। ऐसे प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा मादक पदार्थों का सेवन करने वाले बच्चों को मानसिक रूप से दृढ़ करने हेतु काउन्सलिंग की जाये। चिल्ड्रन क्लब के अंतर्गत विभिन्न क्लबों जैसे ईको क्लब, सांस्कृतिक क्लब, रेड रिबन क्लब, भारत स्काउट्स एण्ड गाइड, एन.सी.सी, एन.एस.एस. के माध्यम से जागरूकता पैदा करने हेतु जिला शिक्षा अधिकारी जिले के समस्त विद्यालयों (कक्षा 6 से 12 तक) में एक समिति बनाने हेतु पृथक से निर्देश जारी करे, जिसमें 02-03 अध्यापक शामिल हो। यह समिति उनके विद्यालय के विद्यार्थियों को नशीली दवाओं, मादक द्रव्यों के सेवन से बचाव हेतु जानकारी प्रदान करेगी। नाबालिग बच्चों को शराब का विक्रय प्रतिबंधित किया गया है , इस संबंध में समस्त शराब की दुकानों पर बोर्ड लगवाने हेतु जिला आबकारी अधिकारी आवश्यक कार्यवाही करेंगे।

आम बजट 2022 पर MP में छिड़ी जंग

नए भारत के निर्माण का बजट- शिवराज

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को आम बजट 2022 पेश किया। इसके बाद मध्यप्रदेश की राजनीति गरमाई हुई है। मप्र की बीजेपी सरकार और कांग्रेस के बीच जंग छिड़ गई है। CM शिवराज सिंह चौहान ने इस बजट को नए भारत के निर्माण का बजट बताया। शिवराज ने कहा कि समृद्ध, शक्तिशाली और विकसित निर्माण का बजट है। अधोसंरचना विकास के लिए राशि बजट में बढ़ाई गई है। इससे अधोसंरचना विकास के साथ रोजगार के नए अवसर बनेंगे। राज्यों को भी ज्यादा धन राशि उपलब्ध कराने के अवसर दिए गए हैं। इससे भी रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। मध्यप्रदेश को भी सौगात मिली है। नदी जोड़ो परियोजना के तहत केन और बेतवा को जोड़ने पर 44 हजार करोड़ से अधिक धन राशि खर्च की जाएगी। इससे बुंदेलखंड बदल जाएगा।

कमलनाथ बोले- बजट जनता के साथ छलावा साबित

इस पर मध्यप्रदेश कांग्रेस ने तीखा हमला बोला है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि 7 वर्ष बाद बाद भी अगले 25 वर्ष के झूठे सपने दिखाए जा रहे हैं। जनता को आज पेश आम बजट से बेहद निराशा हुई है और यह बजट जनता के साथ छलावा साबित हुआ है। कमलनाथ ने कहा कि किसानों, युवाओं, महिलाओं, नौकरीपेशा वर्ग, मध्यम वर्ग किसी के लिए इस बजट में कुछ नहीं है। यह बजट किसान विरोधी, युवा विरोधी और आमजन विरोधी है। जो थोड़ी बहुत घोषणाएं बजट में की गई हैं , वह भी आगामी पांच राज्यों के चुनावों को देखते हुए ही की गई हैं। कमलनाथ ने कहा कि बजट महज आंकड़ों की बाजीगरी से भरा व एक बार फिर झूठे सपने दिखाने वाला साबित हुआ है। इस बजट में किसी भी वर्ग के लिए कुछ नहीं है। आमजन इनकम टैक्स स्लैब में छूट बढ़ाने की मांग बड़े लंबे समय से कर रहे थे लेकिन कोई राहत प्रदान नहीं की गई। तीन कृषि कानून रद्द होने के बाद किसान एमएसपी पर गारंटी की मांग कर रहे थे लेकिन एमएसपी की गारंटी पर इस बजट में कोई बात नहीं , वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के जो झूठे सपने दिखाए गए थे , उस पर भी आज कोई बात नहीं..?

मोदी की कर नीति और राजा राम की नीति में कितना फर्क

राज्यसभा सांसद व पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने बजट को लेकर तीखी प्रक्रिया दी है। इसके लिए उन्होंने मोदीजी की कर नीति और राजा राम की नीति से तुलना की और कहा कि दोनों नीतियों में कितना फर्क है। मोदी सरकार की कर नीति में हीरे जवाहरात सस्ते हैं और अनाज महंगा है। वहीं राजा राम की कर नीति को एक चौपाई "मणि-माणिक महंगे किए, सहजे तृण,जल,नाज, तुलसी सोइ जानिए राम गरीब नवाज" से समझाया है।

पांच ट्रिलियन अर्थव्यवस्था का वादा पूरा होगा : केंद्रीय मंत्री सिंधिया

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बजट की तारीफ की और कहा कि यह एक दूरदर्शी बजट है। यह सरकार के 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के वादे को पूरा करेगा। बुनियादी ढांचे, कृषि और स्वास्थ्य देखभाल जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सरकारी खर्च में बढ़ोतरी हुई है। कमजोर लोगों के लिए सुरक्षा तंत्र का विस्तार होगा। अधिक से अधिक निजी निवेश के अवसर हैं। साथ ही कहा कि 'एक सेवा के रूप में ड्रोन उद्योग और लाभार्थी क्षेत्रों दोनों के लिए विकास का एक प्रमुख चालक होगा।

बजट अर्थव्यवस्था के मूल स्तंभों पर आधारित : प्रहलाद पटेल

केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा है कि हमारी प्राचीन अर्थव्यवस्था के मूल स्तंभों कृषि, सेवा, चिकित्सा और सुयोग्य वितरण पर आधारित दूरगामी वित्तीय बजट है। जो आम आदमी के लिए दूरदर्शी प्रावधानों से भरपूर है।

कोरोना संक्रमण भी जनता के हित का बजट : जगदीश देवड़ा

मप्र सरकार के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बजट पर कहा कि जनता की भावनाओं को लेकर यह बजट आया है। रोजगार, विकास और जनहित में यह बजट प्रस्तुत किया गया है। इंफ्रास्ट्रक्चर का पूरा ध्यान रखा गया है। मुझे लगता है कि कोई विषय नहीं छूटा है। सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है। कोरोना की लहर के बाद भी जनता के हित का बजट पेश किया है।

इस बजट में बेरोजगार के लिए कुछ नहीं है: पूर्व वित्तमंत्री भनोट

कांग्रेस सरकार में वित्त मंत्री रहे तरूण भनोट ने बीजेपी सरकार पर तंज कसा। भनोट ने कहा कि जो परंपरा मोदी सरकार वर्ष 2014 से निभा रही थी, उसका उन्होंने फिर से पालन किया है। यह ऐतिहासिक बजट इसलिए है, क्योंकि अडानी, अंबानी और चुंनिदा उद्योगपतियों की गोर भराई की परंपरा को बजट के माध्यम से निभाई है। बेरोजगार के लिए कुछ नहीं है। किसानों के लिए कुछ नहीं है। मंहगाई से परेशान मताओं, बहनों के लिए कुछ नहीं है।

आत्मनिर्भर भारत को ताकत देने वाला बजट: वीडी शर्मा

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा- यह आम बजट आगामी 25 वर्षों की दूरदर्शिता का बजट है। आत्मनिर्भर भारत को ताकत देने वाला बजट है। आम लोगों की जो मूल आवश्यकता है, उसे पूरा करने वाला बजट कह सकते हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर, एजुकेशन, युवाओं के रोजगार के नए अवसर सृजित होने वाले हैं। इस बजट के माध्यम से मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड के क्षेत्र में केन बेतवा लिंक परियोजना को 44605 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

आम जनता की कमर तोड़ने वाला बजट : पूर्व मंत्री सज्जन वर्मा

कांग्रेस विधायक व पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने बजट को आम जनता की कमर तोड़ने वाला बताया। वर्मा ने कहा कि मिडिल क्लास, गरीब को कोई राहत नहीं। "टैक्स वसूली" पर फिर मोदी सरकार का फोकस है। यह 'अंबानी-अडानी' वाला बजट है।

सरकार वैश्विक घटनाक्रमों से उत्पन्न किसी भी स्थिति से निपटने को तैयार

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि भारत वैश्विक घटनाक्रमों की वजह से उत्पन्न किसी भी स्थिति से निपटने में सक्षम है। इन घटनाक्रमों में अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा नरम मौद्रिक रुख को वापस लेना भी शामिल है।

सीतारमण ने रविवार को उद्योग मंडल फिक्की के साथ बजट-बाद परिचर्चा में कहा कि सरकार अर्थव्यवस्था को वैश्विक घटनाक्रमों से किसी तरह प्रभावित नहीं होने देगी। उन्होंने कॉरपोरेट जगत का आह्वान किया कि वे अर्थव्यवस्था में पुनरुद्धार का लाभ उठाएं और निवेश बढ़ाएं। वित्त मंत्री ने कहा, ''अब टीम इंडिया के रूप में हमारे पास उबरने का मौका है। हम ऐसे मोड़ पर है जबकि अर्थव्यवस्था का पुनरुद्धार पूरी तरह स्पष्ट है। इस पुनरुद्धार की वजह से भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनेगा। यह रुख अगले वित्त वर्ष में भी जारी रहेगा।'' उन्होंने कहा कि महामारी के बाद दुनिया में बदलाव आया है और उद्योग के नेतृत्व को यह सुनिश्चित करना होगा कि भारत इस बार 'बस' में सवार होने से नहीं चूके।'' उन्होंने कहा कि वैश्विक वित्तीय संकट के समय भारत ने ऐसा अवसर गंवा दिया था। सीतारमण ने कहा, ''रिजर्व बैंक और सरकार मिलकर काम कर रहे हैं और वे वैश्विक वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र को देख रहे हैं कि क्या चल रहा है। हमने भारत सरकार के समक्ष 2012-13 और 2013-14 में आए पिछले संकट से सबक सीखा है।'' उन्होंने कहा, ''हमारी वैश्विक रणनीतिक घटनाक्रमों पर नजर है। फेडरल रिजर्व के निर्णय और साथ ही वैश्विक मुद्रास्फीतिक दबाव को हम देख रहे हैं। इन चीजों पर हमारी नजदीकी निगाह है। मैं यहां मौजूद नेतृत्व को आश्वस्त करना चाहती हूं कि तैयारियों की वजह से अर्थव्यवस्था को हम कोई नुकसान नहीं होने देंगे।'' उन्होंने भरोसा जताया कि भारत आगे बढ़ेगा और सतत वृद्धि दर्ज करेगा। ''2047 से पहले हम दुनिया के कुछ बेहद विकसित देशों में होंगे।'' पूंजीगत व्यय के लक्ष्य को पूरा करने के बारे में सीतारमण ने कहा कि सरकार को मार्च 2022 तक 5.51 लाख करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी कहा कि अगले वित्त वर्ष के लिए लक्ष्य बेहद यथार्थवादी है और इसे हासिल किया जाएगा।

वित्त मंत्री ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए पूंजीगत व्यय को 35.4 प्रतिशत बढ़ाकर 7.5 लाख करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव रखा है। वित्त मंत्री ने विनिवेश के संबंध में कहा कि न केवल सरकार, बल्कि उद्योग भी अपने व्यवसायों को बेचने के बारे में बहुत जल्दबाजी में फैसले नहीं करते हैं, और यह बात सरकार के बारे में अधिक सही है। उन्होंने आगे कहा कि हालांकि विनिवेश की तरफ कदम बढ़ रहे हैं।

रिवर्स रेपो में बदलाव कर सकता है रिजर्व बैंक

आरबीआई मुद्रास्फीति संबंधी चिंताओं के मद्देनजर अपनी अगली और बजट 2022-23 के बाद पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में प्रमुख नीतिगत दरों के मोर्चे पर यथास्थिति कायम सकता है। विशेषज्ञों का हालांकि यह मानना है कि रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) नीतिगत रुख को 'उदार' से 'तटस्थ' में बदल सकती है और नकदी के सामान्यीकरण प्रक्रिया के हिस्से के रूप में रिवर्स-रेपो दर में बदलाव कर सकती है। इससे पहले सोमवार से एमपीसी में तीन दिन तक विचार-विमर्श चलेगा। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा कि बजट में वृद्धि को लेकर दिए गए आश्वासन और कच्चे तेल की कीमतों के कारण मुद्रास्फीति बढ़ने की आशंका को देखते हुए हम उम्मीद करते हैं कि रिजर्व बैंक रिवर्स रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की वृद्धि करके सामान्यीकरण की प्रक्रिया शुरू कर सकता है।

देश को 2023 में मिलेगा अपना डिजिटल रुपया

भारत को अपनी आधिकारिक डिजिटल मुद्रा 2023 की शुरुआत में मिल सकती है। यह मौजूदा समय में उपलब्ध किसी निजी कंपनी के संचालन वाले इलेक्ट्रॉनिक वॉलेट जैसी ही होगी, लेकिन इसके साथ 'सरकारी गारंटी' जुड़ी होगी। एक शीर्ष सरकारी सूत्र ने यह जानकारी दी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले सप्ताह वित्त वर्ष 2022-23 का बजट पेश करते हुए कहा था कि जल्द केंद्रीय बैंक के समर्थन वाला 'डिजिटल रुपया' पेश किया जाएगा। इस सूत्र ने अपना नाम न छापने की शर्त पर कहा कि रिजर्व बैंक द्वारा जारी डिजिटल मुद्रा में भारतीय करेंसी की तरह विशिष्ट अंक होंगे। यह 'फ्लैट' मुद्रा से भिन्न नहीं होगी। यह उसका डिजिटल रूप होगा। एक प्रकार से कह सकते हैं कि यह सरकारी गारंटी वाला डिजिटल वॉलेट होगा। डिजिटल मुद्रा के रूप में जारी इकाइयों को चलन में मौजूद मुद्रा में शामिल किया जाएगा।

सूत्र ने बताया कि केंद्रीय बैंक ने संकेत दिया है कि डिजिटल रुपया अगले वित्त वर्ष के अंत तक तैयार हो जाएगा। रिजर्व बैंक द्वारा विकसित डिजिटल रुपया ब्लॉकचेज सभी तरह के लेनदेन का पता लगाने में सक्षम होगा। निजी कंपनियों के मोबाइल वॉलेट में फिलहाल यह प्रणाली नहीं है। सूत्र ने इसे समझाते हुए कहा कि निजी कंपनियों के इलेक्ट्रॉनिक वॉलेट का इस्तेमाल करते हुए लोग अभी पैसा निजी कंपनियों को हस्तांतरित करते हैं। यह पैसा उनके पास रहता है और ये कंपनियां किसी लेनदेन पर ग्राहकों की ओर से मर्चेंट यानी दुकानदारों आदि को भुगतान करती हैं। केंद्रीय बैंक के पास से इसे किसी दुकानदार आदि को स्थानांतरित किया जाएगा। इसपर पर पूरी तरह सरकार की गारंटी होगी। सूत्र ने कहा कि जब पैसा किसी कंपनी के ई-वॉलेट में स्थानांतरित किया जाता है, तो उस कंपनी का 'क्रेडिट' जोखिम भी इस पैसे से जुड़ा होता है। इसके अलावा ये कंपनियां शुल्क भी लगाती हैं। सूत्र ने कहा, ''इस वॉलेट को लेकर चलने के बजाय मैं पैसा अपने फोन में रखना चाहूंगा।

बहुचर्चित मासूम बालिका खुशी बोदड़े हत्याकांड

हत्या की आरोपिया गिरफ्तार

आरोपिया अपने प्रेमी के मृतिका की माँ से प्रेम-संबंध होने के शक के कारण व प्रेमी द्वारा उसकी बेटी खुशी से स्नेह रखने, उसे अपने घर ले जाने, खिलाने के कारण खुशी से रखती थी द्वेष की भावना

आरोपिया व उसके प्रेमी के बीच इसी बात पर वाट्सएप चैट पर कई बार हो चुका था विवाद, इसी बात को लेकर मासुम बालिका खुशी से गुस्से व जलनवश आरोपिया अलका ने मासुम बालिका का साड़ी से गला घोंटकर हत्या कर दी व शव को बोरी में भरकर सुखे कुएं में फेंक दिया

शाहपुर थाना पुलिस ने इच्छापुर की बालिका खुशी के सनसनीखेज व बहुचर्चित हत्याकांड का खुलासा कर दिया है।दिनांक 23/12/21 को फरियादी दिलीप बोदड़े निवासी इच्छापुर द्वारा रिपोर्ट की गई थी कि उसकी बेटी खुशी उर्फ रूशाली उम्र 17 माह को कोई अज्ञात व्यक्ति अपहरण कर ले गया है। घटना की गंभीरता को देखते हुये प्रकरण में एक विशेष टीम का गठन कर अपहृत बालिका खुशी व अज्ञात आरोपी की तलाश की गयी।सघन तलाशी के दौरान दिनांक 25/12/21 को अपहृत बालिका खुशी उर्फ रूशाली का शव उसके घर से थोड़ी दूरी पर एक खण्डहर कुए के अंदर एक बोरी में बंद पाया गया। प्रकरण में घटनास्थल तथा फरियादी के मकान के आसपास के कई लोगों से पूछताछ की गयी तथा एफएसएल व डीएनए परीक्षण कराया गया। पुलिस द्वारा सायबर सेल की मदद से संदग्धों के मोबाईल लोकेशन व कॉल डिटेल खंगाली गई।

प्रकरण में अनुसंधान करते जानकारी प्राप्त हुयी कि मृतिका खुशी के घर के पास रहने वाले नितिन महाजन के पड़ोस की अलकाबाई पति सुनील से प्रेम संबंध थे। नितिन तथा मृतिका खुशी की माँ मंगला का घर आमने-सामने है जब नितिन कभी मंगला के सामने खड़ा रहता था तो इस बात को लेकर अलका को शंका होती थी कि नितिन के मंगला से भी प्रेम संबंध है तथा इस बात को लेकर दोनो के बीच आए दिन विवाद भी होता था। नितिन, अलका की लड़की दिशु की ओर ध्यान नही देता था और मंगला की लड़की खुशी को अपने घर ले जाकर खिलाता था । इस बात को लेकर भी नीतिन से नाराज रहती थी व नितिन को खुशी को उसके घर ले जाने व खिलाने से मना करती थी। घटना दिनांक 23/12/21 को संदेही अलका के मोबाईल से जिन नंबरों से बात हुई थी उनकी भी तस्दीक सायबर सेल द्वारा की गयी । संदेही अलका मराठा द्वारा प्रकरण की शुरूआत से ही बार-बार अलग अलग बातें कर पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा था। मृतिका खुशी का शव मिलने के बाद तथा बलात्संग होने की जनचर्चा होने पर अलका द्वारा पुलिस को गुमराह करने के उद्देश्य से अज्ञात नाम से रितेश उर्फ गोलू बोदड़े के नाम से चिट्ठी लिखकर फेकी थी ताकि पुलिस का शक अन्य व्यक्ति पर जाये।

संदेही अलका से नितिन व उसके बीच प्रेम प्रसंग होने तथा घटना में उसकी संलिप्तता के संबंध में विस्तृत पूछताछ की गई जिसमें आरोपिया अलका द्वारा अपराध कारित करना स्वीकार किया गया तथा उसने बताया कि उसे नितिन तथा मंगला के बीच प्रेम संबंध होने की शंका थी तथा इस बात से कई बार उसका नितिन से विवाद भी हुआ था। अलका द्वारा पूर्व में भी नितिन को खुशी को लेने और उसके घर ले जाने खिलाने से मना किया था। दिनांक 20/12/21 को भी अलका तथा नितिन का मंगला और खुशी को लेकर व्हाटसअप पर बातचीत के दौरान झगड़ा हुआ था, इसी बात को लेकर दोनो की बातचीत बंद हो गयी थी। इस कारण अलका ने गुस्से व जलनवश खुशी को मारने का सोचा ताकि खुशी के कारण मंगला और नितिन का मिलना जुलना बंद हो जाये। दिनांक 23/12/21 को अलका द्वारा अपने पति सुनील मराठा को दूर के रिश्ते की शादी में बुलढाणा भेज दिया तथा खुद घर पर ही रूक गयी, दिनांक 23/12/21 को जब मोहल्ले में बाहर कोई नही था उस समय करीब 11.30 बजे अलका द्वारा खुशी को उसके घर के सामने से उठाकर अपने घर के अंदर ले जाकर साड़ी से उसका गला घोंटकर उसे मार दिया और फिर उसे घर में पड़ी बोरी में भरकर, बोरी में लगी रस्सी से ही बोरी का मुँह बाधकर पास ही सूखे कुऐ में फेंक कर वापस घर आ गयी।

प्रकरण में आरोपियाँ द्वारा जुर्म करना स्वीकार करने व अनुसंधान में आए साक्ष्यों के आधार पर पुलिस द्वारा आरोपी अलका पति सुनील मराठा निवासी माली मोहल्ला इच्छापुर को गिरफ्तार कर उसके बताये अनुसार पुलिस ने लिगेचर मटेरियल साड़ी जप्त की है तथा पूर्व में उसके द्वारा फेकी गयी चिट्ठी की हस्तलिपि मिलान हेतु उसकी हैंड राइटिंग का सेम्पल क्यूडी शाखा भोपाल भेजा जायेगा। मासूम बालिका की हत्या की अपराधी तक पहुँचने में वरिष्ठ अधिकारियों के मार्ग दर्शन में थाना प्रभारी शाहपुर निरीक्षक श्री गिरवर सिंह जलोदिया व उनकी टीम उप-निरीक्षक हेमेन्द्र चोहान, उप निरीक्षक आर. एल. तिवारी, उप निरीक्षक अर्चना चोहान, आर. राजेश रावत, आर. दुर्गेश पटेल, म.आर. शाहबाई मौर्य का सराहनीय योगदान रहा ।

एबीजी शिपयार्ड घोटाला बैंकों ने कम समय में पकड़ा

खाता संप्रग के कार्यकाल में एनपीए बना : वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुजरात की कंपनी एबीजी शिपयार्ड के 22,842 करोड़ रुपये के कर्ज धोखाधड़ी मामले में पहली रिपोर्ट दर्ज करने में पांच साल का समय लगने का सोमवार को बचाव करते हुए कहा कि धोखाधड़ी का पता लगाने में लगने वाला समय सामान्य से कम ही है। सीतारमण ने कहा कि एबीजी को कर्ज कांग्रेस-नीत संप्रग शासन के दौरान दिया गया था और खाता भी गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) 2013 में ही बन गया था। उन्होंने कहा कि सभी बैंकों ने कंपनी को बांटे गए कर्ज का पुनर्गठन मार्च 2014 में किया था लेकिन इसकी वसूली नहीं हो सकी। कांग्रेस ने एबीजी शिपयार्ड के 22,842 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी मामले को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बताना चाहिए कि यह धोखाधड़ी कैसे हुई है और वह इस पर चुप क्यों हैं। पार्टी ने इसे 'देश की सबसे बड़ी बैंक धोखाधड़ी बताया है।

एबीजी शिपयार्ड का घोटाला नीरव मोदी और मेहुल चौकसी द्वारा पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के साथ किए गए 14,000 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले से भी बड़ा है। सीतारमण ने भारतीय रिजर्व बैंक के केंद्रीय बोर्ड के निदेशकों के साथ बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, इस मामले में बैंकों को श्रेय मिलेगा। उन्होंने इस तरह की धोखाधड़ी को पकड़ने के लिए औसत से कम समय लिया। वित्त मंत्री ने कहा कि आमतौर पर बैंक इस तरह के मामलों को पकड़ने और उपयुक्त कार्रवाई का निर्णय करने में 52 से 54 माह का समय लेते हैं और उसके बाद आगे की कार्रवाई करते हैं। उन्होंने कहा, मैं इस मामले में बैंकों को श्रेय दूंगी। उन्होंने इस प्रकार की धोखाधड़ी का पता लगाने में औसत से कम समय लिया। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने देश के सबसे बड़े बैंक धोखाधड़ी मामले में एबीजी शिपयार्ड लिमिटेड और उसके पूर्व चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक ऋषि कमलेश अग्रवाल सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह मामला आईसीआईसीआई बैंक की अगुआई में करीब दो दर्जन बैंकों के गठजोड़ के साथ धोखाधड़ी के लिए दर्ज किया गया है। वित्त मंत्री ने कहा, मैं आरबीआई परिसर में बैठी हूं। इसीलिए मैं राजनीति पर बहुत ज्यादा बात नहीं करूंगी। लेकिन मुझे अफसोस है कि इस प्रकार की बातें आ रही हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल का सबसे बड़ा घोटाला है। यह बिल्कुल गलत है। यह कर्ज 2013 से पहले दिया गया था और यह एनपीए 2013 में ही बना। उन्होंने कहा, वे शोर कर रहे हैं, लेकिन इस बात को नहीं देख रहे कि जिस समय यह हुआ, उस समय संप्रग की सरकार थी। हमने धोखाधड़ी का पता लगाने में कम समय लिया। अन्य बड़े मामलों की तरह इसमें भी कार्रवाई की जा रही है।

सीतारमण ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के कार्यकाल में बैंकों की सेहत सुधरी है और वे बाजार से धन जुटाने की स्थिति में हैं। इस बीच, केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा कि वित्त मंत्री ने परंपरा के अनुसार बजट बाद आरबीआई के केंद्रीय निदेशक मंडल को संबोधित करते हुए 2022-23 के बजट के पीछे की सोच और सरकार की प्राथमिकताओं के बारे में विस्तार से बताया।बजट के लिये वित्त मंत्री की सराहना करते हुए निदेशक मंडल के सदस्यों ने कई सुझाव दिये। बयान के अनुसार बैठक में मौजूदा आर्थिक स्थिति, वैश्विक और घरेलू चुनौतियों की समीक्षा की गयी। बैठक मेंसीतारमण के साथ वित्त राज्य मंत्री भागवत के कराड, वित्त सचिव टीवी सोमनाथन, निवेश एवं लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग के सचिव तुहिन कांत पांडेय, राजस्व सचिव तरुण बजाज, वित्तीय सेवा सचिव संजय मल्होत्रा और आर्थिक मामलों केसचिव अजयसेठ तथा नयनियुक्त मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन मौजूद थे।

एसबीआई ने कहा, मामला दर्ज करने में नहीं हुई कोई देरी

देश के सबसे बड़े बैंक धोखाधड़ी मामले में शिकायत दर्ज करने में देरी के आरोपों के बीच भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने कहा कि वह फोरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट के बाद सीबीआई के साथ मिलकर एबीजी शिपयार्ड धोखाधड़ी मामले में कार्रवाई के लिए पूरी गंभीरता से काम कर रही है। कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने इससे पहले एक संवाददाता सम्मेलन में आश्चर्य जताया था कि एबीजी शिपयार्ड के खिलाफ कार्रवाई के लिए प्राथमिकी दर्ज करने में पांच साल क्यों लग गए। इस आरोप का जवाब देते हुए एसबीआई ने एक बयान में कहा कि फोरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट के निष्कर्षों के आधार पर धोखाधड़ी की बात घोषित की जाती है, जिस पर संयुक्त ऋणदाताओं की बैठकों में चर्चा की गई और जब धोखाधड़ी की बात साफ हो गई, तब सीबीआई के समक्ष एक प्रारंभिक शिकायत दर्ज कराई गई। एसबीआई ने कहा कि पूरी प्रक्रिया में देरी करने का कोई प्रयास नहीं किया गया। सीबीआई ने देश के सबसे बड़े बैंक धोखाधड़ी मामले में एबीजी शिपयार्ड लिमिटेड और उसके तत्कालीन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ऋषि कमलेश अग्रवाल सहित अन्य के मुकदमा दर्ज किया है। अधिकारियों ने शनिवार को कहा था कि यह मुकदमा भारतीय स्टेट बैंक की अगुवाई वाले बैंकों के एक संघ से कथित रूप से 22,842 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी के संबंध में दर्ज किया गया। एजेंसी ने अग्रवाल के अलावा तत्कालीन कार्यकारी निदेशक संथानम मुथास्वामी, निदेशकों - अश्विनी कुमार, सुशील कुमार अग्रवाल और रवि विमल नेवेतिया और एक अन्य कंपनी एबीजी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ भी कथित रूप से आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और आधिकारिक दुरुपयोग जैसे अपराधों के लिए मुकदमा दर्ज किया। इन लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा किया गया है।

नई शराब नीति लागू होने के बाद ठेकेदारों का

अभ प्रदेश में विदेशी नहीं देशी शराब ठेके पर रहेगा फोकस

आने वाले समय में प्रदेश में नई शराब नीति के तहत ही देशी और विदेशी शराब दुकानों को ठेके पर देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है और 1 अपैल से इंदौर समेत प्रदेशभर में शराब दुकानों को नए सिरे से आवंटित किया जाएगा। नई नीति लागू होने के बाद अधिकांश ठेकेदारों का फोकस विदेशी की जगह देशी शराब ठेकों पर अधिक है। दरअसल सूत्र बताते हैं कि शराब दुकानों के ठेके नहीं होने के पीछे पॉलिसी की परेशानी भी सामने आ रही है। यही कारण है कि 64 ग्रुप में से अभी 32 ग्रुप की दुकानों की ही नीलामी हुई है। खास बात यह है कि ठेकेदारों का पूरा जोर विदेशी शराब दुकान को लेने के बजाए देशी शराब दुकान पर है।

इसके पीछे कारण यह भी बताया जा रहा है कि नई पॉलिसी में देशी शराब दुकान, विदेशी का भी रोल अदा कर रही है। शासन ने नियमों में संशोधन कर देशी शराब दुकान से विदेशी शराब बेचने की भी अनुमति दी है, इसके लिए शुल्क 15 प्रतिशत बढ़ा दिया है। विदेशी शराब की कीमत में भी 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। अभी तक शहर में कई जगह देशी-विदेशी शराब की दुकान आसपास में ही संचालित हो रही थीं। अब नई पॉलिसी के तहत देशी शराब की दुकान पर विदेशी शराब भी बिकेगी, इसलिए वहां विदेशी शराब के संचालन का विकल्प भी खत्म हो गया है। अब कोई विदेशी शराब का ठेका लेता है तो इन जगहों पर नए ठिकाने की तलाश करनी होगी। साथ ही ज्यादा किराया देना पड़ सकता है। हालांकि आबकारी विभाग ने नगर निगम की संपत्तियों को किराए पर लेकर वहां दुकान खुलवाने की तैयारी कर ली है।

ग्रामीण इलाकों की शराब दुकानों पर ज्यादा बोली

नए ठेके में ठेकेदार ग्रामीण इलाकों की दुकानों पर भी ज्यादा जोर दे रहे हैं। ग्रामीण की देशी शराब के ठेके की ज्यादा बोली लगी है, जहां पहले देशी दुकान थी वहां किसी को विदेशी शराब चाहिए तो दूर जाना पड़ता था, लेकिन अब देशी में ही विदेशी मिलेगी तो आय बढऩा तय है। अधिकारी भी मान रहे है कि देशी शराब में विदेशी शराब मिलना एक विसंगति बन गई है, जिसके कारण ठेकेदार विदेशी शराब की दुकान में रुचि नहीं ले रहे। शासन को इसकी जानकारी दे दी है। माना जा रहा है कि सरकार ठेके नीलाम करने के लिए कुछ संशोधन कर सकती है।

टेंडर भरने में ज्यादा रूचि नहीं...

टेंडर भरने के प्रति शराब कारोबारियों में रुचि नहीं दिख रही है। शासन की नई आबकारी नीति में कुछ निर्णय न केवल खजाना भरने में असफल हो सकते हैं बल्कि व्यावसायिक दृष्टिकोण से भी अव्यावहारिक हो रही है। शराब दुकानों के कागजो पर आवंटन होने वाले दिन से मात्र दस दिनों में पूर्ण राशि जमा करने का आदेश शराब कारोबारियों को परेशान कर देने वाला है। बताया जाता है कि अफसरों ने एक आदेश निकालकर शराब ठेकेदारों को अभी ही 100 प्रतिशत बैंक गारंटी राशि जमा कराने को कहा है जो नई आबकारी नीति के लिए कतई उचित नहीं होगा। तयशुदा समय से काफी पहले टेंडर प्रक्रिया शुरु होने के कारण पूर्व में जिन ठेकेदारों द्वारा दुकानों का संचालन किया जा रहा है उनके सामने प्रतिभूति राशि जमा करने हेतु बड़ी समस्या खड़ी होगी।

कमलनाथ ने कहा कि राजस्थान सरकार की तर्ज पर

शिवराज सरकार को भी कर्मचारियों के हित में बड़ा फैसला लेना चाहिए

राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने सरकारी कर्मचारियों की पुरानी पेंशन योजना को बहाल कर दिया है। जिसके बाद दूसरे राज्यों में भी इस योजना को बहाल करने की मांग उठ रही है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने भी एमपी में यह योजना बहाल करने की मांग की है।

दरअसल, कमलनाथ ने ट्वीट करते हुए मध्य प्रदेश में भी पुरानी पेंशन योजना की व्यवस्था लागू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि ''राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने सरकारी कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाल करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। मैं मांग करता हूं कि मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार भी प्रदेश के कर्मचारियों के हित में पुरानी पेंशन प्रणाली को प्रदेश में तत्काल लागू करे।''

कमलनाथ ने कहा कि ''कर्मचारियों के हित में 1 जून 2005 के पहले की पुरानी पेंशन व्यवस्था को लागू किया जाये।नई पेंशन स्कीम में कर्मचारियों को काफी कम पेंशन की राशि मिल रही है, जिससे उनको जीवन यापन में काफी मुश्किल आ रही है। कांग्रेस कर्मचारियों के साथ है और वो उनके हित के लिये हर लड़ाई लड़ेगी।'' दरअसल, राजस्थान में पुरानी पेंशन योजना बहाल होने के बाद मध्य प्रदेश में भी कर्मचारियों ने यह योजना बहाल करने की मांग शुरू कर दी है। ऐसे में कमलनाथ ने भी कर्मचारियों का सपोर्ट किया है, उन्होंने भी सरकार ने यह योजना बहाल करने मांग की है।

मध्यप्रदेश कर्मचारी संगठनों की मांग है कि राजस्थान की तरह मध्यप्रदेश में भी पेंशन योजना लागू की जाए। इसके लिए कर्मचारी संघ ने आंदोलन की चेतावनी भी दी है। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि इस बजट सत्र में अगर पुरानी पेंशन योजना बहाल नहीं हुई तो 13 मार्च को बड़ा आंदोलन होगा। कर्मचारियों का कहना है कि जब उन्हें पैसों की जरूरत पड़ती है, तब वो पैसे नहीं निकाल पाते हैं।

शिवराज सरकार विचार करेंगी : कर्मचारियों की मांग और कांग्रेस के आरोपों पर बोले बीजेपी सासंद सुमेर सिंह सोलंकी ने कहा कि मध्यप्रदेश की सरकार संवेदनशील सरकार है। अगर कर्मचारी कोई मांग करते हैं, तो सरकार उस पर विचार करेगी। बीजेपी सासंद ने कांग्रेस पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की सरकार नहीं जो कर्मचारियों पर लाठी बरसाती थी।

राजस्थान सरकार ने बहाल की है पुरानी पेंशन योजना : बता दें कि राजस्थान सरकार ने राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना बहाल कर दी है। यानि अंशदायी पेंशन योजना खत्म होगी और 2004 से पहले वाली पुरानी पेंशन प्रणाली फिर से बहाल होगी। इसमें वेतन की आधी पेंशन मिलेगी। जिसका लाभ 1 जनवरी 2004 और उसके पश्चात नियुक्त हुए समस्त कर्मचारियों को भी मिलेगा। हालांकि इस योजना के लागू करने के लिए राज्य सरकारों को अपने बजट से प्रावधान करना होगा।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग, 13 को बड़ा प्रदर्शन करेंगे

मध्यप्रदेश में पुरानी पेंशन स्कीम फिर से लागू करने के लिए कर्मचारियों ने मोर्चा खोल दिया है। कर्मचारियों की इस मांग ने सरकार की टेंशन बढ़ा दी है। राजस्थान में पुरानी पेंशन बहाल होने के बाद प्रदेश में भी कर्मचारी ये मांग उठाने लगे हैं। इस मुद्दे पर कांग्रेस भी मैदान में कूद गई है।

कर्मचारी 13 मार्च को भोपाल में बड़ा प्रदर्शन करने की तैयारी कर रहे हैं। उनकी मांग है कि 1 जनवरी 2005 या इसके बाद नियुक्त कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन स्कीम लागू हो। नई पेंशन स्कीम ठीक नहीं है। रिटायरमेंट के बाद कई कर्मचारियों को हर महीने 800 से डेढ़ हजार रुपए ही पेंशन के रूप में मिल रहे हैं। प्रदेश में 1 जनवरी 2005 के बाद विभिन्न विभागों में नियुक्त होने वाले कर्मचारियों के लिए सरकार ने पुरानी पेंशन व्यवस्था बंद कर दी थी। इसकी जगह नई पेंशन स्कीम लागू की गई थी। इसी स्कीम का कर्मचारी विरोध कर रहे हैं। पुरानी पेंशन बहाली संघ के प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौहान ने बताया, नई पेंशन नीति के दुष्परिणाम अब सामने आ रहे हैं। कुछ कर्मचारी जब रिटायर हुए तो उनकी पेंशन 800 से 1500 रुपए प्रति माह ही बनी। इतने कम रुपयों में कर्मचारी या उनके परिजनों का भरण-पोषण संभव नहीं है। पुरानी पेंशन नीति में सैलरी की लगभग आधी राशि पेंशन के रूप में मिलती थी। DA बढ़ने पर पेंशन भी बढ़ जाती थी। नई नीति में ऐसा कुछ भी नहीं है। 1 जनवरी 2005 के बाद भर्ती अधिकारी-कर्मचारियों के लिए अंशदायी पेंशन योजना लागू है। इसके तहत कर्मचारी 10% और इतनी ही राशि सरकार मिलाती है। संघ के अनुसार, इस राशि को शेयर मार्केट में लगाया जाता है। इसके चलते कर्मचारियों का भविष्य शेयर मार्केट के ऊपर निर्भर हो गया है। रिटायरमेंट होने पर 60% राशि कर्मचारी को नकद और शेष 40% राशि की ब्याज से प्राप्त राशि पेंशन के रूप में कर्मचारी को दी जाती है। संघ के महासचिव राजेश मिश्रा ने बताया, पुरानी पेंशन लागू करने के लिए प्रदेशभर में कई बार धरना प्रदर्शन किए जा चुके हैं, लेकिन सरकार ने कोई निर्णय नहीं लिया। मजबूरी में हमें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष चौहान ने बताया, 1 जनवरी 2004 में केंद्र सरकार ने न्यू पेंशन स्कीम लागू की थी। इसके एक साल बाद 2005 में मध्यप्रदेश सरकार ने यह नीति लागू की।

वाणिज्यिक कर विभाग की बड़ी कार्रवाई

315 करोड़ रूपये का जीएसटी फर्जीवाड़ा पकड़ा गया...

वाणिज्यिक कर विभाग ने बोगस व्यापारियों, अस्तित्वहीन फर्मों द्वारा की जा रही करोड़ों की टेक्स चोरी का पर्दाफाश कर 315 करोड़ का जीएसटी फर्जीवाड़ा पकड़ा है। फर्जी बिल जारी कर अन्य फर्मों को आईटीसी पासऑन करने वाले बोगस व्यवसायियों के विरूद्ध वाणिज्यिक कर विभाग अभियान चला रहा है। इसी तारतम्य में स्टेट जीएसटी एंटी ईवेजन ब्यूरो इंदौर-ए के अधिकारियों द्वारा डाटा एनालिसिस कर बोगस फर्मों कि सप्लाई चेन को उजागर किया गया, जो करोड़ों रूपए का बोगस टर्न ओवर कर रहे थे।

डाटा एनालिसिस के दौरान पाया गया कि कुछ फर्म नवीन पंजीयन लेकर कम समय में ही बड़ा टर्नओवर कर रही थी। आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्स जीओ टेगिंग तथा व्यवसाय स्थलों के प्राथमिक परीक्षण के दौरान पाया गया कि व्यवसाय स्थलों पर किसी भी प्रकार की व्यवसायिक गतिविधियाँ संचालित होना नहीं पाई गई तथा माल वास्तविक रूप प्रदाय किये बिना ही फर्जी बिलों के आधार पर अन्य व्यवसाइयों को आईटीसी का लाभ दिया गया। इसके अतिरिक्त इनके पंजीयन में दर्शाये गए दस्तावेजों में भी विसंगतियाँ पाई गई। इनकी संदिग्ध सप्लाय चेन का विश्लेषण कर ठोस आधार ज्ञात होने पर वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा अस्तित्वहीन फर्मों पर कार्रवाई की।

छापे की कार्यवाही में लगभग 315 करोड़ रूपये के बोगस टर्नओवर का पर्दाफाश किया गया। इंदौर सहित नीमच में एक साथ कई फर्मों के ठिकानों पर कार्रवाई की गयी। छापे की कार्रवाई के दौरान कई फर्म बोगस पाई गयी, जो केवल कागजों पर संचालित हो रही थी। इनके द्वारा रिटर्न में डीओसी की 315 करोड़ की सप्लाई दर्शाकर लगभग 15 करोड़ रूपये का बोगस आईटीसी का लाभ अन्य फर्मों को दिया गया।

बोगस फर्मों में मुख्यतः श्रीनाथ सोया एक्सिम कॉर्पोरेट, श्री वैभव लक्ष्मी इंडस्ट्रीज, अग्रवाल ऑर्गेनिक - अग्रवाल ओवरसीज, जे.एस भाटिया इंटरप्राईजेस इत्यादि है। इन फर्मों पर की गई कार्रवाई में व्यवसाय स्थल पर किसी भी प्रकार की व्यवसायिक गतिविधियाँ संचालित होना नहीं पायी गयी। इनमें से मेसर्स श्रीनाथ सोया एक्सिम कॉपोरेट फर्म एक ऑटो चालक सचिन पटेरिया के नाम पर संचालित हो रही थी, जिसके पंजीयन के समय आवेदन के साथ कूटरचित किरायेनामा संलग्न था। जिसके मकान मालिक की मृत्यु कई वर्ष पूर्व में ही हो चुकी है, जबकि किराये नामे पर मृत व्यक्ति के फर्जी हस्ताक्षर थे। इसी तरह मेसर्स श्री वैभव लक्ष्मी इंडस्ट्रीज का प्रोपराईटर अजय परमार व्यवसाय स्थल पर नहीं पाया गया। फर्म के पंजीयन आवेदन के समय प्रस्तुत किरायेनामे फर्जी पाये गये। वक्त जाँच किरायेनामें में दर्ज व्यवसायी स्थल के मालिक द्वारा किरायेनामे को फर्जी बताते हुए बयान दिया गया कि मेरे द्वारा किसी भी फर्म को व्यवसाय स्थल किराये पर नहीं दिया गया। इसी तरह अग्रवाल ऑर्गेनिक एवं अग्रवाल ओवरसीज अस्तित्वहीन पाई गयी। इन बोगस फर्मों द्वारा मध्यप्रदेश तथा मध्यप्रदेश के बाहर की जिन फर्मों को आईटीसी का लाभ दिया गया है, उनके विरूद्ध विभाग द्वारा कार्यवाही कर आईटीसी रिवर्सल की कार्यवाही की प्रक्रिया जारी है।

एंटी इवेजन ब्यूरो इंदौर-ए के संयुक्त आयुक्त श्री मनोज चौबे ने बताया कि विभाग की इस कार्यवाही से जहाँ एक ओर करोड़ों रूपए का बोगस टर्नओवर का पता लगा है वहीं दूसरी ओर इन बोगस फर्मों द्वारा भविष्य में फर्जी बिल जारी कर कर चोरी करने पर अंकुश भी लगेगा। सहायक आयुक्त श्री हरीश जैन ने बताया गया कि विभाग द्वारा डाटा एनालिसिस एवं हयूमन इंटेलीजेंस के आधार पर जिन अन्य फर्मों द्वारा इस प्रकार के फर्जी संव्यवहार किए जा रहे हैं, उन फर्मों पर भी कार्यवाही करने की तैयारी की जा रही है।

बसंत पंचमी के दिन देवी सरस्वती की पूजा से होती है इच्छाएं पूरी...

हिंदू धर्म के अनुसार, बसंत पंचमी का पर्व माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाते हैं। इस बार बसंत पंचमी का त्योहार 5 फरवरी 2022, शनिवार को मनाया जाएगा। इस दिन मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की जाती है। आज बसंत पंचमी है, इस दिन देवी सरस्वती की पूजा होती है। इस दिन ज्ञान की देवी सरस्वती की पूजा से ज्ञान प्राप्त होता है, तो आइए आपको सरस्वती पूजा से जुड़ी पूजा विधि के बारे में बताते हैं।

जानें बसंत पंचमी के बारे में

हिंदू धर्म के अनुसार, बसंत पंचमी का पर्व माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाते हैं। इस बार बसंत पंचमी का त्योहार 5 फरवरी 2022, शनिवार को मनाया जाएगा। इस दिन मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की जाती है। पंडितों के अनुसार, बसंत पंचमी के दिन ज्ञान की देवी मां सरस्वती की पूजा करने से बुद्धि व विद्या का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

बसंत पंचमी 2022 शुभ मुहूर्त

माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि, शनिवार 5 फरवरी को सुबह 03 बजकर 47 मिनट से प्रारंभ होगी,जो कि अगले दिन 6 फरवरी, रविवार को सुबह 03 बजकर 46 मिनट पर समाप्त होगी। बसंत पंचमी की पूजा सूर्योदय के बाद और पूर्वाह्न से पहले की जाती है।

ये करें और ये न करें

1. इस दिन किसी से झगड़ा नहीं करना चाहिए।
2. किसी से अपशब्द नहीं बोलना चाहिए।
3. मांस और मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए।
4. ब्रह्मचर्य का पालन जरूर करें।
5. इस दिन बिना नहाए भोजन न करें।
6. कोशिश करें रंग-बिरंगे कपड़े न पहनकर पीले कपड़े पहने।
7. बंसत पंचमी के दिन पितृ-तर्पण भी करना चाहिए।
8. इस शुभ दिन पेड़-पौधों को न काटें।
9. दिन की शुरूआत हथेली देखकर करना चाहिए। उसके बाद हथेली देखकर सरस्वती मां का ध्यान करना चाहिए।

क्यों पहने जाते हैं पीले कपड़े

पंडितों का मानना है कि वसंत पंचमी के दिन पीले कपड़े पहनना शुभ होता है। इस दिन पीले कपड़े पहनना प्रकृति के साथ एक हो जाना या उसमें मिल जाने का प्रतीक है। यह दर्शाता है कि हम प्रकृति से अलग नहीं है। जैसी प्रकृति ठीक वैसे ही मनुष्य भी हैं। आध्यात्म के दृष्टिकोण से पीला रंग प्राथमिकता को भी दर्शाता है। ऐसा माना जाता है कि जब ब्रह्मांड की उत्पत्ति हुई थी तब तीन ही प्रकाश की आभा थी लाल, पीली और नीली। इनमें से पीली आभा सबसे पहले दिखाई दी थी। इन्हीं कारणों से वसंत पंचमी को पीले कपड़े पहने जाते हैं। इस दिन पीला रंग खुशनुमा और नएपन को महसूस कराता है। वहीं पीला रंग सकारात्मकता का प्रतीक है और शरीर से जड़ता को दूर करता है। पंडितों का मानना है कि इस दिन से वसंत ऋतु की शुरुआत होती है और इस मौसम में हर जगह पीला ही दिखाई देता है। पीला रंग हमारे स्नायु तंत्र को संतुलित और मस्तिष्क को सक्रिय रखता है। इस तरह यह ज्ञान का रंग बन जाता है। यही कारण है कि ज्ञान की देवी सरस्वती के विशेष दिन पर पीले वस्त्र पहने जाते हैं।

पीले रंग का है खास महत्व

मांगलिक कार्य में पीला रंग प्रमुख होता है। यह भगवान विष्णु के वस्त्रों का रंग है। पूजा-पाठ में पीला रंग शुभ माना जाता है। केसरिया या पीला रंग सूर्यदेव, मंगल और बृहस्पति जैसे ग्रहों का कारक है और उन्हें बलवान बनाता है। इससे राशियों पर भी प्रभाव पड़ता है। पीला रंग खुशी का प्रतीक है। मांगलिक कार्यों में हल्दी का इस्तेमाल किया जाता है जो कि पीले रंग की होती है. वहीं धार्मिक कार्यों में पीले रंग के वस्त्र धारण किए जाते हैं जो कि शुभ होता है। यही कारण है कि वसंत पंचमी पर पीले रंग के कपड़े जरूर पहनने चाहिए।

ऐसे करें पूजा

बसंत पंचमी का दिन बहुत खास होता है इसलिए इस दिन देवी सरस्वती की पूजा करनी चाहिए। मां सरस्वती की पूजा से पहले इस दिन नहा-धोकर सबसे पहले पीले वस्त्र धारण कर लें। उसके बाद देवी की मूर्ति अथव चित्र स्थापित करें और फिर सबसे पहले कलश की पूजा करें। इसके बाद नवग्रहों की पूजा करें और फिर मां सरस्वती की उपासना करें। इसके बाद पूजा के दौरान उन्हें विधिवत आचमन और स्नान कराएं। फिर देवी को श्रृंगार की वस्तुएं चढ़ाएं। बसंत पंचमी के दिन देवी मां को सफेद वस्त्र अर्पित करें। साथ ही, खीर अथवा दूध से बने प्रसाद का भोग मां सरस्वती को लगाएं।

मां सरस्वती की पूजा

हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, ज्ञान देवी मां सरस्वती शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को ही ब्रह्माजी के मुख से प्रकट हुई थीं। इसलिए बसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती की पूजा की जाती है। सरस्वती मां को ज्ञान की देवी कहा जाता है। इसलिए इस दिन पूरे विधि विधान से मां सरस्वती की पूजा करने से वो प्रसन्न होती हैं और भक्तों की सारी मनोकामनाएं पूरी करती हैं।

भोपाल में छुट्टी वाले दिन भी खुलेंगे रजिस्ट्रार-बिजली ऑफिस

शनिवार रविवार को भी होंगी रजिस्ट्री, बिजली बिल भी जमा कर सकेंगे ; 31 मार्च तक यही व्यवस्था

भोपाल। राजधानी भोपाल में छुट्टी के दिनों में भी रजिस्ट्रार और बिजली कंपनी के ऑफिस खुल रहेंगे। 26 और 27 फरवरी को लोग प्रापर्टी की रजिस्ट्री करा सकेंगे। वहीं, बिजली काउंटर पर पहुंचकर बिल भी जमा कर पाएंगे। 31 मार्च 2022 तक यही व्यवस्था रहेगी। हर शनिवार और रविवार को ऑफिस खोले जाएंगे। इन दिनों भोपाल में रोजाना एवरेज 400 रजिस्ट्री की खरीद-फरोख्त हो रही है। चूंकि, अप्रैल में नई गाइडलाइन लागू हो जाएंगी। इसलिए वित्तीय वर्ष के आखिरी बचे दिनों में बड़ी संख्या में प्रापर्टी के सौदे होंगे और उनकी रजिस्ट्री कराई जाएगी। लोगों को रजिस्ट्री कराने के लिए परेशान न होना पड़े, इसलिए सरकार ने रजिस्ट्रार ऑफिसों को छुट्टी वाले दिनों में भी खोलने का फैसला लिया है। भोपाल में आईएसबीटी और परी बाजार में रजिस्ट्री होंगी। प्रदेश के सभी जिलों में रजिस्ट्रार और सब रजिस्ट्रार ऑफिस खुले रहेंगे।

होली और रंगपंचमी पर ही बंद रहेंगे : होली पर रजिस्ट्रार ऑफिस बंद रहेंगे। वहीं, जिन जिलों में रंगपंचमी का स्थानीय अवकाश घोषित है, वहां भी रजिस्ट्रार ऑफिस बंद रखे जाएंगे।

ऑनलाइन जमा करने की सुविधा : इसके अलावा बिलों के भुगतान की सुविधा एमपी ऑनलाइन, कॉमन सर्विस सेंटर, कंपनी के पोर्टल portal.mpcz.in, यूपीआई, ईसीएस, बीबीपीएस, कैश कार्ड एवं वॉलेट समेत विभिन्न एप के माध्यम से भी बिल जमा कराए जा सकते हैं। भोपाल के अलावा कंपनी कार्यक्षेत्र के सभी 16 जिलों में बिजली वितरण केंद्र/बिल भुगतान केंद्र अवकाश के दिनों में खुले रहेंगे।

बिजली केंद्र भी खुले रहेंगे..

भोपाल शहर वृत्त के अंतर्गत चारों शहर संभाग पश्चिम, पूर्व, दक्षिण व उत्तर संभाग के अंतर्गत सभी जोनल कार्यालय, दानिश नगर, मिसरोद और मंडीदीप में बिल भुगतान केंद्रों को छुट्टी के दिन भी सामान्य कार्य दिवस की तरह खोलने का फैसला लिया गया है। उपभोक्ता शनिवार और रविवार को जोनल ऑफिस में कैश काउंटरों पर बिल भुगतान और भोपाल शहर में विभिन्न स्थानों पर स्थापित एटीपी मशीन में भी बिल भुगतान कर सकते हैं।

अब धूमधाम से हो सकेंगी शादियां, शिवराज का बड़ा ऐलान, बुला सकेंगे अनलिमिटेड गेस्ट

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बड़ा ऐलान करते हुए शादी-समारोह पर लगा लिमिटेड संख्या का प्रतिबंध हटा दिया है। यह बसंत पंचमी यानि कल से लागू हो जाएगा। वर्तमान में प्रदेश में 250 मेहमान ही बुलाने का आदेश लागू था। 5 फरवरी से लोग अपनी क्षमता के अनुसार विवाह में लोगों को आमंत्रित कर सकेंगे। 5 जनवरी को सरकार ने शादियों में मेहमानों की संख्या 250 तय की थी। ठीक एक महीने बाद इस प्रतिबंध को हटाया गया है। शादी समारोह में कोरोना गाइडलाइन, मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना अनिवार्य होगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार सुबह 11 बजे कोरोना संक्रमण की समीक्षा की। बैठक में प्रदेशभर की स्थिति का आकलन किया गया। प्रदेश में कोरोना संक्रमण की रफ्तार में कमी आने लगी है। इसको लेकर कोरोना की रोकथाम के लिए लगाई गई पाबंदियों पर चर्चा की गई। शाम को शादियों में मेहमानों की सीमित संख्या पर लगा प्रतिबंध हटा दिया गया।

फरवरी में शादियों के 5 मुहूर्तः फरवरी महीने में शादियों के 5 मुहूर्त हैं। इनमें सबसे ज्यादा 5, 6, 10, 18 और फिर 19 तारीख को मुहूर्त है।

इन जिलों में इतनी शादियांः गुना में 250 से ज्यादा शादियां होनी हैं। होशंगाबाद में करीब 250 से ज्यादा शादियां होनी है। सागर में 300 से अधिक शादियां होनी हैं। जबलपुर में 700 से अधिक शादियां होनी हैं।

कोरोना संक्रमित भी दे सकेंगे परीक्षा केंद्रों पर ही बनेंगे आइसोलेशन रूम

दिव्यांगों के लिए होंगे अलग इंतजाम, 10वीं की 18 से एवं 12 वीं की 17 से शुरू होंगी परीक्षा

एमपी बोर्ड की परीक्षा कोरोना संक्रमित छात्र भी दे सकेंगे। बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षा में कोरोना संक्रमित और इसके लक्षण वाले स्टूडेंट्स के लिए अलग व्यवस्था होगी। इसके लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर अलग से आइसोलेशन रूम बनाए जाएंगे। इस संबंध में मंगलवार को माशिमं की बोर्ड मीटिंग में निर्णय लिया गया। प्रदेश में 17 फरवरी से बोर्ड परीक्षाएं शुरू हो रही हैं।

MP बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षा में इस साल करीब 18 लाख छात्र बैठ रहे हैं। दैनिक भास्कर ने कोरोना संक्रमित छात्रों के लिए बोर्ड की तैयारियां नहीं होने का मुद्दा दो दिन पहले प्रमुखता से उठाया था। दूसरे राज्यों में ऐसे छात्रों को लेकर सरकार निर्णय कर चुकी थी, जबकि मध्यप्रदेश में इस पर कोई फैसला नहीं लिया गया था। मंडल ने परीक्षा के दौरान दिव्यांग छात्रों को भी कई तरह से राहत दिए जाने का निर्णय लिया है।

दिव्यांगों को कई राहत

एमपी बोर्ड ने परीक्षा में शामिल होने वाले दिव्यांग या घायल छात्रों को कई राहत देने का फैसला किया है। इस दौरान दृष्टिहीन, मानसिक विकलांग एवं हाथ की हड्डी टूट जाने अथवा हाथ की खराबी के कारण लिखने में असमर्थ छात्रों को ये राहतें मिलेंगी। ऐसे छात्र लिखने के लिए किसी की मदद ले सकते हैं। साथ ही उन्हें विषय चयन, अतिरिक्त समय, परीक्षा शुल्क से छूट, कंप्यूटर या टाइप राइटर चयन की सुविधा दी जाएगी।

हाई स्कूल (10वीं)

परीक्षा शुरू होगी : 18 फरवरी 2022
अंतिम पेपर : 10 मार्च 2022
समय : सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक
हायर सेकंडरी स्कूल (12वीं)
परीक्षा शुरू होगी : 17 फरवरी 2022
अंतिम पेपर : 12 मार्च 2022
समय : सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक

पहली बार फरवरी में परीक्षा

MP बोर्ड के 10वीं के पेपर 18 फरवरी से 10 मार्च तक चलेंगे। वहीं 12वीं के पेपर 17 फरवरी से 12 मार्च तक होंगे। एमपी बोर्ड की परीक्षाएं पहली बार फरवरी में हो रही हैं। परीक्षा का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक रखा गया है। एमपी बोर्ड परीक्षा का टाइम टेबल मंडल की वेबसाइट www.mpbse.nic.in पर जारी किया जा चुका है।

8.30 बजे उपस्थिति जरूरी

परीक्षा के लिए परीक्षार्थियों को सुबह 8.30 बजे उपस्थित होना होगा। छात्रों को सुबह 8.45 बजे तक ही केंद्र में प्रवेश दिया जाएगा, उसके बाद आने वाले छात्रों को परीक्षा में बैठने नहीं दिया जाएगा। स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार पहले ही कह चुके हैं कि परीक्षा समय पर और ऑफलाइन मोड पर ही होंगी।

दूसरे राज्यों ने की प्लानिंग

मध्यप्रदेश से पहले महाराष्ट्र समेत अधिकांश राज्य पहले ही कोरोना को देखते हुए नियम बना चुके हैं। इसमें उन्होंने छात्रों को राहत देने का निर्णय किया था। महाराष्ट्र में छात्र या उसके परिवार के सदस्य के कोरोना पॉजिटिव होने की स्थिति में परीक्षा केंद्र पर आइसोलेशन रूम बनाया गया है। राजस्थान में ऐसे छात्रों की परीक्षा बाद में ली जाएगी। उत्तर प्रदेश बोर्ड परीक्षा चुनाव के बाद अप्रैल-मई में आयोजित की जाएगी। महाराष्ट्र के साथ ही छत्तीसगढ़ ने इस वर्ष पाठ्यक्रम 30% कम किया गया है।

कृषि मंत्री कमल पटेल के निर्देश

निर्माण कार्यों में देरी व गुणवत्ता में कमी करने वालों को करें ब्लैक लिस्टेड

कलेक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को कृषि मंत्री कमल पटेल ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में मंत्री ने जिले में चल रहे विकास कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें और निर्धारित समय सीमा में सभी निर्माण कार्य पूर्ण कराएं।

कृषि मंत्री पटेल ने बैठक में हिदायत दी कि निर्माण कार्य में देरी करने और खराब गुणवत्ता वाले कार्यों से संबंधित ठेकेदारों को ब्लैक लिस्टेड किया जाए। बैठक में कलेक्टर ऋषि गर्ग व जिला पंचायत के सीईओ राम कुमार शर्मा के अलावा लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा सहित सभी निर्माण विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। कृषि मंत्री पटेल ने कहा कि जिले में सड़कों के विकास के लिये धन की कोई कमी नहीं है। मंडी निधि से भी सड़कों व पुल पुलियाओं के लिए राशि स्वीकृत की जाएगी। उन्होंने नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के

अधिकारियों को निर्देश दिए कि हरदा जिले को शत प्रतिशत सिंचित करने के लिए स्वीकृत कार्य शीघ्रता से पूर्ण करें।

मंत्री पटेल ने बताया कि मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने अक्टूबर माह में हरदा प्रवास के दौरान जिले को शत प्रतिशत सिंचित करने की घोषणा की है। इस कार्य को प्राथमिकता से पूर्ण करना है। नहरों के टेल क्षेत्र में स्थित किसानों के खेतों में भी सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने नहरों के दोनों ओर पौधारोपण करने के निर्देश भी दिए।

सीबीआई बोली- पुलिस केस ट्रांसफर नहीं कर रही

सीबीआई- पुलिस केस ट्रांसफर नहीं कर रही पुलिस बोली- सीबीआई खुद केस लौटा रही

प्रदेश के बहुचर्चित व्यापमं घोटाले से जुड़ी शिकायतों को लेकर सीबीआई और पुलिस के बीच जमकर खींचतान चल रही है। हाल ही में हाईकोर्ट ने व्यापमं घोटाले में सांसदों और विधायकों के खिलाफ दर्ज केस की सुनवाई पूर्व से गठित स्पेशल कोर्ट में ही करने के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है, लेकिन इन दोनों ही जांच एजेंसियों के पास फिलहाल व्यापमं से जुड़े मामले में एक भी ऐसा केस नहीं है, जिसे स्पेशल कोर्ट में पेश किया जा सके। सीबीआई के सूत्रों का कहना है कि पुलिस उन्हें केस ट्रांसफर नहीं कर रही है, जबकि पुलिस का कहना है कि सीबीआई ने ही कई मामले यह कहकर वापस कर दिए हैं कि इनमें पुलिस जांच करें। वर्ष 2013 से शुरू हुए व्यापमं के घोटालों में अब तक लगभग 1800 शिकायतें हो चुकी हैं। हालांकि पुलिस के रिकॉर्ड के अनुसार एसटीएफ को 1357 शिकायतें मिली थीं। इसमें से 307 शिकायतों की जांच कर 79 केस दर्ज किए गए। पुलिस ने अब तक 185 मामले सीबीआई को भेजे हैं, जिनमें से 38 मामलों में एफआईआर दर्ज हुई। एसटीएफ ने 530 शिकायतें जांच के लिए जिला पुलिस को भेजी। जांच के बाद 325

शिकायतें बंद कर दी गईं। लगभग 200 शिकायतें अभी भी एसटीएफ के पास लंबित हैं। सीबीआई की स्पेशल कोर्ट अब तक आधा दर्जन मामलों में फैसला सुना चुकी है। व्यापमं से जुड़े लगभग 140 प्रकरणों में अब तक 2300 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज हो चुके हैं। सीबीआई की स्पेशल कोर्ट से आधा दर्जन मामलों में जल्द ही फैसला आ सकता है। व्यापमं से जुड़े कई मामलों को उजागर करने वाले आरटीआई एक्टिविस्ट आशीष चतुर्वेदी कहते हैं कि सीबीआई और राज्य पुलिस के बीच तालमेल ठीक न होने से कई शिकायतें अभी भी पुलिस के पास अटकी हुई हैं।

भारत के 10 ऐतिहासिक

भारत में एक से बढ़कर एक ऐतिहासिक इमारतें हैं। इन ऐतिहासिक स्थलों के पीछे प्यार, वीरता, ताकत और युद्ध की प्रसिद्ध कहानियां छिपी हैं। यहां हम आपको देश के 10 प्रमुख ऐतिहासिक स्थल और उनसे जुड़ी कहानियों के बारे में बता रहे हैं।

ताज महल- दुनिया के 7 अजूबों में से एक

जब भारतीय ऐतिहासिक स्थलों की बात आती है तो उसमें पहले नंबर पर आता है प्यार का प्रतीक ताज महल। सफेद संगमरमर से तैयार ताज महल को 1632 ईसवीं में शाहजहां ने पत्नी मुमताज महल की याद में बनवाया था। इस भव्य और शानदार सरंचना को बनने में 22 साल का वक्त लगा।

हुमांयू का मकबरा- बगीचा-मकबरा साथ

भारतीय और ईरानी वास्तुकला का बेहतरीन संकलन दिखता है हुमांयू के मकबरे में जो भारत के प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थलों में से एक है। हुमांयू की बीवी हमीदा बानू बेगम ने 15वीं शताब्दी में अपने पति के लिए इस मकबरे का निर्माण करवाया था।

कोणार्क मंदिर- सूर्य देव को समर्पित मंदिर

गंग वंश के महान राजा नरसिम्हादेव 1 ने ओडिशा के पुरी शहर से 35 किलोमीटर दूर स्थित कोणार्क मंदिर का निर्माण करवाया था। बंगाल की खाड़ी के तट पर स्थित यह मंदिर भारत के प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थलों में से एक है जो अपनी प्राचीन वास्तुकला के लिए दुनिया भर में मशहूर है। इस मंदिर की खास बात यह है कि यह सूर्य देव को समर्पित है।

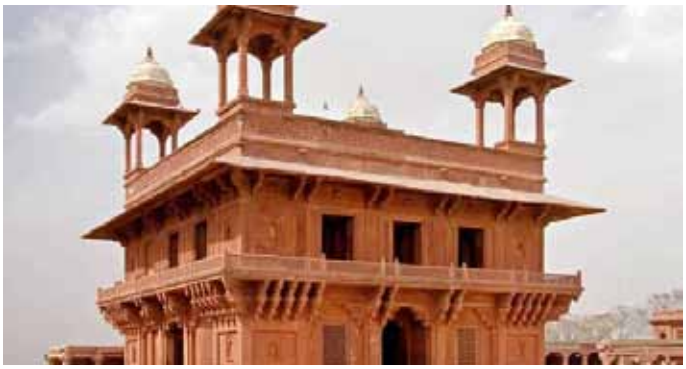

फतेहपुर सीकरी- गौरवगाथा का अनुभव

आगरा से 40 किलोमीटर दूर स्थित है फतेहपुर सीकरी शहर। मुगल शासक अकबर के शासनकाल में शाही शहर फतेहपुर सीकरी ही मुगलों की राजधानी थी। एक समय था जब यहां एक से एक महल, आम लोगों के लिए अलग इमारतें, मस्जिद, राजा के लिए अलग महल, सेना और नौकरशाहों के लिए अलग इमारतें थीं।

हवा महल- गुलाबी शहर का गौरव

हवा महल इसलिए भी पड़ा क्योंकि जब आप इस महल के अंदर जाएंगे तो आपको ठंडक और हवा का अहसास होगा। इस महल में 953 खिड़कियां मौजूद है और इस महल का आकार सिर पर रखे जाने वाले ताज के जैसा है। भगवान कृष्ण के सबसे बड़े भक्तों में से एक महाराजा सवाई प्रताप सिंह ने निर्माण करवाया था।

स्थलों से जुड़ीं कहानियां

इन ऐतिहासिक स्थलों के पीछे छिपी हैं प्यार, वीरता, ताकत और युद्ध की प्रसिद्ध कहानियां। कई ऐतिहासिक इमारतों के पीछे की कहानियों के बारे में सुनकर हैरान रह जाएंगे। आपको देश के 10 प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थलों और उनसे जुड़ी कहानियों के बारे में बता रहे हैं।

कुतुब मीनार- बलुआ पत्थर से बनी मीनार

कुतुब मीनार को उत्तर भारत में पहले मुस्लिम साम्राज्य के स्थल के रूप में जाना जाता है और यह उस जमाने की मुस्लिम वास्तुकला का बेहतरीन उदाहरण है जिसका निर्माण सैंडस्टोन यानी बलुआ पत्थर से किया गया था। इसमें कुरान से ली गई कई आयतें भी उकेरी गई हैं ।

लाल किला- आकर्षक विस्तार

जब मुगल शासक शाहजहां ने अपनी राजधानी आगरा से दिल्ली शिफ्ट की तब उन्होंने लाल किले का निर्माण करवाया जिसे बनने में करीब 10 साल का वक्त लगा। 1638 से 1648 के बीच लाल किले का निर्माण हुआ और उस वक्त उसका नाम किला-ए-मुबारक था।

विक्टोरिया मेमोरियल, कोलकाता

भारत में ब्रिटिश शासनकाल के दौरान कोलकाता स्थित विक्टोरिया मेमोरियल का निर्माण करवाया गया था। उस वक्त के वायसरॉय लॉर्ड कर्जन ने इस स्मारक का आइडिया दिया था लेकिन इसका वास्तविक डिजाइन सर विलियम इमरसन ने किया। इसके अंदर एक म्यूजियम है जो ब्रिटिश शासन की याद दिलाता है।

खजुराहो मंदिर- वर्ल्ड हेरिटेज साइट

मध्य प्रदेश के छोटे से शहर खजुराहो में स्थित है खजुराहो का मंदिर जिसे यूनेस्को के वर्ल्ड हेरिटेज साइट में जगह मिली हुई है और यहां हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। ऐसा माना जाता है कि खजुराहो के मंदिरों में कामुकता को बेहतरीन तरीके से दर्शाया गया है। हालांकि सिर्फ 10 प्रतिशत मूर्तियां ही कामुक हैं।

सांची स्तूप- बुद्ध के जीवन की समझ

मध्य प्रदेश में स्थित सांची स्तूप में भगवान बुद्ध के अवशेष रखे हुए हैं और यह जगह बौद्ध धर्म का पालन करने वालों के लिए सबसे अहम धार्मिक स्थलों में से एक है। इस प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल का निर्माण 3 शताब्दी ईसा पूर्व सम्राट अशोक ने करवाया था। इस स्तूप का गुंबद कानून के पहिए को सूचित करता है।

एलआईसी के आईपीओ को लेकर असमंजस में है मोदी सरकार...

रूस-यूक्रेन संकट गहराने से वैश्विक वित्तीय बाजारों पर पड़ रहे दुष्प्रभाव को देखते हुए सरकार भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मेगा आईपीओ को कुछ समय के लिए स्थगित कर अपनी हिस्सेदारी का अधिकतम मूल्य प्राप्त करने के लिए उपयुक्त समय की प्रतीक्षा कर सकती है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सरकार से जुड़े एक सूत्र ने बुधवार को कहा, ''रूस-यूक्रेन विवाद अब पूरी तरह युद्ध का रूप ले चुका है लिहाजा हमें एलआईसी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की दिशा में आगे बढऩे के लिए स्थिति का आकलन करना होगा।''

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी उभरती भू-राजनीतिक स्थिति को देखते हुए एलआईसी के आईपीओ की समीक्षा किए जाने के संकेत दिए थे। सीतारमण ने 'हिंदू बिजनेस लाइन'को दिए साक्षात्कार में कहा था, ''आदर्श रूप में, मैं इस दिशा में आगे बढऩा चाहूंगी क्योंकि हमने विशुद्ध रूप से भारतीय सोच के आधार पर इसकी योजना बनाई थी। लेकिन अगर वैश्विक परिस्थितियां इस बात पर पुर्निवचार करने के लिए बाध्य कर रही हैं तो मुझे इस पर नए सिरे से गौर करने में कोई दिक्कत नहीं होगी।''

देश का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ कहा जा रहा एलआईसी का निर्गम इसी महीने बाजार में आने की उम्मीद जताई जा रही थी। एलआईसी ने 13 फरवरी को पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष आईपीओ का मसौदा पत्र पेश किया था। सरकार चालू वित्त वर्ष में 78,000 करोड़ रुपये के विनिवेश लक्ष्य को पूरा करने के लिए इस जीवन बीमा कंपनी में अपनी पांच प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर 63,000 करोड़ रुपये जुटाने की उम्मीद कर रही थी।

यदि एलआईसी के आईपीओ को अगले वित्त वर्ष के लिए टाल दिया जाता है तो सरकार संशोधित विनिवेश लक्ष्य को बड़े अंतर से पूरा नहीं कर पाएगी। इस वित्त वर्ष में अब तक सरकार केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के विनिवेश और एयर इंडिया की रणनीतिक बिक्री के जरिए 12,030 करोड़ रुपये जुटा चुकी है। सरकार ने पहले वर्ष 2021-22 के दौरान विनिवेश से 1.75 लाख रुपये जुटाने का अनुमान लगाया था लेकिन बाद में इसे संशोधित कर 78,000 करोड़ रुपये कर दिया गया। एलआईसी में सरकार की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी या 632.49 करोड़ से अधिक शेयर हैं। शेयरों का अंकित मूल्य 10 रुपये प्रति शेयर है।

नया इतिहास लिखने जा रहा है उप्र का वोटर-राजनाथ

एलआईसी का सार्वजनिक निर्गम भारतीय शेयर बाजार के इतिहास में सबसे बड़ा आईपीओ होगा। एक बार सूचीबद्ध होने के बाद, एलआईसी का बाजार मूल्यांकन रिलायंस इंडस्ट्रीज और टीसीएस जैसी शीर्ष कंपनियों के आसपास होगा। सरकार ने एलआईसी के विनिवेश की सुविधा के लिए इस सार्वजनिक कंपनी में स्वचालित मार्ग से 20 प्रतिशत तक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति दी थी। इस संबंध में निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने लिया था। दरअसल मौजूदा एफडीआई नीति में एलआईसी में विदेशी निवेश का कोई प्रावधान नहीं किया गया था। इस मेगा आईपीओ में विदेशी निवेशकों के शामिल होने की इच्छा को देखते हुए एफडीआई प्रावधान में बदलाव किया गया है।

विदेश से लौटे बिल्डर के बंगले पर छापा

आयकर विभाग ने जांच- पड़ताल की, दस्तावेजों को खंगाला...

विदेश से कुछ घंटे पहले स्वदेश लौटे बिल्डर चंद्रजीत त्रिपाठी आयकर विभाग के निशाने पर आ गए। आईटी डिपार्टमेंट की टीम ने बुधवार को इंदिरापुरम में बिल्डर आवास पर छापा मारा। जांच-पड़ताल के दौरान काफी गोपनीयता एवं सतर्कता बरती गई। रेड की कार्रवाई के समय बिल्डर के परिवार के किसी सदस्य को बाहर जाने की अनुमति नहीं दी गई। इसी प्रकार कोई बाहरी व्यक्ति भी भीतर एंट्री नहीं कर पाया। जांच दल ने वित्तीय लेन-देन के संबंध में गहन पड़ताल की। जरूरी दस्तावेजों को खंगाला गया। गाजियाबाद की इंदिरापुरम कॉलोनी के अभय खंड में आईआरएस हाउसिंग सोसाइटी है। इस सोसाइटी में भूखंड संख्या-30 पर बिल्डर चंद्रजीत पाठक का आलीशान बंगला है। जहां वह सपरिवार रहते हैं। वह मूल रूप से बलिया जिले के रहने वाले हैं। वह दिव्यांश बिल्डर कंपनी के प्रबंध निदेशक

हैं। पुलिस सूत्रों का कहना है कि बिल्डर पाठक मंगलवार की शाम विदेश से स्वदेश लौटे थे। विदेश से इंदिरापुरम लौटकर वह अपने परिवार के साथ थे। इस बीच बुधवार की सुबह आयकर विभाग की टीम ने एकाएक उनके बंगले पर छापा मारा। इस कार्रवाई से आस-पास के रेजीडेंट्स में खलबली मच गई।

सांसद जितेंद्र रेड्डी के घर से 4 लोगों का अपहरण कर ले गए अज्ञात

राजधानी दिल्ली का अति सुरक्षित इलाका लुटियन्स जोन में भी अब बदमाश अपहरण जैसे वारदात को अंजाम देने से हिचक ही नहीं रहे, बल्कि अंजाम देने के बाद बेरोकटोक फरार भी हो जा रहे हैं। ऐसी ही एक वारदात देर रात साउथ एवेंन्यू स्थित भाजपा नेता एंव पूर्व सांसद जितेंद्र रेड्डी के आवास पर अंजाम दिया गया, जहां से अज्ञात बदमाश ने उनके ड्राइवर समेत चार लोगों अपहरण कर फरार हो गए। अपहरण कर्ता दो कार में सवार होकर आए थे। इसके बाद वे जितेंद्र रेड्डी के ड्राइवर थापा, एक तेलांगना के कार्यकर्ता एवं सामाजिक कार्यर्ता मुन्नूर रवि समेत चार लोगों को कार में जबरन डाल उन्हें लेकर फरार हो गए। घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिसमें आरोपी चारों लोगों को कार में ले जाते हुए नजर आ रहे हैं। जितेंद्र रेड्डी ने भी इस वारदात की जानकारी अपने ऑफिशियल ट्वीटर हैंडल पर पोस्ट डालकर दी है। उन्होंने आरोपियों का सीसीटीवी फुटेज ट्वीट किया है। उन्होंने दिल्ली पुलिस से मामले में जल्द कार्रवाई करने के लिए कहा है।

पोर्नोग्राफी और दुष्कर्म मामले

सीधे लिंक पर डाटा जुटाने को पुलिस को निर्देश देने के लिए जनहित याचिका...

सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर कर ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट (बीपीआरडी) को निर्देश देने की मांग की गई है कि वह पोर्नोग्राफी सामग्री और दुष्कर्म के बीच सीधे लिंक का खुलासा करने वाली पुलिस की जांच का डाटा एकत्र करे। साथ ही इस काम को एक समयबद्ध तरीके से करने का निर्देश देने की भी अपील की गई है।

यह याचिका वकील नलिन कोहली ने दायर की है। उन्होंने अपनी याचिका में छह वर्षीय बच्ची की नृशंस हत्या मामले में पुलिस की जांच में हुए खुलासे का भी उल्लेख किया है। पुलिस के खुलासे के अनुसार, अपराध में शामिल चार आरोपियों में से दो 8 और 11 साल के नाबालिग बच्चे हैं और ये सभी पोर्न के आदी थे। इसके बाद असम पुलिस ने दुष्कर्म, छेड़छाड़ और यौन अपराधों से जुड़े मामलों की जांच के दौरान जांच अधिकारियों को डिजिटल सुबूत एकत्र करने को लेकर दिशानिर्देश जारी किए गए और इनका पालन करने को कहा गया।

याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट से सभी राज्यों के पुलिस संगठनों को पोर्नोग्राफी सामग्री देखने और दुष्कर्म के मामलों के बीच सीधे संबंध को लेकर समयबद्ध तरीके से डाटा एकत्र करने का निर्देश देने की मांग की। साथ ही दुष्कर्म और यौन हमलों के मामलों की जांच के दौरान पोर्नोग्राफी सामग्री देखने के पहलू को शामिल करने के लिए एसओपी तैयार करने पर विचार करने का भी आग्रह किया।

याचिकाकर्ता ने कोर्ट से यह भी अनुरोध किया कि वह प्रदेश सरकारों को तत्काल अपनी पुलिस और जांच एजेंसियों को इससे संबंधित डाटा बीपीआरडी को उपलब्ध कराने का निर्देश दे। याचिका में कहा गया है कि देश के विभिन्न हिस्सों में महिलाओं और

निर्दोष बच्चों के खिलाफ यौन हमलों और दुष्कर्म के मामलों में बढ़ोतरी चिंताजनक है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को ओडिशा सरकार को व्यापक वन्यजीव प्रबंधन योजना को लागू करने का निर्देश दिया। साथ ही शीर्ष अदालत ने वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पारंपरिक हाथी गलियारे को 'संरक्षण रिजर्व' घोषित करने की प्रक्रिया पूरी करने का भी निर्देश दिया।

जस्टिस एल नागेश्वर राव और जस्टिस बीआर गवई की पीठ ने कहा, योजना का कार्यान्वयन पर्यावरण के प्रति संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी खनन गतिविधि की अनुमति देने से पहले राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति के सुझाव के अनुसार होना चाहिए। पीठ ने राज्य को पारंपरिक हाथी गलियारे को 'संरक्षण रिजर्व' के रूप में घोषित करने की प्रक्रिया तेजी से पूरी करने का भी निर्देश दिया है।

पीठ ने कहा कि इसके बाद ही 97 खदानों के खनन कार्यों की अनुमति दी जाएगी। दरअसल, ओडिशा सरकार ने सिमिलिपाल-हदगढ़-कुलडीहा-सिमिलिपाल हाथी गलियारे के आसपास पत्थर उत्खनन गतिविधियों को रोकने के एनजीटी के एक आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। राज्य सरकार ने दावा किया कि उस क्षेत्र में खनन गतिविधि को रोकने का कोई औचित्य नहीं है क्योंकि वह पर्यावरण के प्रति संवेदनशील क्षेत्र में नहीं आता है।

हैदराबाद की घटना : कक्षा में सहपाठियों के साथ लड़ाई में 15 वर्षीय छात्र की हुई मौत

हैदराबाद के एक निजी स्कूल में छात्रों के बीच आपसी बहस में एक छात्र की हत्या का मामला सामने आया है। निजी स्कूल में कक्षा में बहस के बाद दसवीं कक्षा के 15 वर्षीय छात्र पर उसके दो सहपाठियों ने कथित तौर पर हमला कर दिया जिससे बुधवार को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि घटना में मृतक को सिर पर चोट लगी थी जिसके बाद उसे एक अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि अस्पताल लाने से पहले उसकी मौत हो गई थी।

जुबली हिल्स पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि दोपहर के भोजन अवकाश के समय पीड़ित ने कागज से बनायी एक गेंद अपने एक सहपाठी की ओर फेंकी थी जिसके बाद झगड़ा शुरू हो गया था। झगड़े के दौरान एक अन्य छात्र ने भी पीड़ित पर हमला किया जिससे वह एक बेंच पर गिर गया। अधिकारी ने कहा कि उसकी मौत मुट्ठी के वार से हुई या बेंच से टकराने के बाद यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही पता चलेगा। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद दोनों सहपाठी फरार हैं। पुलिस कक्षा में लगी सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है।

कोविड - 19 टीकों पर गहराई में नहीं जा सकते, यह विशेषज्ञों का विषय...

पीठ ने कहा कि हम चिकित्सा क्षेत्र के विशेषज्ञ नहीं हैं। हमें वैज्ञानिक मुद्दों की गहराई में न ले जाएं। भूषण ने कहा कि लोगों को उन टीकों को लेने के लिए बाध्य किया जा रहा है, जिनके तीसरे चरण के परीक्षण डेटा उपलब्ध नहीं हैं और दवा नियंत्रण अथॉरिटी को प्रस्तुत सामग्री भी जनता के सामने प्रस्तुत नहीं की गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि वह कोविड-19 वैक्सीन की प्रभावकारिता और लोगों पर इसके प्रभाव के क्षेत्र में गहराई में नहीं जा सकता, क्योंकि यह विशेषज्ञों का विषय है। जस्टिस एल नागेश्वर राव और जस्टिस बीआर गवई की पीठ ने कहा कि इतने सारे लोग सह रुग्णता से पीड़ित हैं, हमें इसमें क्यों जाना चाहिए? सवाल यह है कि क्या दंडात्मक कार्रवाई या टीका जनादेश (मैंडेट) हो सकता है।

शीर्ष अदालत ने ये टिप्पणी तब की जब वकील प्रशांत भूषण ने दावा किया कि भारत सरकार ने कोविड -19 टीकों के प्रतिकूल प्रभावों को दर्ज करने में गंभीरता नहीं दिखाई है। उन्होंने विभिन्न राज्य सरकारों और अन्य संगठनों द्वारा टीकों को लाभों से जोड़ने पर सवाल उठाया। भूषण वैक्सीन जनादेश के खिलाफ टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह के पूर्व सदस्य जैकब पुलियेल द्वारा दायर एक याचिका पर बहस कर रहे थे। याचिका में प्रतिकूल घटनाओं सहित टीकाकरण के आंकड़ों का भी

खुलासा करने का निर्देश देने की मांग की गई है।

भूषण ने तर्क दिया कि टीका न लेने वाले नागरिकों के मौलिक अधिकारों को सरकार केवल यह कहकर ग्रहण नहीं लगा सकती कि टीका नहीं लेने वाला व्यक्ति सार्वजनिक स्वास्थ्य पर स्पष्ट तौर पर खतरा पैदा करेगा। भूषण ने कहा कि मुझे कोविड हुआ था, लेकिन मैंने वैक्सीन नहीं ली है। मैंने वैक्सीन नहीं लेने का फैसला किया है चाहे कुछ भी हो जाए। उन्होंने कहा कि कोविड टीकाकरण के प्रतिकूल प्रभावों के बारे में पता नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि सरकार टीकाकरण को अनिवार्य बनाकर लोगों को सार्वजनिक स्थानों पर प्रवेश करने से रोकने के लिए वैक्सीन जनादेश क्यों जारी कर रही है।

उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति कोविड से संक्रिमत था और ठीक हो गया तो उस व्यक्ति को संक्रमण के खिलाफ बेहतर प्राकृतिक प्रतिरक्षा मिलती है। इस पर पीठ ने उनसे पूछा कि क्या हम इस क्षेत्र में जा सकते हैं? हमारे पास बुनियादी ज्ञान नहीं है। पीठ ने भूषण से कहा कि विज्ञान राय का विषय है और आपने भले ही एक राय पेश की हो लेकिन उसका विरोध किया जा सकता है।

पीठ ने कहा कि हम चिकित्सा क्षेत्र के विशेषज्ञ नहीं हैं। हमें वैज्ञानिक मुद्दों की गहराई में न ले जाएं। भूषण ने कहा कि लोगों को उन टीकों को लेने के लिए बाध्य किया जा रहा है, जिनके तीसरे चरण के परीक्षण डेटा उपलब्ध नहीं हैं और दवा नियंत्रण अथॉरिटी को प्रस्तुत सामग्री भी जनता के सामने प्रस्तुत नहीं की गई है। उन्होंने अदालत से ऐसे वैक्सीन जनादेश को रद्द करने की गुहार लगाई। अगली सुनवाई आठ मार्च को होगी।

प्रतिशोध में तीन दोस्तों ने की थी विवेक त्यागी की हत्या

मोदीनगर के गांव मोहम्मदपुर कदीम से 3 फरवरी से लापता चल रहे विवेक त्यागी की हत्या होने का खुलासा हुआ है। इस मामले में पुलिस ने दो हत्यारोपियों को गिरफ्तार किया है। जबकि घटना का मुख्य आरोपी फरार है। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि दो साल पूर्व एक शादी समारोह के दौरान विवेक ने फरार आरोपी की पिटाई कर दी थी। जिसके बाद से वह विवेक त्यागी की हत्या की फिराक में थे। उन्होंने प्रतिशोध में विवेक त्यागी की हत्या कर शव को गंगनहर में ठिकाने लगा दिया था। जानकारी होने के बाद पुलिस ने शव की तलाश को गंगनहर में सर्च ऑपरेशन चलाने की बात कही है।

एसएचओ मोदीनगर अनीता चौहान ने बताया कि मोहम्मदपुर कदीम गांव के रहने वाले मोहित त्यागी और रितु त्यागी को गिरफ्तार किया गया है। जबकि उनका साथी एवं मुख्य आरोपी निक्की फरार है। एसएचओ का कहना है कि आरोपियों की निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल की गई वैगनआर कार बरामद कर ली गई है। जबकि आरोपियों ने मृतक का मोबाइल चलते ट्रक में फेंकने की बात कबूली है। पुलिस ने ट्रक चालक से बात कर फोन थाने में जमा कराने को कहा है।

एसएचओ की मानें तो आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि करीब दो साल पहले मोहित, निक्की और विवेक त्यागी एक शादी

समारोह में गए थे। वहां निक्की और विवेक के बीच झगड़ा हो गया था। इस झगड़े में विवेक ने निक्की की पिटाई कर दी थी। पिटाई से क्षुब्ध निक्की ने उसी दिन विवेक की हत्या करने की बात मन में ठान ली थी। निक्की ने मोहित के साथ मिलकर कई बार विवेक की हत्या का प्लान बनाया, लेकिन वह कामयाब नहीं हो सके। एसएचओ का कहना है कि 3 फरवरी को मोहित ने शराब पीने के बहाने विवेक को खेत पर बुलाया। कुछ देर बाद वहां निक्की और रितु त्यागी भी आ गए। वहां भी पुराने विवाद को लेकर निक्की की विवेक से लड़ाई हो गई। लड़ाई में तीनों ने मिलकर विवेक को इतना पीटा कि उसकी मौत हो गई। मौत के बाद आरोपी विवेक के शव को गंगनहर में फेंक कर फरार हो गए।

ब्लास्ट के दौरान मलबे के बिखराव को रोकेगा जियो टेक्सटाइल फाइबर

दिल्ली से सटे नोएडा में सुपरटेक एमराल्ड के दोनों टावरों में 12.50 हजार टन सरिया लगा है। इसके अलावा करोड़ों रुपए का रोड़ी बदरपुदर और चार लाख बैग सिमेंट लगा है। दोनों टावर ब्लास्ट करके गिराए जाएंगे। इसके सबसे नजदीक टावर की दूरी महज 9 मीटर है और एसटीएस सोसायटी है। इन दोनों में 450 फ्लैट है। इनमे कोई नुकसान और मलबा बिखरे नहीं इसके लिए ट्विन टावरों के पिलर को हैवी वायर मैश के जरिए जियो टेक्सटाइल फाइबर से कवर किया जा रहा है। ये वहीं कवर है जिससे ब्लास्ट के बाद इमारत झरने के तरह परिसर के अंदर ही गिरेगी। जियो टेक्सटाइल फाइबर एक प्राकृतिक पारगम्य फैब्रिक है, जो बेहद मजबूत होने के साथ अत्यधिक टिकाऊ, टूट-फूट, मोड़ एवं नमी प्रतिरोधी है। इस कारण इसका उपयोग नदी तटबंधों, खादान की ढलानों का स्थिरीकरण करने और मिट्टी के कटाव को रोकने में भी किया जा सकता है। यहां इसका प्रयोग ब्लास्ट के दौरान कंस्ट्रक्शन मलबा न फैले इसके लिए किया जा रहा है। पिलर के चारों ओर हैवी वायर मैश (तारो का जाल) बनाया जा रहा है जो एक प्रकार की जकड़ बनाता है।

यूक्रेन से भारतीयों को निकालने के लिए सरकार कर रही प्रयत्न- गृह मंत्री विज

गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि यूक्रेन से भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए सरकार हर स्तर पर प्रयत्न कर रही है और अब तक कई नागरिकों को एयर लिफ्ट कर सकुशल देश वापस लाया जा चुका है। गुरुवार को यूक्रेन से सकुशल वापस लौटी अम्बाला छावनी कच्चा बाजार की छात्रा ईशिका भूटानी ने गृह मंत्री अनिल विज से उनके आवास पर मुलाकात कर उनका धन्यवाद जताया।

गृह मंत्री अनिल विज ने स्वयं छात्रा ईशिका को मिठाई खिलाई और स्वागत किया। उन्होंने कहा कि देश के नागरिकों एवं विद्यार्थियों को यूक्रेन से निकालने के लिए व्यापक स्तर पर सरकार प्रयत्न कर रही है। एयरलाइंस के अलावा एयरफोर्स के सी-17 ग्लोबमास्टर विमानों से नागरिकों को रोमानिया, हंगरी, पौलेंड व अन्य देशों से वापस लाया जा रहा है। गृह मंत्री ने छात्रा ईशिका से जानकारी भी ली कि वह यूक्रेन के किस शहर में पढ़ाई कर रही थी, वह किस बार्डर से वापस लौटी। उन्होंने छात्रा को भारत सरकार द्वारा नागरिकों व छात्रों को वापस लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में भी बताया।

गृह मंत्री अनिल विज ने बताया कि हरियाणा के नागिरकों को सकुशल वापस निकालने के लिए उन्होंने देश के विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर को पत्र लिखकर अनुरोध किया था।उन्होंने बताया कि उनके पत्र पर विदेश मंत्रालय की ओर से कार्रवाई करने का पूरा भरोसा जताया गया था और यह भी बताया गया था कि छात्रों व नागरिकों को वहां से निकालने के लिए पौलेंड, रोमानिया, हंगरी, स्लोवाकिया के बार्डर पर कौन से हेल्पडेस्क स्थापित किए गए हैं। छात्रा ईशिका के पिता विनय भूटानी ने गृह मंत्री अनिल विज का धन्यवाद जताते हुए कहा कि गृह मंत्री अनिल विज की दुआ और प्रयासों की वजह से उनकी बेटी आज जिंदा वापस लौट सकी है। उन्होंने कहा कि यदि सरकारी स्तर पर उनकी बेटी व अन्य छात्रों को वापस लाने के प्रयास नहीं किए जाते तो आज स्थिति कुछ और होती। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अनिल विज के समक्ष परिवार ने कुछ दिन पहले उनकी बेटी को सकुशल वापस लाने को लेकर गुहार लगाई थी और आज उनकी बेटी वापस लौटी है जिससे उन्हें व पूरे परिवार को राहत मिल सकी है। यूक्रेन से लौटी एमबीबीएस की छात्रा ईशिका भूटानी ने गृह मंत्री अनिल विज का आभार जताते हुए उन्हें बताया कि वह यूक्रेन के विनित्सिया शहर में पढ़ाई कर रही थी। वहां देश के करीब दो हजार नागरिक हैं। उसने बताया कि कालेज की ओर से उन्हें रोमानिया बार्डर के लिए बस उपलब्ध करवाई गई थी। रोमानिया बार्डर पर भारत सरकार की ओर से प्रबंध किए गए थे। दो दिन तक वह रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट में शेल्टर होम में रहे और फिर एयरलाइन के माध्यम से उन्हें 1 मार्च की रात देश में लाया गया। ईशिका ने कहा कि देश की सरकार की बदौलत यूक्रेन से हजारों नागरिक सकुशल वापस लौट सके हैं और इस कार्य के लिए उनकी जितनी भी प्रशंसा की जाए व कम है।

बेरोजगारी और महंगाई के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बात तक नहीं करते- राहुल गांधी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कहा कि मौजूदा समय में बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक अशांति प्रमुख मुद्दे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समाधान तो दूर, इनके बारे में बात तक नहीं करते।

उन्होंने उत्तर प्रदेश के कुछ युवाओं का वीडियो साझा करते हुए ट्वीट किया, ''देश के सामने आज बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक अशांति अहम मुद्दे हैं। इसके चलते युवा वर्ग में बेचैनी और गुस्सा बढ़ रहा है जो अपने आप में एक बड़ी समस्या है। समाधान तो दूर, प्रधानमंत्री इनके बारे में बात तक नहीं करते।'' राहुल गांधी ने जो वीडियो साझा किया, उसमें कुछ युवक बेरोजगारी और महंगाई जैसे मुद्दों को लेकर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने एक प्रतिष्ठित जर्नल की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बृहस्पतिवार को दावा किया कि देश में कोविड-19 से मरने वालों का आधिकारिक आंकड़ा ''संदिग्ध'' है। उन्होंने ट्वीट किया, एक प्रतिष्ठित जर्नल का अनुमान है कि भारत में एक जून, 2020 से एक जुलाई, 2021 के बीच कोविड से मरने वालों की संख्या 32 लाख है। यह आंकड़ा आधिकारिक आंकड़े चार लाख के मुकाबले आठ गुना अधिक है।'' पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''निश्चित तौर पर इनमें से 27 लाख मौतें पिछले साल अप्रैल, मई और जून में हुई होगी।'' उन्होंने दावा किया कि आधिकारिक आंकड़ा संदिग्ध है।

भारत में एक दिन में कोविड-19 के 6,561 नये मामले सामने आने के बाद देश में अब तक कोरोना वायरस संक्रमित हुए लागों की कुल संख्या बृहस्पतिवार को बढ़ कर 4,29,45,160 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या अभी 77,152 है।

देश में लगातार 25 दिन से संक्रमण के दैनिक मामलों की संख्या एक लाख से कम बनी हुई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार को सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में 142 और लोगों की संक्रमण से मौत हो जाने के बाद कुल मृतक संख्या बढ़कर 5,14,388 हो गई है।

10 मार्च से शुरू होंगे होलाष्टक

ज्योतिषाचार्य डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू धर्म में होली के पर्व का विशेष महत्व है। साल की शुरुआत होते ही पहला बड़ा त्योहार होली ही होता है है। होली फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है। लेकिन फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी से ही होलाष्टक लग जाता है।

होलिका दहन से आठ दिन पहले होलाष्टक शुरू हो जाते हैं जो 10 मार्च से 18 मार्च तक चलेंगे। फाल्गुन अष्टमी से होलिका दहन तक आठ दिनों तक होलाष्टक के दौरान इन आठ दिनों में शुभ कार्य नहीं किए जाते लेकिन देवी-देवताओं की आराधना के लिए श्रेष्ठ माने जाते हैं। इन आठ दिनों के मध्य विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश, मकान, जमीन, वाहन क्रय और विक्रय आदि निषेध माने गए हैं। वहीं 14 मार्च से सूर्य देव मीन राशि में गोचर करेंगे। सूर्य के मीन राशि में गोचर करने पर भी शुभ कार्य वर्जित रहते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि होलाष्टक होलिका दहन से आठ दिन पहले से लग जाता है। इस बार होलाष्टक 10 मार्च से 18 मार्च तक लगेगा। फाल्गुन अष्टमी से होलिका दहन तक आठ दिनों तक होलाष्टक के दौरान मांगलिक और शुभ कार्यों पर रोक लग जाती है। इन आठ दिनों में भले ही शुभ कार्य नहीं किए जाते, लेकिन देवी-देवताओं की आराधना के लिए ये दिन बहुत ही श्रेष्ठ माने जाते हैं। इस बार होलिका दहन 17 मार्च 2022 को होगा इसलिए होलाष्टक होली से आठ दिन पहले यानी 10 मार्च 2022 से लग जाएंगे। वहीं इसके अगले दिन यानी कि शुक्रवार 18 मार्च 2022, को होली खेली जाएगी। ज्योतिषाचार्य डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू धर्म में होली के पर्व का विशेष महत्व है। साल की शुरुआत होते ही पहला बड़ा त्योहार होली ही होता है है। होली फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है। लेकिन फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी से ही होलाष्टक लग जाता है। होलाष्टक शब्द होली और अष्टक से से मिलकर बना है। इसका अर्थ है होली के आठ दिन। देशभर में होलिका दहन फाल्गुन मास की पूर्णिमा को किया जाता है, पूर्णिमा से आठ दिन पहले से होलाष्टक लग जाता है।

दान-पुण्य से मिलेगा लाभ

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि एक तरफ होलाष्टक में 16 संस्कार समेत कोई भी शुभ कार्य करना वर्जित होता है, वहीं यह समय भगवान की भक्ति के लिए भी उत्तम माना जाता है। होलाष्टक के दौरान दान-पुण्य करने का विशेष फल प्राप्त होता है। इस दौरान मनुष्य को अधिक से अधिक भगवत भजन और वैदिक अनुष्ठान करने चाहिए, ताकि समस्त कष्टों से मुक्ति मिल सके। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार होलाष्टक में महामृत्युंजय मंत्र का जाप करने से हर तरह के रोग से छुटकारा मिलता है और सेहत अ'छी रहती है।

होलाष्टक... धार्मिक महत्व

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि होलाष्टक होलिका दहन से आठ दिन पहले से लग जाता है। इस बार होलाष्टक 10 मार्च से 18 मार्च तक लगेगा। ऐसा माना

जाता है कि इस दौरान किसी भी शुभ कार्य को करने की मनाही होती है। होलाष्टक के दिन से होली की तैयारी शुरू हो जाती है। ऐसे में होलाष्टक के दौरान लोग शुभ काम नहीं करते और करने से बचते हैं।

क्यों लगते है होलाष्टक

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि होलाष्टक को लेकर एक कथा प्रचलित है कि राजा हिरण्यकश्यप बेटे प्रहलाद को भगवान विष्णु की भक्ति से दूर करना चाहते थे। और इसके लिए उन्होंने इन आठ दिन प्रहलाद को कठिन यातनाएं दीं। इसके बाद आठवें दिन बहन होलिका (जिसे आग में न जलने का वरदान था) के गोदी में प्रहलाद को बैठा कर जला दिया। लेकिन फिर भी प्रहलाद बच गए। अतः ऐसे में इन आठ दिनों को अशुभ माना जाता है और कोई भी शुभ कार्य नहीं किया जाता। होलाष्टक के दौरान सोलह संस्कार सहित सभी शुभ कार्यों को रोक दिया जाता है। इन दिनों गृह प्रवेश या किसी अन्य भवन में प्रवेश करने की भी मनाही होती है। इतना ही नहीं, नई शादी हुई लड़कियों को ससुराल की पहली होली देखने की भी मनाही होती है।

होलाष्टक पर न करें ये कार्य

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि से होलाष्टक लग जाता है। होलाष्टक लगते ही हिंदू धर्म से जुड़े सोलह संस्कार समेत कोई भी शुभ कार्य नहीं करना चाहिए। चाहे कोई नया घर खरीदना हो या कोई नया व्यवसाय शुरू करना हो सभी शुभ कार्य रोक दिये जाते हैं। यदि इस दौरान किसी की मृत्यु हो जाती है तो उनके अंतिम संस्कार के लिए भी शांति कराई जाती है। एक मान्यता अनुसार किसी भी नविवाहिता को अपने ससुराल की पहली होली नहीं देखनी चाहिए।

होलाष्टक पर करें आराधना

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि एक तरफ होलाष्टक में 16 संस्कार समेत कोई भी शुभ कार्य करना वर्जित होता है, वहीं यह समय भगवान की भक्ति के लिए भी उत्तम माना जाता है। होलाष्टक के दौरान दान-पुण्य करने का विशेष फल प्राप्त होता है। इस दौरान मनुष्य को अधिक से अधिक भगवत भजन और वैदिक अनुष्ठान करने चाहिए, ताकि समस्त कष्टों से मुक्ति मिल सके। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार होलाष्टक में महामृत्युंजय मंत्र का जाप करने से हर तरह के रोग से छुटकारा मिलता है और सेहत अच्छी रहती है।

संतान के लिए

यदि किसी कपल को संतान की प्राप्ति नहीं हो रही है तो वह होलाष्टक में लड्डु गोपाल की विधि विधान से पूजा पाठ करें। इस दौरान हवन भी करें जिसमें गाय का शुद्ध घी और मिश्री का इस्तेमाल करें। इस उपाय को करने से निसन्तान को भी संतान प्राप्त हो जाती है।

करियर में सफलता के लिए

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि यदि आप अपने करियर में तरक्की पर तरक्की चाहते हैं तो होलाष्टक में यह उपाय करें। घर या ऑफिस में जौ तिल और शक्कर से हवन करवाएं। ऐसा कर आपके करियर में आने वाली सभी बाधाएं खत्म हो जाएगी। आप जिस भी फील्ड में काम स्टार्ट करेंगे उसमें आसानी से सफलता का स्वाद चख सकेंगे।

योग की शुरुआत हमेशा सबसे आसान आसन से करें...

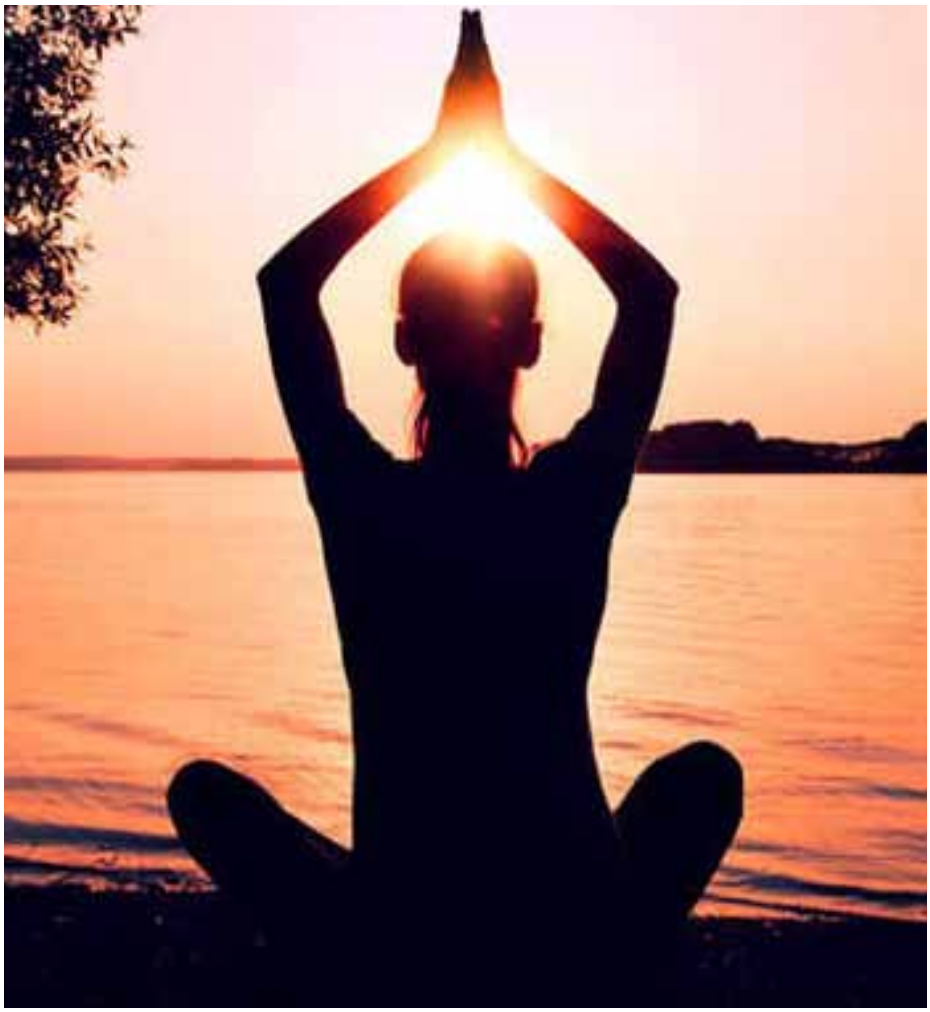

योग की शुरुआत हमेशा सबसे आसान आसन से करनी चाहिए। प्रैक्टिस के बाद भी शुरुआत में ईज़ी आसन करें फिर धीरे-धीरे मुश्किल आसन की तरफ जाएं इससे किसी तरह का चोट लगने का डर नहीं रहेगा। तन-मन को स्वस्थ रखने के लिए योग सबसे बेहतरीन ज़रिया है, तभी तो आजकल हर कोई योग का दीवाना हुआ जा रहा है। नेता से लेकर अभिनेता तक हर कोई योग के फायदे गिनाते नज़र आ रहे हैं और देखा जाए तो यह बिल्कुल सच है। योग से आपका शरीर लचीला बनता है, एकाग्रता आती है, टेंशन दूर होती है यानी योग आपके संपूर्ण स्वास्थ्य का ध्यान रखता है, लेकिन यह सब तभी होगा जब आप इससे जुड़ी कुछ बातों का ध्यान रखें। खासतौर पर पहली बार योग करने वालों को ये बातें ज़रूर पता होनी चाहिए।

वार्मअप है ज़रूरी: जिस तरह वर्कआउट से पहले वार्मअप किया जाता है वैसे ही योग करने से पहले भी वार्मअप करना बहुत जरूरी होता है। इससे मांसपेशियां सक्रिय होंगी और शरीर लचीला बनेगा जिससे आप हर तरह के आसन कर पाएंगे

मुश्किल आसन से न करें

योग की शुरुआत हमेशा सबसे आसान आसन से करनी चाहिए। प्रैक्टिस के बाद भी शुरुआत में ईज़ी आसन करें फिर धीरे-धीरे मुश्किल आसन की तरफ जाएं इससे किसी तरह का चोट लगने का डर नहीं रहेगा।

ठंडा पानी न पीएं

योग के दौरान ठंडा पानी पीना आपकी सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है। क्योंकि योग करने से शरीर गर्म हो जाता है और ऐसे में यदि ठंडा पानी पिया जाए तो जुकाम, कफ और एलर्जी की शिकायत हो सकती है। इसलिए योगसन करने के दौरान और बाद में नार्मल पानी ही पीएं।

बीमारी में नो योग

जिन लोगों को जोड़ों, कमर, घुटनों में अधिक दर्द है तो डॉक्टर की सलाह पर ही योग करना चाहिए। साथ ही योगसन करने के दौरान बाथरूम नहीं जाना चाहिए बल्कि अपने शरीर का पानी पसीने के जरिए बाहर निकलना चाहिए।

गलत पोज न करें

योग का फायदा तभी होगा जब आप इसे सही तरीके से करेंगे। यदि आप गलत आसन में बैठते हैं तो इससे कमर दर्द, घुटनों में तकलीफ या मसल्स में खिंचाव हो सकता है। इसलिए योग करने से पहले ट्रेनर से सलाह ज़रूर लें।

तुरंत बाद न नहाएं : योग करने के तुरंत बाद न नहाने की गलती न करें, क्योंकि शरीर गर्म रहता है। तुरंत नहाने से सर्दी-जुकाम, बदन दर्द जैसी समस्या हो सकती है। इसलिए योग करने के एक घंटे बाद ही नहाएं।

खाने के बाद न करें योग

खाना खाने के तुरंत बाद कभी योग नहीं करना चाहिए। भोजन और योग में कुछ घंटों का अंतराल होना चाहिए। खाने के करीब 3 घंटे बाद योगासन करना ठीक होता है। वैसे सुबह के समय खाली पेट भी कुछ हल्के फुल्के योग किए जा सकते हैं। खाना खाने के बाद आप सिर्फ वज्रासन कर सकते हैं कुछ देर के लिए। गर्भवती महिलाओं को इस अवस्था में योग के सारे आसन नहीं करने चाहिए। वह गर्भावस्था के लिए अलग से हल्के फुल्के बताए गए योग ही करें जिससे शरीर को आराम मिलेगा और बच्चे को भी नुकसान नहीं पहुंचेगा। योग हमेशा एकांत करना चाहिए इससे ध्यान केंद्रित करने में आसानी होगी। तेज म्यूजिक और हंसी मजाक के माहौल में किया गया योग फायदेमंद नहीं होता।

छिंदवाड़ा ट्रायबल ऑफिस की लेखापाल ले रही थी 25 हजार रुपए की रिश्वत

छिंदवाड़ा आदिवासी विभाग में लोकायुक्त टीम में आज एक बड़ी कार्रवाई करते हुए महिला अकाउंटेंट को 25000 रूपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। दरअसल आदिवासी विकास विभाग में पदस्थ एकाउंटेंट संगीता झाड़े आज एक प्रकरण में जन्म तिथि बदलवाने के लिए एक प्रकरण में 25 हजार रूपये की रिश्वत ले रही थी जिसकी शिकायत पर आज लोकायुक्त की टीम ने दबिश देकर 25 हजार रूपये लेते हुए उन्हें गिरफ्तार किया।

लोकायुक्त निरीक्षक स्वनिल दास के अनुसार आवेदक नीलेश सूर्यवंशी पिता गंगाराम सूर्यवंशी उम्र 32 वर्ष निवासी लहगडुआ ने लोकायुक्त में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके पिता शिक्षक है जिनकी सेवा पुस्तिका में वास्तविक जन्म तिथि सुधार करने के एवज में आरोपी महिला अकाउंटेंट ने कुल 80 हजार रूपये की रिश्वत मांगी थी। लोकायुक्त टीम ने रणनीति के तहत आज जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय में दबिश दी तथा

25 हजार की रिश्वत लेते हुए लोकायुक्त पुलिस ने महिला अकाउंटेंट संगीता झाड़े को रंगे हाथ पकड़ा।

जनजातीय कार्य विभाग में आवेदक के पिता गंगा राम सूर्यवंशी आदिवासी बालक छात्रावास में चपरासी के पद पर पदस्थ थे जिनका त्रुटि वाली सेवा पुस्तिका के हिसाब से जून 2022 में रिटायरमेंट होना था लेकिन वास्तव में उनका रिटायरमेंट 2साल बाद होना चाहिए था इसलिए इसको सुधरवाने के लिए प्रार्थी से लेखापाल ने रिश्वत मांगी थी। आज छिंदवाड़ा कलेक्ट्रेट में लोकायुक्त जबलपुर टीम ने आदिम जाति कल्याण विभाग छिंदवाड़ा में पदस्थ लेखापाल संगीता झाड़े को 25 हजार रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा। इस कार्रवाई में लोकायुक्त के 3 निरीक्षक 5 कांस्टेबल में शामिल रहे इनमें प्रभारी निरीक्षक स्वप्निल दास, निरी , मंजू किरण तिर्की, निरी ,भूपेंद्र दीवान, आरक्षक जुवेद खान, अतुल श्रीवास्तव, विजय बिष्ट, लक्ष्मी रजक, सुरेंद्र राजपूत थे।

नीट पीजी काउंसिलिंग : सीट छोड़ने का ऑप्शन खत्म, लगेगी 30 लाख पैनाल्टी

एमपी के मेडिकल कॉलेजों में पीजी सीटों के लिए चल रही काउंसिलिंग आखिरी दौर में हैं। कल शनिवार को सेकंड राउंड की सीटों का अलॉटमेंट हो जाएगा। इस राउंड में कैंडिडेट्स के पास सीट छोड़ने का ऑप्शन नहीं होगा। सेकंड राउंड में कैंडिडेट्स पर सीट लिविंग बॉन्ड का नियम लागू रहेगा। फर्स्ट राउंड में सीट अलॉट होने के बाद जिन कैंडिडेट्स ने अपग्रेडेशन का ऑप्शन लेने वाले कैंडिडेट्स को सीट अपग्रेड न होने पर पहले चरण में आवंटित सीट पर ही दाखिला लेना होगा। समयसीमा गुजरने के बाद सीट छोड़ने पर बॉन्ड नियम के तहत निजी मेडिकल कॉलेज की पांच साल की फीस के बराबर करीब 30 लाख तक जुर्माना अदा करना होगा।

सेकंड राउंड की काउंसलिंग में अनिवार्य ग्रामीण सेवा बंधपत्र (बॉन्ड) के नियम भी लागू होंगे। इसके तहत अभ्यर्थी को अपनी तीन साल की पढ़ाई पूरी करने के बाद पांच साल तक ग्रामीण क्षेत्र के सरकारी अस्पताल में सेवा देना होगी। यदि ऐसा नहीं करते हैं तो फि र 50 लाख रुपए का जुर्माना सरकार के पास जमा करना होगा। मालूम हो कि पिछले दो वर्षों में सरकार ने बॉन्ड नियमों का उल्लंघन के मामलों में सख्ती दिखाई है। जिन छात्रों ने बांड का उल्लंघन किया है उनसे जुर्माने की राशि सख्ती से वसूली गई है। मप्र मेडिकल काउंसिल बीते दो दशकों में पासआउट हुए डॉक्टरों से बॉन्ड की राशि के तौर पर करीब 70 करोड़ की वसूली कर चुका है।

माता वैष्णोदेवी जाने वालों को सुविधा

इंडिगो शुरू कर रहा इंदौर से जम्मू सीधी उड़ान, हफ्ते में चार दिन रहेगी फ्लाइट

इंदौर। इंदौर से वैष्णो देवी की यात्रा पर जाने वालों के लिए अच्छी खबर है। इंडिगो एयरलाइंस इंदौर से जम्मू की सीधी उड़ान शुरू करने जा रहा है। यह उड़ान हफ्ते में चार दिन रहेगी। फ्लाइट शुरू होने से जम्मू और वैष्णो देवी जाने वाले यात्रियों को काफी फायदा मिलेगा। संभावना जताई जा रही है कि फ्लाइट 28 मार्च से शुरू हो सकती है। जल्द ही इसकी बुकिंग शुरू होगी। काफी वक्त से इस फ्लाइट के लिए डिमांड आ रही थी।

इंदौर से जम्मू की यह फ्लाइट हफ्ते में चार दिन यानी सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और शनिवार को चलेगी। यह फ्लाइट सुबह 10.10 बजे इंदौर से रवाना होगी और दोपहर 12.10 बजे जम्मू पहुंचेगी। इसी प्रकार फ्लाइट जम्मू से दोपहर 12.40 बजे उड़ान भरेगी और 2.45 बजे इंदौर पहुंचेगी। इंदौर से जम्मू की सीधी उड़ान नहीं होने के कारण वैष्णो देवी की यात्रा पर जाने वाले यात्रियों को पहले दिल्ली और फिर वहां से जम्मू जाना पड़ता था। कई बार फ्लाइट की टिकट मिलने में भी दिक्कतें आती थी। इसके अलावा यात्री ट्रेन से जाते हैं। सीधी फ्लाइट शुरु होने से यात्रियों का समय भी बचेगा। ट्रेवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष हेमेंद्र सिंह जादौन के मुताबिक इंदौर से जम्मू की सीधी उड़ान के

लिए काफी वक्त से डिमांड आ रही थी। यह फ्लाइट शुरू होने से यात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी। जल्द ही इसकी बुकिंग शुरू हो सकती है। उम्मीद जताई जा रही है कि कोविड का असर कम होने से एयरपोर्ट पर यात्रियों की संख्या फिर से बढ़ेगी। क्योंकि कोविड की वजह से कई फ्लाइट पर असर देखने को मिला है। यात्रियों की संख्या में आई कमी के वजह से कई फ्लाइट निरस्त भी हो चुकी है।

मार्च से 90 से ज्यादा हो सकती हैं फ्लाइट, 2 नए रूट भी जुड़ेंगे- जम्मू, विशाखापट्टनम

कोरोना की तीसरी लहर का असर कम होने के बाद अब दोबारा फ्लाइट संख्या बढ़ सकती है। यदि सब ठीक रहा तो मार्च तक न सिर्फ यात्री संख्या पहले की तरह सामान्य हो जाएगी, वहीं फ्लाइट भी 90 से ज्यादा हो सकती हैं। इस बार दो नए रूट भी जुड़ेंगे। इंदौर से जम्मू के लिए तो इंडिगो एयरलाइंस 28 मार्च से सीधी फ्लाइट की घोषणा कर चुकी है।

साथ ही विशाखापट्टनम के लिए भी सीधी फ्लाइट शुरू हो सकती है। प्रस्तावित समर शेड्यूल में फिलहाल 90 से ज्यादा फ्लाइट शामिल हैं। इस मामले में एयरपोर्ट प्रबंधन का कहना है कि मार्च तक फ्लाइट की आवाजाही भी सामान्य हो जाएगी। नए समर शेड्यूल में नई फ्लाइट भी शामिल होंगी। **दिल्ली, मुंबई और गोवा समेत 10 से ज्यादा शहरों के लिए चालू है फ्लाइट** : इंदौर एयरपोर्ट से फिलहाल 44 फ्लाइट का संचालन हो रहा है। इनमें दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरू सहित अन्य रूट शामिल हैं। अब मार्च अंत तक पुरानी बंद हुई फ्लाइट का संचालन दोबारा शुरू होगा। वहीं नई फ्लाइट भी शुरू होंगी। कोरोना से पहले इंदौर से रोजाना 96 से ज्यादा फ्लाइट का संचालन होता था। हालांकि कोरोना के कारण फ्लाइट संख्या लगातार घटी। कम बुकिंग के कारण जनवरी में 531 फ्लाइट निरस्त

हुईं। इसमें भी जनवरी के आखिरी के 10 दिनों में सबसे ज्यादा फ्लाइट निरस्त रही। हालांकि अब धीरे-धीरे यात्री संख्या बढ़ रही है।

इन रूट पर फ्लाइट चल रही, सबसे ज्यादा दिल्ली, मुंबई की: इंदौर से मुंबई, दिल्ली, रायपुर, बेंगलुरू, नागपुर, गोवा, ग्वालियर, अहमदाबाद, हैदराबाद, कोलकाता आदि शहरों के लिए फ्लाइट चल रही है। इनमें भी सबसे ज्यादा दिल्ली (4), मुंबई (3) के लिए सर्वाधिक फ्लाइट है।

जरूर रखें गुरुवार व्रत

भाग्य साथ नहीं दे रहा है या कोई भी समस्या चल रही है गुरुवार का व्रत रखने से सभी परेशानियों से छुटकारा मिलता है और भाग्योदय भी होता है। मान्यता है गुरुवार को व्रत रखने से शारीरिक कष्ट दूर होते हैं। गुरुवार का व्रत रखने से सभी परेशानियों से छुटकारा मिलता है और भाग्योदय भी होता है।

सनातन धर्म में हफ्ते के हर दिन को धार्मिक रूप से जोड़ा गया है। प्रत्येक दिन किसी न किसी देवी देवता को समर्पित है। गुरुवार का दिन भी कई मायनों में बहुत खास है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गुरुवार का दिन विष्णु भगवान का होता है। विष्णु भगवान के आशीर्वाद से सभी तरह की परेशानियों से छुटकारा मिल जाता है। भाग्य साथ नहीं दे रहा है या कोई भी समस्या चल रही है ऐसे में गुरुवार का व्रत रखने से सभी परेशानियों से छुटकारा मिलता है और भाग्योदय भी होता है। मान्यता है गुरुवार को व्रत रखने से शारीरिक कष्ट दूर होते हैं। आइए जानते हैं गुरुवार के व्रत किन लोगों को रखना चाहिए।

गुरुवार का व्रत

- जिन लोगों की कुंडली में गुरु गृह कमजोर स्थिति में है, उनको गुरुवार का व्रत रखना चाहिए। व्रत रखने से गुरु की स्थिति मजबूत होती है। और साथ ही जीवन में सफलता मिलती है।
- इसके अतिरिक्त धनु या मीन राशि के जातक यदि यह व्रत रखते हैं तो उनको इसका लाभ प्राप्त होगा। वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा ।
- यदि किसी की शादी में बाधा आ रही है, उन्हें गुरुवार का व्रत अवश्य रखना चाहिए। ऐसा करने से शीघ्र ही विवाह होता है वैवाहिक जीवन सुखद बीतता है।
- जो जातक जीवन के हर क्षेत्र में बार-बार असफल हो रहे हों तो गुरुवार का व्रत रखें। जातक गुरुवार के कम से कम 11 गुरुवार का व्रत अवश्य रखें। इससे आपको सफलता अवश्य मिलेगी।
- जो जातक अपनी बुरी आदत छोड़ना चाहते हैं यदि वह गुरुवार का व्रत रखेंगे तो जल्द ही अपने व्यसनों से छुटकारा पा लेंगे।

गुरुवार के उपाय

- गुरुवार के दिन व्रत के साथ यदि ये उपाय किए जाएं तो किस्मत चमक सकती है। आइए जानते हैं क्या हैं वो उपाय-
- गुरुवार के दिन पीले वस्त्र धारण करने चाहिए। भगवान विष्णु को पीला रंग प्रिय है।इससे भगवान विष्णु की कृपा होती है।
- गुरुवार के दिन बाल नहीं धोने चाहिए, न ही इस दिन शैम्पू का प्रयोग करना चाहिए।
- गुरुवार के दिन किसी काली गाय को पीले लड्डू खिलाना चाहिए इससे आपका रुका हुआ धन मिल जाता है।
- गुरुवार के दिन नहाने के पानी में सात चुटकी हल्दी मिलाकर नहाना चाहिए। इससे सारें बिगड़ते हुए काम बन जाते हैं। कार्य में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं।
- गुरुवार की पूजा में चने की दाल का प्रयोग किया जाता है इसलिए इस दिन चने की दाल का दान करना भी शुभ रहता है। इससे धन से संबंधित परेशानियां दूर होती हैं साथी ही मानसिक शांति का अनुभव भी होता है।

शनिवार को करें यह उपाय, दूर हो जाएगा आपका दुर्भाग्य...

शनिवार का दिन शनि देव को समर्पित माना जाता है। कहा जाता है कि शनि ग्रह जातक के जीवन पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह के प्रभाव डाल सकता है। शनि एक ऐसा ग्रह है जो आपकी किस्मत को चमकाकर आपको राजा बना सकता है और आपको बर्बाद करके राजा से रंक भी बना सकता है। साथ ही शनि देव के प्रकोप से जातकों के जीवन में नौकरी और व्यापार से संबंधित कई तरह की परेशानियां आती रहती हैं। इन परेशानियों के निवारण के लिए शास्त्रों में शनिवार के दिन शनि देव की विशेष पूजा तथा कुछ उपाय करना लाभदायक बताया गया है। कहा जाता है कि कर्मफल दाता शनि देव को प्रसन्न करने से जातकों के जीवन में आ रही नौकरी और व्यापार से संबंधित परेशानियां दूर हो जाती हैं।

हनुमान जी की आराधनाः मान्यताओं के अनुसार शनिदेव ने हनुमान जी को ये वचन दिया था कि वे कभी भी उनके भक्तों को परेशान नहीं करेंगे। इसलिए शनिवार के दिन हनुमान जी की पूजा करनी चाहिए। शनिवार के दिन उन्हें चोला चढ़ाएं, हनुमान चालीसा, सुंदरकांड आदि का पाठ करें।

पीपल की पूजाः पौराणिक कथाओं के अनुसार पीपल में 33 कोटि देवताओं का वास होता है। साथ ही कहा जाता है कि पीपल को भगवान श्रीकृष्ण ने अपना स्वरूप बताया है और शनिदेव भगवान श्रीकृष्ण के परम भक्त हैं। ऐसे में शनिवार के दिन पीपल की पूजा करने पर वे अत्यंत प्रसन्न होते हैं और भक्तों के कष्ट दूर करते हैं।

रुद्राक्ष धारण करेंः मान्यताओं के अनुसार अगर आपके जीवन में शनि की खराब स्थितियों की वजह से कुछ अच्छा नहीं हो रहा है, तो आप शनिवार के दिन सातमुखी रुद्राक्ष को गंगाजल से धोकर धारण करें। कुछ ही दिनों में इसके शुभ प्रभाव मिलने लगेंगे और आपकी सारी समस्याएं दूर हो जाएंगी।

शक्ति के इस पावन धाम पर पांडवों को मिला था मां कालका से

विजय का आशीर्वाद...

मां कालका के पावन धाम के बारे में मान्यता है कि यहां पर दर्शन एवं पूजन करने वाला व्यक्ति कभी खाली हाथ नहीं जाता है। माता के जिस मंदिर में कभी पांडवों ने विजय का आशीर्वाद प्राप्त किया था, उससे जुड़े सभी राज जानने के लिए पढ़ें ये लेख।

जनता से रिश्ता वेबडेस्क। देश की राजधानी दिल्ली में स्थित मां कालका जी का पावन धाम, जहां प्रतिदिन शक्ति के साधकों का तांता लगा रहता है। महाभारत काल में माता के इसी सिद्धपीठ में कभी पांडवों ने आद्याशक्ति मां काली की पूजा की थी और युद्ध में विजयी होने का वर प्राप्त किया था। मान्यता है कि युद्ध समाप्त होने पर उन्होंने पांचों पांडवों ने देवी के इस धाम पर आकर भगवती की आराधना की।

कालका जी मंदिर का वास्तु

माता के इस मंदिर में कुल बारह द्वार हैं जो द्वादश आदित्यों और बारह महीनों का संकेत देते हैं। इस मंदिर के बारह द्वार इसी आधार पर बने हैं। बाहर परिक्रमा में छत्तीस द्वार हैं, जो मातृकाताओं के द्योतक हैं। हर द्वार के सम्मुख तीन द्वार मां भगवती के त्रिगुणात्मक स्वरूप सत्व, रज, तम का भी परिचय देते हैं। मंदिर के द्वार के सामने दो सिंह प्रतिमाएं स्थापित हैं। आगे यज्ञशाला बनी है, जहां समय – समय पर शक्ति के साधक यज्ञ करते हैं। भवन के भीतरी हिस्से में बने भित्ति चित्र काफी आकर्षक हैं। जिनको देखकर मंदिर की भव्यता का अनुमान सहज ही होता है।

कभी गाय कराती थी माता की पिंडी को स्नान

मंदिर के बारे में मान्यता यह भी है कि पहाड़ी इलाका होने के कारण यहां पर गाय आदि जानवर चरने के लिए आया करते थे. लेकिन एक गाय आश्चर्यजनक रूप से एक विशेष स्थान यानी माता की पिंडी के ऊपर आकर दूध से स्नान कराया करती थी. जब लोगों को पता चला तो लोगों ने इस सिद्धपीठ की पूजा अर्चना प्रारंभ कर दी।

सूर्यग्रहण में भी खुला रहता है: सिद्धपीठ कालकाजी मंदिर के सभी कपाट उनके भक्तों के दर्शनों के लिए खुले रहते हैं।सूर्यकूट पर्वत पर विराजमान इस मंदिर के कपाट ग्रहण के दौरान भी बंद नहीं किए जाते हैं। मान्यता है कि कालका देवी कालचक्र स्वामिनी हैं और संपूर्ण ग्रह नक्षत्र इन्हीं से शक्ति पाकर गतिमान होते हैं। ऐसे में ग्रहण के समय इस मंदिर में पूजा-अर्चना का विशेष महत्व होता है। मंदिर में अखंड ज्योति प्रज्वलित है। रात्रि के समय मां कालिका के लिए भक्त सुंदर शैया को सजाकर मंदिर में रखते हैं। भक्तों की मान्यता है कि भगवती नित्य छोटी बालिका के रूप में आकर रात्रि विश्राम करती हैं।नवरात्रि में दूर-दूर से भक्तगण यहां पर दर्शनों के लिए आते हैं। मान्यता है कि माता के दर्शन करने वाला कोई व्यक्ति यहां से खाली हाथ नहीं जाता है। माता सभी की मुरादें जरूर पूरी करती हैं।

खाली पेट चाय पीना कितना नुकसान दायक?

आपने भी कई ऐसे लोगों को देखा होगा जिनके दिन की शुरुआत बिना चाय के नहीं होती है। इतना ही नहीं कुछ लोगों को तो आंख खुलते ही बेड पर चाय चाहिए होती है। आपकी यह आदत नींद भगाने में तो मदद कर सकती है, पर क्या आप जानते हैं कि सेहत के लिहाज से विशेषज्ञ इसे बहुत ही नुकसानदायक मानते हैं। खाली पेट चाय पीना कई तरह की बीमारियों का कारण बन सकता है। अध्ययनों से पता चलता है कि चाय और कॉफी में प्रकृतिक रूप से अम्लीयता होती है, ऐसे में खाली पेट इनका सेवन करने से एसिड का बेसिक संतुलन बिगड़ सकता है, जिसके कारण एसिडिटी या अपच की समस्या हो सकती है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि चाय में थियोफिलाइन नामक एक यौगिक भी होता है, जिसका निर्जलीकरण प्रभाव होता है और यह कब्ज को भी बढ़ा देता है। इसके अलावा बिना मुंह की साफ-सफाई किए चाय पीने की आदत के चलते बैक्टीरिया, मुंह में शुगर का ब्रेक डाउन कर सकते हैं जिससे मुंह में एसिड का स्तर बढ़ जाता है दांतों के इनेमल का क्षरण हो सकता है। अगर आपकी भी सुबह खाली पेट चाय-कॉफी पीने की आदत है तो इसमें तुरंत सुधार कर लें। इससे सेहत को कई तरह के नुकसान हो सकते हैं, आइए आगे की स्लाइडों में इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

खाली पेट चाय के क्या नुकसान है?

- स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक रोजाना खाली पेट चाय-कॉफी पीना कई तरह से आपकी सेहत पर नकारात्मक असर डाल सकता है।
- सुबह सबसे पहले चाय पीने से आपका एसिड और क्षारीय संतुलन बिगड़ सकता है।
- चाय में थियोफिलाइन नामक एक रसायन होता है, जो मल पर निर्जलीकरण प्रभाव डाल सकता है और कब्ज पैदा कर सकता है।
- सुबह सबसे पहले चाय पीने से अन्य पोषक तत्वों का अवशोषण बाधित हो सकता है।

इस कारण भी हो सकती है हाथ-पैर में खुजली...

मौसम बदलने, त्वचा में पर्याप्त नमी की कमी या मच्छर आदि के काटने पर कभी-कभार हाथ या पैरों में खुलजी होना एक आम स्थिति है लेकिन अगर यह खुजली निरंतर जारी रहे और इसकी वजह से त्वचा मुश्किल में पड़ने लगे तो इस तरफ ध्यान देना जरूरी हो जाता है। इस खुजली के पीछे सामान्य एलर्जी से लेकर सोरायसिस और डायबिटीज जैसी स्थितियां भी हो सकती हैं। समय पर कारण जानकर यदि उपचार ले लिया जाए तो समस्या को नियंत्रित भी किया जा सकता है और खुजली से राहत भी मिल सकती है। खुजली होने पर त्वचा का लाल हो जाना, खरोंचे पड़ना या फुंसी सी उभर आना भी एक आम बात है। कई बार त्वचा से पपड़ी सी भी निकलने लगती है। लेकिन यदि यह खुजली किसी अन्य शारीरिक स्थिति की वजह से हो रही है तो त्वचा पर पड़ने वाली लाली, फुंसी और खरोंचे बनी रह सकती है। इसका असर केवल त्वचा पर नहीं शरीर के भीतरी हिस्से पर भी पड़ सकता है, इसलिए जरूरी है कि खुजली के लगातार बने रहने पर डॉक्टर से परामर्श लिया जाए। आइए आगे की स्लाइडों में जानते हैं कि किन बीमारियों के कारण खुजली की दिक्कत बढ़ सकती है?

डायबिटीज का संकेत...

रक्त में शर्करा के स्तर का बढ़ जाना डायबिटीज का कारण बनता है, और इस समस्या के कारण त्वचा से संबंधित कई दिक्कतें हो सकती हैं। डायबिटीज के कारण जेंथोमेटोसिस जैसी तकलीफ भी हो सकती है जिसमें हाथ-पैरों में खुजली के साथ ही पीले रंग की फुंसियां या उभार जैसे लक्षण दिख सकते हैं। डायबिटीज को नियंत्रित रखकर इन दिक्कतों से छुटकारा पाया जा सकता है।

खुलजी के क्या कारण होते हैं?

त्वचा की कोशिकाओं के बहुत तेजी से बढ़ने और एक के ऊपर एक इकट्ठी होने लगने की स्थिति सोरायसिस का कारण बन सकती है। हथेलियों और तलवों में खुजली इसका एक लक्षण हो सकती है। इसके साथ ही त्वचा का लाल होना, पपड़ी जमना, जोड़ों में दर्द, अकड़न और सूजन, शरीर में अन्य जगहों पर सूजन होना आदि भी इसके लक्षण हो सकते हैं। एक्जिमा की वजह से भी खुजली पैदा हो सकती है। एक्जीमा असल में कई सारी स्थितियों का एक समूह है। इसमें खुजली के अलावा छाले, लाल दरारों वाली या पपड़ीदार चमड़ी भी बन सकती है।

इन कारणों के बारे में भी जानिए

एलर्जीः कपड़ों से लेकर किसी प्रकार के कैमिकल के सम्पर्क में आने, परफ्यूम या इत्र लगाने, किसी धातु के गहने पहनने या किसी बाहरी कण के सम्पर्क में आने से एलर्जी की समस्या हो सकती है। इसके कारण हाथ-पैरों में खुजली, जलन, रैशेज और फफोले दिख सकते हैं। सामान्यतौर पर इसके लक्षण कुछ ही समय में ठीक भी हो जाते हैं।

फटे होंठ से लेकर कमजोर हड्डियों तक...

विटामिन्स की कमी से शरीर में हो सकते हैं ये संकेत...

शरीर के स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए सभी लोगों को रोजाना पौष्टिक आहार के सेवन की सलाह दी जाती है। इन आहार की मदद से शरीर को दैनिक रूप से आवश्यक पोषक तत्वों की प्राप्ति हो जाती है। विटामिन्स, प्रोटीन, खनिज जैसे पोषक तत्व शरीर के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य करते हैं, ऐसे में इनकी कमी के कारण आपका स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। पर यह कैसे पता किया जाए कि शरीर में पोषक तत्वों की कमी है? स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक शरीर में न्यूट्रिएंट्स की कमी के कारण कई तरह के लक्षण नजर आ सकते हैं, इसमें कई लक्षण तो ऐसे भी होते हैं जिन्हें हम देखते तो हैं लेकिन आमतौर पर नजरअंदाज कर देते हैं।

अध्ययनों से पता चलता है कि फटे होंठों से लेकर कमजोर हड्डियों तक, शरीर हमें विटामिन्स की कमी के कारण कई तरह की दिक्कतें हो सकती हैं। विटामिन-डी की कमी के कारण दांतों और हड्डियों में कमजोरी वहीं विटामिन बी और विटामिन सी के कारण फटे होंठ और मसूड़ों से खून आने जैसी दिक्कतें महसूस हो सकती हैं। ऐसे ही एड़ियों के फटने को शरीर में नमी की कमी का कारण माना जाता है, पर यह विटामिन की कमी का भी संकेत हो सकते हैं। आइए आगे की स्लाइडों में जानते हैं कि किन विटामिन्स की कमी के कारण किस प्रकार के लक्षणों का अनुभव हो सकता है, जिसपर समय रहते ध्यान देने की आवश्यकता है।

विटामिन-सी की कमी

कोरोना के इस दौर में विटामिन-सी काफी चर्चा में रहा, आमतौर पर इसे इम्युनिटी से जोड़कर देखा जाता है, पर क्या आप इसकी कमी से संबंधित लक्षणों के बारे में जानते हैं? बेहतर इम्युनिटी के साथ मसूड़े और त्वचा के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए भी विटामिन-सी की आवश्यकता होती है। इस विटामिन की कमी के कारण स्कर्वी नामक बीमारी हो सकती है जिसके चलते मसूड़ों से खून आना और बालों के रोम के आसपास रक्तस्राव जैसी दिक्कत हो सकती है। बालों का झड़ना, थकान और एनीमिया की भी समस्या इस विटामिन की कमी का संकेत माना जाता है।

विटामिन-ई की कमी को पहचानें

विटामिन-ई प्रतिरक्षा प्रणाली, कोशिकाओं और रक्त परिसंचरण को सुचारू बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। त्वचा की सुंदरता के लिए भी इस विटामिन को काफी आवश्यक माना जाता है। शरीर में विटामिन-ई की कमी के कारण मांसपेशियों में कमजोरी, संवेदना कम महसूस होने और त्वचा में शुष्की और झुर्रियों की दिक्कत भी हो सकती है। त्वचा संबंधी ज्यादातर समस्याओं का इसे मुख्य कारण माना जाता है।

आहार का रखें विशेष ध्यान

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक विभिन्न प्रकार के विटामिन्स और खनिजों की पूर्ति के लिए पौष्टिक आहार का सेवन सुनिश्चित करें। प्राकृतिक रूप से पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों में फल और सब्जियां खाना इसमें आपके लिए काफी मददगार माने जाते हैं। लीन मीट, मछली, साबुत अनाज, डेयरी, फलियां, नट्स और सीड्स भी पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। स्वस्थ शरीर के लिए आहार का संतुलित रहना बहुत आवश्यक माना जाता है।

जीभ लाल होने की समस्या

त्वचा और दिमाग के स्वास्थ्य के लिए विटामिन बी3 बेहद जरूरी है। विटामिन बी-3 को नियासिन के रूप में भी जाना जाता है। शरीर में इस विटामिन की कमी होने के चलते आपको याददाश्त में कमी, बार-बार दस्त होने, जीभ के लाल बने रहने जैसी दिक्कत हो सकती है। इसकी कमी के कारण प्रकाश के संपर्क में आने वाले हिस्सों की चमड़ी का लाल होना भी इस विटामिन की कमी की ओर संकेत माना जाता है।

मेकअप के साथ सोने की न करें भूल...

जो महिलाएं मेकअप लगाकर ही सोती हैं, उनकी स्किन बेहद रूखी और बेजान हो जाती है। दरअसल, मेकअप आपकी स्किन की प्राकृतिक नमी को सोख लेता है, जिससे आपकी स्किन व होंठ बेजान नजर आने लगते हैं। इतना ही नहीं, जो महिलाएं रात में मेकअप रिमूव नहीं करतीं, वह समय से पहले ही बूढ़ी नजर आने लगती हैं। अक्सर ऐसा होता है कि जब आप शाम को ऑफिस या किसी पार्टी से वापिस लौटती हैं तो इतना थक चुकी होती है कि मेकअप उतारने का मन ही नही करता और मेकअप रिमूव किए बिना ही सो जाती हैं। वैसे तो यह हम सभी जानते हैं कि रात को सोने से पहले मेकअप उतारना बेहद आवश्यक है, लेकिन कुछ महिलाएं थकान और आलस के कारण ऐसा नहीं करतीं। अगर आपका नाम भी ऐसी ही महिलाओं की लिस्ट में शामिल है तो हम आपको बता दें कि आप अपनी स्किन के साथ खिलवाड़ कर रही हैं। रात को मेकअप के साथ सोने से आपकी स्किन को काफी नुकसान होता है।

रूखी स्किन

जो महिलाएं मेकअप लगाकर ही सोती हैं, उनकी स्किन बेहद रूखी और बेजान हो जाती है। दरअसल, मेकअप आपकी स्किन की प्राकृतिक नमी को सोख लेता है, जिससे आपकी स्किन व होंठ बेजान नजर आने लगते हैं। इतना ही नहीं, जो महिलाएं रात में मेकअप रिमूव नहीं करतीं, वह समय से पहले ही बूढ़ी नजर आने लगती हैं।

आंखों का संक्रमण

अगर आप रात में आईमेकअप नहीं हटातीं तो इससे आंखों में डाईनेस, रेडनेस, खुजली यहां तक कि इंफेक्शन होने का खतरा भी काफी हद तक बढ़ जाता है। दरअसल, सोते समय मेकअप कई बार आप अपनी आंख मसलती हैं या फिर मेकअप के कुछ पाट्र्स आंखों में चले जाते हैं और उनमें मौजूद केमिकल्स से आंखों को नुकसान पहुंचता है। ऐसे में आंखों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि रात में सोने से पहले आई मेकअप रिमूव किया जाए।

पिंपल्स की समस्या

अगर आप अपने चेहरे पर होने वाले कील-मुंहासों से परेशान हैं तो हम आपको बता दें कि इसके पीछे एक कारण रात में मेकअप रिमूव न करना भी है। वास्तव में, जब आप रात में सोने से पहले मेकअप नहीं उतारतीं तो उससे आपकी स्किन के पोर्स ब्लॉक हो जाते हैं और फिर स्किन में कई तरह की समस्याएं होती हैं। इतना ही नहीं, रात के समय स्किन रिपेयर मोड में होती है और अगर उस समय चेहरे पर मेकअप होता है तो इससे आपकी स्किन हेल्दी नहीं हो पाती और आपकी स्किन बेजान तो नजर आती है ही, साथ ही दाग-धब्बों व पिंपल्स आदि की परेशानी भी शुरू हो जाती है।

तन की बदबू...

दूर करने के लिए ऐसे करें सही परफ्यूम का चुनाव

गर्मी के मौसम में पसीना आना स्वाभाविक है। अहम बात तो ये है कि पसीने से होने वाले इंफेक्शन और (बॉडी ओडोर) दुर्गंध के लिए आप क्या करते हैं। हालांकि पसीने से आने वाली दुर्गंध को दूर करने के कई उपाय हैं जैसे दो बार नहाएं, अच्छा बॉडी वाश इस्तेमाल करें, खूब सारा पानी पिएं। इसके बावजूद भी कई लोगों के शरीर से दुर्गंध आती है। हर व्यक्ति को ऐसे परफ्यूम कि जरुरत होती है जिसकी खुशबू देर तक टिकी रहे और उससे तरोताजा महसूस हो। अक्सर लोग परफ्यूम का चुनाव करने में कई गलतियां करते हैं तो जानें कैसे आप इसका सही चुनाव कर सकते हैं। परफ्यूम खरीदते वक्त आपको काफी चीजों का ध्यान रखना होगा। सस्ते और घटिया परफ्यूम से त्वचा को नुकसान हो सकता है। अगर आप किसी ब्रांड का परफ्यूम इस्तेमाल कर रहें हैं, तो अच्छा है क्योंकि बार-बार ब्रांड बदलने से त्वचा में एलर्जी होने का खतरा होता है। परफ्यूम खरीदते वक्त देखें कि किसी परफ्यूम में एसिड की मात्रा ज्यादा तो नहीं है, क्योंकि इससे खुजली और रैशेस की समस्या हो सकती है। परफ्यूम सही है या नहीं इसका पता लगाने के लिए जब भी आप परफ्यूम खरीदने जाएं तो सबसे पहले उसे अपनी कलाई पर लगा के देख लें। अगर दस मिनट तक कोई खुजली या दाग नहीं पड़ता तो यह आपकी स्किन के लिए सही है। ज्यादातर प्राकृतिक खुशबू वाले परफ्यूम बेहतर साबित होते हैं और खुशबू की जांच करने के लिए एसी से बाहर आकर देखें क्योंकि एसी का असर परफ्यूम की खुशबू पर पड़ता है। बदलते मौसम में जैसे हमारा पहनावा बदल जाता है, वैसे ही हर मौसम और अवसर पर परफ्यूम का उपयोग भी बदल जाता है। परफ्यूम का सही चुनाव हमारे व्यक्तित्व के साथ जोड़ा जाता है इसलिए हर मौसम के मुताबिक ऐसा परपफ्यूम लें जो आपके त्वचा की देखभाल करे। गर्मियों में धूप और धूल ज्यादा होती है और पसीना भी ज्यादा आता है तो इस मौसम में आप ऐसे परफ्यूम चुनें जो गर्मी झेल सके। गर्मियों में तेज खुशबू से ज्यादा हल्की खुशबू वाले परफ्यूम अच्छे होते हैं क्योंकि तेज खुशबू वाले परफ्यूम से त्वचा पर जलन या एलर्जी हो सकती है।

कई औषधीय गुणों से भरपूर है पुदीना, लाए निखार...

पुदीने की चटनी खाने में स्वादिष्ट होने के साथ-साथ हमारे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद होती है। पुदीने में प्रचुर मात्रा में प्रोटीन होता है और इसमें वसा और कैलोरी की मात्रा काफी कम होती है। पुदीना विटामिन ए, सी और बी-कॉमप्लेक्स जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हैं। आपने भी कचौड़ी या पकौड़ों के साथ पुदीने की चटनी जरुरी खाई होगी। इसके स्वाद से मन तरोताजा हो जाता है। पुदीने की चटनी खाने में स्वादिष्ट होने के साथ-साथ हमारे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद होती है। पुदीने में प्रचुर मात्रा में प्रोटीन होता है और इसमें वसा और कैलोरी की मात्रा काफी कम होती है। पुदीना विटामिन ए, सी और बी-कॉमप्लेक्स जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हैं। पुदीने की पत्तियों के सेवन से इम्युनिटी बढ़ाती है और त्वचा भी निखरती है। पुदीने की पत्तियों में आयरन, पोटेशियम और मैंगनीज की अच्छी मात्रा होती है जो मस्तिष्क के कार्य को बढ़ावा देते हैं और हीमोग्लोबिन प्रोफाइल में सुधार करती हैं।

अपच से छुटकारा

पुदीने का सेवन हमारे पाचन तंत्र के लिए बहुत फायदेमंद होता है। पुदीने के पत्तों में एंटीसेप्टिक और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो पाचन तंत्र को सुचारु रूप से काम करने में मदद करे हैं। पुदीने की चटनी का सेवन करने से अपच और कब्ज जैसी पेट की संबंधी समस्याओं से राहत मिलती है।

खांसी-जुकाम में राहत

पुदीना हमारे श्वसन तंत्र को साफ करने के लिए भी फायदेमंद है। पुदीना हमारे नाक, गले और फेफड़ों की सफाई करके सभी हानिकारक पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। पुदीने में मौजूद एंटी- इंफ्लेमेटरी गुण खांसी और गले की जलन से राहत दिलाते हैं।

सिरदर्द ठीक में आराम

पुदीने के सेवन से सिरदर्द को ठीक करने में भी मदद मिलती है। पुदीना की तेज और ताज़ा महक से मूड फ्रेश होता है और सिरदर्द को कम करने में मदद मिलती है।

ओरल हेल्थ के लिए...

पुदीने की पत्तियों का सेवन हमारी ओरल हेल्थ के लिए भी बहुत फायदेमंद है। पुदीने की ताजा पत्तियों को चबाने से मुँह की बदबू से छुटकारा मिल सकता है। इसमें मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण मुंह के अंदर बैक्टीरिया के विकास को रोकता है। पुदीने की पत्तियों के सेवन से दाँतों पर जमा गंदगी दूर होती है और दाँत साफ होते हैं।

वेट लॉस में मददगार

वेट लॉस के लिए भी पुदीना की पत्तियों का सेवन फायदेमंद माना जाता है। पुदीने के सेवन से पाचन एंजाइम सक्रिय होता है, जो भोजन से पोषक तत्वों को बेहतर तरीके से अवशोषण में मदद करता है। पुदीने के सेवन से शरीर का मेटाबोलिज्म बेहतर होता है और वजन घटाने में मदद मिलती है।

पुदीने से सौंदर्य निखार

सेहत ही नहीं, त्वचा के लिए भी पुदीना बहुत फायदेमंद है। इसमें एंटीसेप्टिक गुण मौजूद होते हैं इसीलिए इसका इस्तेमाल बॉडी क्लींजर, सोप और फेश वॉश में किया जाता है। खासतौर पर ऑयली स्किन वालों के लिए पुदीना की पत्तियां बहुत कारगर हैं।

वैज्ञानिकों ने बताया सबसे आसान तरीका

बढ़ती उम्र की रफ्तार पर लगेगा ब्रेक, 50 की उम्र में भी दिखेंगे जवान...

जीवनशैली और आहार की खराब आदतें न सिर्फ कई तरह की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ा रही हैं, साथ ही इसके कारण लोग समय से पहले ही बुढ़ापे के शिकार भी होते जा रहे हैं। इसके अलावा पर्यावरण में बढ़ता प्रदूषण भी उम्र से पहले ही लोगों में बुढ़ापे के लक्षणों को बढ़ावा दे रहा है। अध्ययनों से पता चलता है कि व्यवहारिक और पर्यावरणीय कारकों के चलते लोगों की औसत उम्र भी कम होती जा रही है। तो क्या इससे बचाव किया जा सकता है? जी हां- वैज्ञानिकों ने अध्ययन के दौरान उस एक खास पेय का पता लगाया है जिसका सेवन करके आप बढ़ती उम्र की रफ्तार को कम कर सकते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि ग्रीन-टी का सेवन करना इस दिशा में आपके लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। इसमें कई तरह के एंटी-ऑक्सिडेंट और प्लांट कंपाउंड पाए जाते हैं जो न सिर्फ आपको लंबे समय तक स्वस्थ रखने में सहायक हैं साथ ही समय से पहले बुढ़ापे के लक्षणों को रोकने में भी सहायक हो सकते हैं। ग्रीन-टी का सेवन न सिर्फ आपको जवां बनाए रखने में सहायक है साथ ही इसके सेवन से सेहत को कई तरह के अन्य लाभ मिल सकते हैं। आइए आगे की स्लाइडों में इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

ग्रीन-टी को अध्ययनों में पाया गया लाभदायकः पबमेड सेंट्रल में प्रकाशित अध्ययन में वैज्ञानिकों ने बताया कि ग्रीन-टी कई तरह के स्वास्थ्य लाभ को समाहित किए हुए है। यह आपके लंबे जीवन के सपने को पूरा करने में भी मददगार हो सकती है। ग्रीन-टी को एंटीऑक्सिडेंट, विटामिन-सी और कई अन्य आवश्यक पोषक तत्वों का एक समृद्ध स्रोत माना जाता है तो त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने के साथ कई तरह की अन्य गंभीर बीमारियों के जोखिम को भी कम कर सकती है। डायबिटीज और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों में भी ग्रीन-टी के सेवन के लाभ के बारे में पता चलता है।

ग्रीन टी मोटापे पर नियंत्रित

अध्ययनों में ग्रीन-टी के सेवन के वजन कम करने वाले प्रभावों के बारे में भी पता चलता है। फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी ऑफ टेम्परेचर रेगुलेशन में प्रकाशित अध्ययन में वैज्ञानिकों ने बताया कि ग्रीन टी मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देकर वजन घटाने में सहायक हो सकती है। वजन के नियंत्रित रहने से कई तरह की गंभीर बीमारियों का जोखिम कम हो जाता है।

स्वस्थ रखने में सहायक

ग्रीन-टी के सेवन को शरीर के साथ मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक माना जाता है। ग्रीन टी कैफीन और एंटीऑक्सिडेंट का एक अच्छा स्रोत है जो मूड को बढ़ावा देने में सहायक है। न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों के विकास के जोखिम को कम करने के साथ ग्रीन-टी का सेवन करना मानसिक रोगों के खतरे से सुरक्षा देने में भी मददगार है।

दलिए की मदद से करें स्किन की केयर...

अंडे की सफेदी और दलिए की मदद से एक बेहतरीन फेस पैक बनाया जा सकता है। यह आपकी स्किन को अधिक यूथफुल व टाइटन बनाने में मदद करता है। इस फेस पैक को बनाने के लिए आप एक बाउल में दो बड़े चम्मच दलिया लें। आमतौर पर, लोग घरों में दलिए का सेवन करना पसंद करते हैं। कई पोषक तत्वों से युक्त दलिया या ओटमील सेहत के लिए बेहद ही गुणकारी माना गया है। हालांकि, यह जरूरी नहीं है कि ओटमील को आप सिर्फ अपनी डाइट का ही हिस्सा बनाएं। यह आपकी स्किन का ख्याल भी उतनी ही बेहतरीन तरीके से रख सकता है। भले ही आपकी स्किन ऑयली हो या रूखी, लेकिन फिर भी दलिए की मदद से कुछ फेस पैक बनाए जा सकते हैं और आप उसे अपनी स्किन पर इस्तेमाल कर सकते हैं। अंडे की सफेदी और दलिए की मदद से एक बेहतरीन फेस पैक बनाया जा सकता है। यह आपकी स्किन को अधिक यूथफुल व टाइटन बनाने में मदद करता है। इस फेस पैक को बनाने के लिए आप एक बाउल में दो बड़े चम्मच दलिया लें। अब इसमें एक अंडे का सफेद भाग डालें और अच्छी तरह से ब्लेंड करें। अब आप इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं।

आगरा में जन्मे फिल्म निर्देशक रवि टंडन माईथान से मुंबई तक...

शोहरत का छूते रहे फलक

फिल्म अभिनेत्री रवीना टंडन के पिता रवि टंडन का जन्म आगरा के माईथान में हुआ था। उन्होंने माईथान की गलियों से मुंबई तक शोहरत की ऊंचाई को छुआ। शुक्रवार को उनके निधन की खबर मिलते ही उनके कॉलेज के समय के दोस्तों की आंखें नम हो गईं। उन्होंने रवि टंडन से जुड़ी यादें साझा कीं।

आगरा के माइथान से मुंबई तक के छह दशक के सफर के पड़ाव में फिल्म निर्देशक और अभिनेत्री रवीना टंडन के पिता रवि टंडन के निधन की खबर ने ताजनगरी के लोगों की आंखें नम कर दीं। जैसे ही शहर को शुक्रवार की सुबह यह दुखद समाचार मिला, तो उनके दशकों पुराने दोस्त, रिश्तेदार पुराने ख्यालों में खो गए। किसी ने कहा हंसमुख इंसान हमें छोड़कर चला गया, तो किसी ने कहा कि रवि मेरे दिल में हमेशा जिंदा रहेगा।

1960 से पहले माइथान में रहने वाले फिल्म निर्देशक रवि टंडन की माइथान की गलियों में बल्लेबाजी की याद किसी को रुला गई, तो छात्र जीवन में उनके सखा रहे उनकी बातें कर भावुक हो उठे। इतना ही नहीं। मोहल्ले में घर के पास रहने वाले उनके दोस्त को माइथान की गली में क्रिकेट खेलना याद आ गया।

फिल्म निदेशक रवि टंडन के साथ आगरा कॉलेज में पढ़ने वाले एसजी टंडन बताते हैं कि रवि काफी मस्त रहता था। टंडन बताते हैं कि आगरा कॉलेज में होने वाले किसी भी कार्यक्रम में रवि टंडन रंगमंच पर प्रस्तुति देकर कई बार छात्र-छात्राओं का दिल जीत चुके थे।

उनका कहना था कि रवि को गानों का काफी शौक था। खाली समय में मोहम्मद रफी, किशोर कुमार, मुकेश के गाने गुनगुनाते रहते थे। टंडन बताते हैं कि कॉलेज के समय में हम लोग थोड़ी बहुत शरारत भी करते थे। रवि सीधा था। इसलिए उसे ही उस दौर के प्रोफेसर के गुस्से का भी शिकार होना पड़ता था।

फिल्म निर्देशक रवि टंडन के मकान के पास रहने वाले रक्षा मंत्रालय से सेवानिवृत्त वरिष्ठ लेखाधिकारी विष्णु नारायण टंडन को 1950 में माइथान की गलियों में खेले जाने वाले क्रिकेट मैचों की याद ताजा हो उठी। टंडन ने बताया कि काली टोपी, लाल रुमाल में रवि ने जब अभिनय किया था, तो मेरे पास फोन आया था। उस समय ट्रंक काल चलते थे। मैं उस समय काफी खुश हुआ था।

घर पास-पास था, इसलिए उनसे भाई जैसा रिश्ता हो गया था। टंडन बताते हैं कि एक बार मेरे बड़े भाई सावन में बल्केश्वर महादेव की परिक्रमाम लगाने गए। रवि टंडन नहीं जा सके। वह खूब रोए। इसके बाद मां के कहने पर मैं उन्हें बसंत टॉकीज पर भल्ला खिलाकर वापस लौटा लाया। मां को बता दिया कि परिक्रमा पूरी हो गई।

इप्टा के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव दिलीप रघुवंशी बताते हैं कि इप्टा से भी फिल्म निर्देशक रवि टंडन का काफी लगाव रहा। इप्टा के साथ उन्होंने कई बार रंगमंच को साझा किया। रघुवंशी बताते हैं कि उनका व्यवहार काफी सरल और सौम्य था। यहां से जाने के बाद मुंबई की आपाधापी भरी जिंदगी के चलते उनका आगरा आने काफी कम रहा। 1970 के आसपास उनसे मुलाकात हुई थी।

इन्क्रेडिबल इंडिया फाउंडेशन की ओर से फिल्म निर्देशक रवि टंडन को सन 2020 में ब्रज रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया था। स्वास्थ्य ठीक नहीं होने के कारण रवि आगरा नहीं आ सके थे। फाउंडेशन के अध्यक्ष पूरन डाबर ने बताया कि रवि के छोटे भाई रज्जू टंडन ने अवार्ड लिया था। डाबर का कहना था कि ब्रज रत्न अवार्ड मिलने पर रवि टंडन ने कहा था कि मेरे शहर ने मुझे जो अवार्ड दिया है, वह मेरे जीवन के खास अवार्ड में से एक है। मुंबई में रहते हुए भी ब्रज रत्न अवार्ड मुझे मेरे शहर की खुशबू से हमेशा महकाता रहेगा।

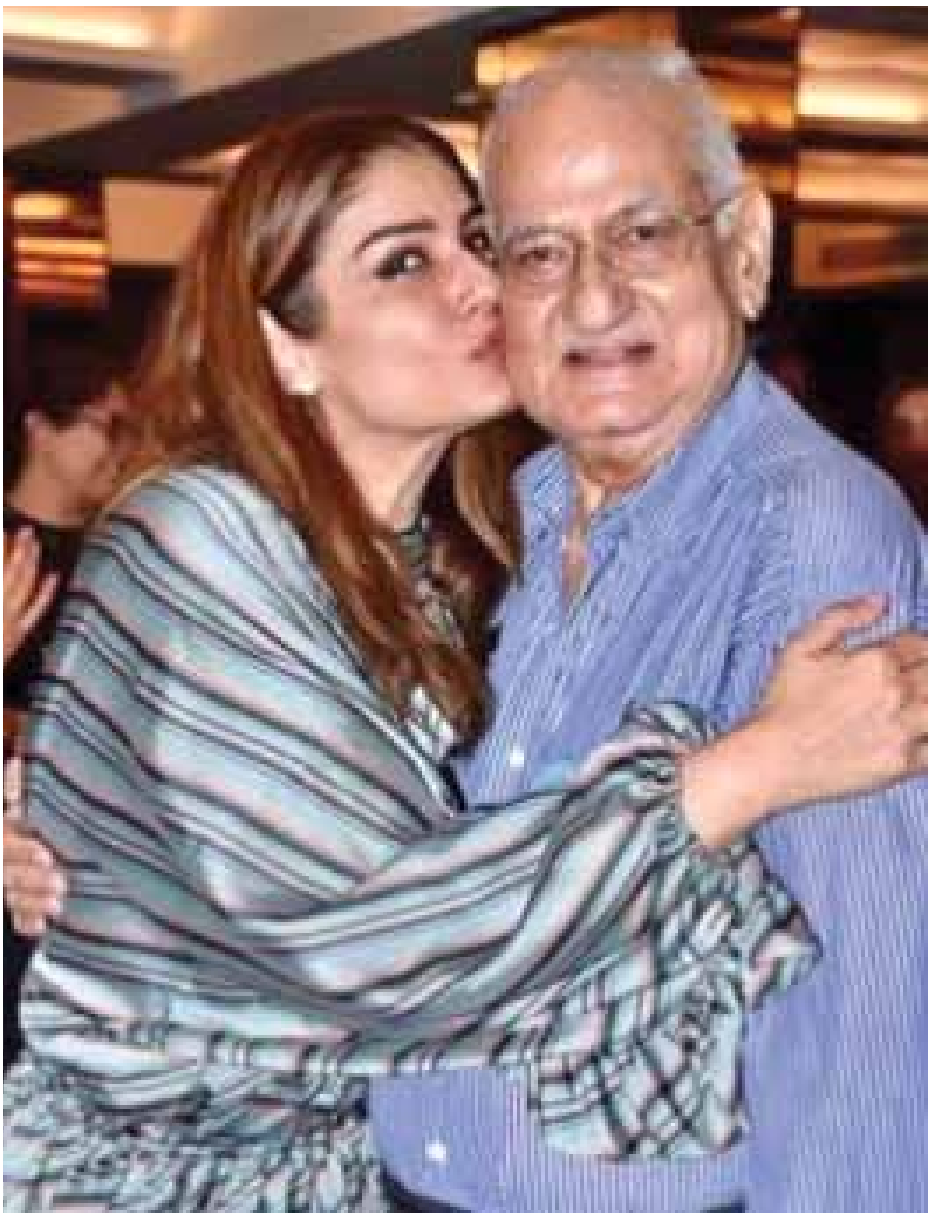

माइथान में रहने वाले भारतभूषण गप्पी बताते हैं कि काफी कम लोगों को यह मालूम है कि रवीना का जन्म मुंबई में हुआ था। गप्पी बताते हैं चार साल पहले एक कार्यक्रम में आईं रवीना टंडन से जब मैंने पूछा कि माइथान के बारे में कितना जानती हैं। उस पर उन्होंने कहा था कि माइथान मेरे पिता की वो जमीं हैं जहां से उनकी जीवन की सफलता की कहानी शुरू होती है। पापा मुझे माईथान की गलियों के बारे में बताते हैं, तो काफी उत्सुक हो जाती हूं। उन्होंने कहा था कि पिता की जन्मस्थली पर आकर गौरवान्वित महसूस करती हैं।

गायत्री मंत्र के हैं तीन अर्थ...

सभी हिन्दू शास्त्रों में लिखा है कि मंत्रों का मंत्र महामंत्र है गायत्री मंत्र। यह प्रथम इसलिए कि विश्व की प्रथम पुस्तक ऋग्वेद की शुरुआत ही इस मंत्र से होती है। कहते हैं कि ब्रह्मा ने चार वेदों की रचना के पूर्व 24 अक्षरों के गायत्री मंत्र की रचना की थी। आओ जानते हैं इस मंत्र के तीन अर्थ।

यह मंत्र इस प्रकार है:- ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्।

पहला अर्थ :- पृथ्वीलोक, भुवर्लोक और स्वर्लोक में व्याप्त उस सृष्टिकर्ता प्रकाशमान परमात्मा के तेज का हम ध्यान करते हैं, वह परमात्मा का तेज हमारी बुद्धि को सन्मार्ग की ओर चलने के लिए प्रेरित करे।

दूसरा अर्थ :- उस प्राणस्वरूप, दुःखनाशक, सुखस्वरूप, श्रेष्ठ, तेजस्वी, पापनाशक, देवस्वरूप परमात्मा को हम अंतःकरण में धारण करें। वह परमात्मा हमारी बुद्धि को सन्मार्ग में प्रेरित करे।

तीसरा अर्थ :- ॐ : सर्वरक्षक परमात्मा, भू : प्राणों से प्यारा, भुव : दुख विनाशक, स्व : सुखस्वरूप है, तत् : उस, सवितु : उत्पादक, प्रकाशक, प्रेरक, वरेण्य : वरने योग्य, भर्गो : शुद्ध विज्ञान स्वरूप का, देवस्य : देव के, धीमहि : हम ध्यान करें, धियो : बुद्धि को, यो : जो, न : हमारी, प्रचोदयात् : शुभ कार्यों में प्रेरित करें।

शक्ति का राज : इस मंत्र को निरंतर जपने से मस्तिष्क का तंत्र बदल जाता है। मानसिक शक्तियां बढ़ जाती हैं और सभी तरह की नकारात्मक शक्तियां जपकर्ता से दूर हो जाती है। इस मंत्र के बल पर ही ऋषि विश्वामित्र ने एक नई सृष्टि की रचना कर दी थी। इसी से अनुमान लगाया जा सकता है कि यह मंत्र कितना शक्तिशाली है। इस मंत्र में 24 अक्षर है।

प्रत्येक अक्षर के उच्चारण से एक देवता का आह्वान हो जाता है। गायत्री मंत्र के चौबीस अक्षरों के चौबीस देवता हैं। उनकी चौबीस चैतन्य शक्तियां हैं। गायत्री मंत्र के चौबीस अक्षर 24 शक्ति बीज हैं। गायत्री मंत्र की उपासना करने से उन मंत्र शक्तियों का लाभ और सिद्धियां मिलती हैं।

सप्त कोटि महामंत्रा, गायत्री नायिका स्मृता।आदि देवा ह्युपासन्ते गायत्री वेद मातरम्।। -कूर्म पुराण

अर्थ : गायत्री सर्वोपरि सेनानायक के समान है। देवता इसी की उपासना करते हैं। यही चारों वेदों की माता है।

कामान्दुग्धे विप्रकर्षत्वलक्ष्मी, पुण्यं सुते दुष्कृतं च हिनस्ति।शुद्धां शान्तां मातरं मंगलाना, धेनुं धीरां गायत्रीमंत्रमाहुः।। -वशिष्ठ

अर्थ : गायत्री कामधेनु के समान मनोकामनाओं को पूर्ण करती है, दुर्भाग्य, दरिद्रता आदि कष्टों को दूर करती है, पुण्य को बढ़ाती है, पाप का नाश करती है। ऐसी परम शुद्ध शांतिदायिनी, कल्याणकारिणी महाशक्ति को ऋषि लोग गायत्री कहते हैं। प्राचीनकाल में महर्षियों ने बड़ी-बड़ी तपस्याएं और योग-साधनाएं करके अणिमा-महिमा आदि ऋद्धि-सिद्धियां प्राप्त की थीं। इनकी चमत्कारी शक्तियों के वर्णन से इतिहास-पुराण भरे पड़े हैं। वह तपस्या थी इसलिए महर्षियों ने प्रत्येक भारतीय के लिए गायत्री की नित्य उपासना करने का निर्देश दिया था।

हिन्दू धार्मिक कार्य में आम के पत्ते के उपयोग

आपने आम का पेड़ देखा होगा। इस पेड़ की घनी और ठंडी छाव रहती है। पहले यह बहुतायत में पाया जाता था अब बहुत सी जगहों से देशी आप का पेड़ लुप्त होने लगा है। मालवा की धरती पर पहले पग पग पर आम का पेड़ हुआ करता था और खासियत यह थी कि हर पेड़ के आम का अलग ही स्वाद होता था। खैर, आओ जानते हैं हिन्दू धार्मिक कार्यों में आम के पत्ते, फल आदि का महत्व।

1. घर के मुख्य द्वार पर आम की पत्तियां लटकाने से घर में प्रवेश करने वाले हर व्यक्ति के प्रवेश करने के साथ ही सकारात्मक ऊर्जा घर में आती है।
2. आप के पत्तों का उपयोग जल कलश में भी होता है। कलश के जल में आम के पत्ते रखकर उसके उपर नारियल रखा जाता है।
3. यज्ञ की वेदी को सजाने में भी आम के पत्ते का उपयोग होता है।
4. मंडप को सजाने के लिए भी आम के पत्तों का उपयोग होता है।
5. घर के पूजा स्थल या मंदिरों को सजाने में भी आम के पत्तों का उपयोग होता है।
6. तोरण, बांस के खंभे आदि में भी आम की पत्तियां लगाने की परंपरा है।
7. दीवारों पर आम के पत्तों की लड़ लगाकर मांगलिक उत्सव के माहौल को धार्मिक और वातावरण को शुद्ध किया जाता है।
8. आप के पत्ते से ही आरती या हवन के बाद जल छिड़का जाता है।
9. आम के पत्तों की पत्तल बनाकर उस पर भोजन भी किया जाता है।
10. वैज्ञानिक दृष्टि के अनुसार आम के पत्तों में डायबिटीज को दूर करने की क्षमता है। कैंसर और पाचन से संबंधित रोग में भी आम का पत्ता गुणकारी होता है। आम के रस से कई प्रकार के रोग दूर होते हैं।
11. मांगलिक कार्यों में पंचफल का उपयोग किया जाता है जिसमें एक आम का फल भी होता है।
12. आम के पेड़ की लकड़ियों का उपयोग समिधा के रूप में वैदिक काल से ही किया जा रहा है। माना जाता है कि आम की लकड़ी, घी, हवन सामग्री आदि के हवन में प्रयोग से वातावरण में सकारात्मकता बढ़ती है।
13. घर में आम की लकड़ी का फर्नीचर कम ही रखना चाहिए। आम की जगह पनस, सुपारी, नान, साल, शीशम, अखरोट या सागौन की लकड़ी का उपयोग करना चाहिए।

जया एकादशी, भूलकर भी न करें ये काम, निष्फल हो सकता है व्रत

हिन्दू पंचांग के अनुसार माघ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को जया एकादशी व्रत कहते हैं। इस बार जया एकादशी व्रत 12 फरवरी दिन शनिवार को है। जया एकादशी के दिन पूरे विधि विधान से श्री हरि विष्णु की पूजा अर्चना करते हैं और एकादशी का व्रत रखते हैं। मान्यता है कि जो भी श्रद्धालु पूरी श्रद्धा से जया एकादशी का व्रत रखते हैं उसे इन व्रत के पुण्य से भूत, प्रेत या पिशाच योनि से मुक्ति मिलती है, मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है। लेकिन जया एकादशी व्रत रखते समय कुछ नियमों को ध्यान में रखना बेहद आवश्यक है। तो आइए जानते हैं कि जया एकादशी व्रत रखते समय किन नियमों का पालन करना चाहिए।

जया एकादशी के दिन इन कार्यों से करें परहेज

- जया एकादशी के दिन फूल, पत्ते आदि का तोड़ना वर्जित हैं। एकदशी पूजन के लिए फूल और तुलसी दल एक दिन पूर्व तोड़कर रखें।
- जया एकादशी के दिन दान में मिला हुआ अन्न कभी न ग्रहण करें।
- एकादशी व्रत के दिन भोजन में चावल, शलजम, पालक, पान, गाजर जौ आदि खाने से परहेज करना चाहिए। यदि आपने इसका सेवन किया तो दोष लगता है।
- जया एकादशी व्रत रखने वालों को व्रत से पूर्व से तामसिक भोजन आदि का सेवन नहीं करना चाहिए।
- एकादशी का व्रत रखने वाले व्यक्ति को क्रोध करने से बचना चाहिए। किसी के बारे में कुछ भी गलत नहीं सोचना चाहिए।

- जो श्रद्धालु जया एकादशी व्रत रखते हैं वो और उनके परिजनों को व्रत वाले दिन नाखून, बाल दाढ़ी आदि नहीं काटने चाहिए।

जया एकादशी के दिन क्या करें

- जया एकादशी के दिन भगवान श्री हरि विष्णु की आराधना करते हैं इसलिए इस दिन पीले वस्त्र धारण करें।
- विष्णु पूजा के समय जया एकादशी व्रत कथा का श्रवण अवश्य करें।
- एकादशी व्रत के दिन श्री हरि विष्णु की आराधना करते समय से पंचामृत एवं तुलसी दल अवश्य इस्तेमाल करें।
- जय एकादशी के दिन दान अवश्य करें। यदि किसी जरूरतमंद को कुछ आवश्यक है तो उसे खाली हाथ कभी न भेजें।
- एकादशी व्रत का पारण सूर्योदय के बाद करें।

ऐसे लोगों को कभी न करें परेशान, मां लक्ष्मी हो सकती हैं नाराज

आचार्य चाणक्य द्वारा रचित नीति ग्रन्थ चाणक्य नीति में सूत्रात्मक शैली में जीवन को सुखमय एवं सफल बनाने के लिए उपयोगी सुझाव हैं। इसका मुख्य उद्देश्य मनुष्य को जीवन के प्रत्येक पहलू की व्यावहारिक शिक्षा देना है। आचार्य चाणक्य के इस नीतिपरक ग्रंथ में जीवन-सिद्धान्त और जीवन-व्यवहार तथा आदर्श और यथार्थ का बड़ा सुन्दर समन्वय देखने को मिलता है। आचार्य चाणक्य की कहीं हर बात आज भी उतनी ही सही है जितनी वह उस जमाने में हुआ करती थी। चाणक्य नीति आपको अपने जीवन में कुछ भी हासिल करने में मदद करती है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किस क्षेत्र में हैं। यदि आप चाणक्य नीति को पूरी तरह से पढ़ते हैं और उसका अनुसरण करते हैं, तो कोई भी आपको सफल होने से रोक नहीं सकता आप कभी भी किसी के धोखे का शिकार नहीं होंगे और जीवन में हमेशा सफलता पाएंगे। आचार्य चाणक्य ने अपने नीति शास्त्र में बच्चों, बड़ों और बुजुर्गों सबके लिए कोई न कोई सीख दी है। चाणक्य के अनुसार जीवन में कुछ ऐसे लोग हैं जिनके साथ कभी भी गलत व्यवहार नहीं करना चाहिए अन्यथा मां लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं।

अक्सर लोग अहम और घमंड में चूर होने के कारण अपने से कंजीर वर्ग के लोगों को या कमजोर व्यक्तित्व के लोगों को परेशान करना शुरू कर देते हैं। लेकिन आचार्य चाणक्य के नीति शास्त्र के अनुसार जिन लोगों के पास पद-प्रतिष्ठा होती है, उन्हें कभी भी अपने से कमजोर लोगों और गरीबों को सताना नहीं चाहिए, बल्कि उनकी मदद करनी चाहिए। यदि आप जरूरतमंदों को और दुखी करेंगे तो ऐसा करने से मां लक्ष्मी आपसे रुष्ट हो जाएंगी। हमारे देश में स्त्रियों को देवी की तरह पूजा जाता है। उनका सम्मान किया जाता है इसलिए सदैव महिलाओं का सम्मान करें। उनके साथ किसी भी प्रकार का गलत व्यवहार नहीं करना चाहिए। यदि जीवन में व्यक्ति स्त्रियों का सम्मान नहीं करेंगे तो मां लक्ष्मी में रूठ जाती हैं और घर में दरिद्रता आती है। चाणक्य के नीति शास्त्र के अनुसार जो लोग मेहनती लोगों का सम्मान नहीं करते, उनसे मां लक्ष्मी कभी प्रसन्न नहीं होती। लोगों को यह बात हमेशा ध्यान रखनी चाहिए कि भले ही उनके पास बहुत पैसा आ गया हो लेकिन उन्हें अपनी मेहनत को नहीं भूलना चाहिए और साथ ही यदि कभी उन्हें कोई परिश्रमी व्यक्ति दिखे तो उसका सम्मान करना चाहिए और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए। इसके विपरीत जो ऐसे लोगों को सताने लगते हैं, ऐसे लोगों से मां लक्ष्मी रूठ जातीं हैं।

टमाटर से ऐसे लाएं चेहरे और बालों की खोई खूबसूरती...

त्वचा के लिए टमाटर और शहद एक अच्छा स्त्रोत है। वहीं, अगर आप अपनी त्वचा को चमकदार बनाना चाहते हैं तो इसके लिए टमाटर और शहद को अच्छे से मिलाकर अपने चेहर पर लगाएं। करीब 15 मिनट बाद गुनगुने पानी से अपना चेहरा साफ कर लें। इस दुनिया में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति हो जो अपने आपको सुंदर न देखना चाहता हो, वरना तो आज के समय में हर कोई खूबसूरत और आकर्षक दिखना चाहता है। हमारी खूबसूरती न केवल हमें मनमोहक बनाती है बल्कि हमारा आत्मविश्वास भी बढ़ाती है। इसलिए हमें खुद को फिट एंड फाइन रखना चाहिए, साथ ही अपने त्वचा और बालों का खास ध्यान भी रखना चाहिए। बता दें कि खूबसूरती को बढ़ाने में सबसे ज्यादा भूमिका हमारे बाल और त्वचा की होता है, ऐसे में जरूरी है कि हम इनका खास ध्यान रखें।

वहीं, आज हम आपके लिए एक ऐसा घरेलू नुस्खा लेकर आए हैं जो आपकी त्वचा और बालों की खूबसूरती के लिए काफी फायेदमंद साबित हो सकती है। इसे उपयोग करने वाले ज्यादातर लोगों का मानना है कि इससे वो पहले से ज्यादा जवां और सुंदर नजर आने लगे हैं, तो आइए आपको इस खास नुस्खे के बारे में बताते हैं...

यह बेहतरीन नुस्खा हम सभी के किचन में मौजूद है और खाने के स्वाद को बढ़ाने में इस्तेमाल किया जाता है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं टमाटर की जो कई सारी चीजों में इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे कई लोग हैं जो इसे अपनी त्वचा पर भी इस्तेमाल करते हैं। टमाटर में मौजूद विटामिन ए, बी, सी और के, फास्फोरस, मैग्नीशियम और पोटेशियम से भरपूर होता है। इसलिए टमाटर न सिर्फ हमें सेहतमंद रखता है बल्कि हमारे चेहरे और बालों की सुंदरता को भी बढ़ाने में मदद करता है। आइए आपको टमाटर के खास 4 नुस्खे बताते हैं, जिससे चेहरे और बालों का फायदा होगा।

ऐसे करें टमाटर का इस्तेमाल...

1. स्किन केयर एक्सपर्ट बताते हैं कि त्वचा के लिए टमाटर और शहद एक अच्छा स्त्रोत है। वहीं, अगर आप अपनी त्वचा को चमकदार बनाना चाहते हैं तो इसके लिए टमाटर और शहद को अच्छे से मिलाकर अपने चेहर पर लगाएं। करीब 15 मिनट बाद गुनगुने पानी से अपना चेहरा साफ कर लें। इससे आपका चेहरा चमकदार हो जाएगा और चेहरे पर निखार आ जाएगा।

2. अगर आप डैंड्रफ की समस्या से परेशान है या आपके बाल झड़ते हैं तो इसके लिए टमाटर का यह नुस्खा अपना सकते हैं। इसके लिए टमाटर के छिलके और बीज को पहले अलग निकाल लें। इसके बाद बचे हुए हिस्से यानी गूदा को मिक्सी में अच्छे से पीस लें। इस तरह से एक पेस्ट तैयार हो जाएगा और फिर

इसे अपने बालों लगाकर मसाज करें। इससे आपके बालों की सभी समस्या दूर हो जाएगी।

3. चेहरे को दाग-धब्बा मुक्त बनाने के लिए एक कटोरी में तीन चम्मच छाछ और दो टमाटर का रस डालकर अच्छे से मिलाएं। इस तरह से एक फेस मास्क तैयार हो जाएगा और फिर थोड़ी देर बाद इसे अपने चेहर पर लगाकर 10 मिनट के लिए छोड़ दें। वहीं, जब ये सूखने लगे तो अपने चेहरे को पानी से धो लें। इससे आपकी त्वचा चमकदार और दाग-धब्बों से निजात पा सकेगी।

4. टैनिंग स्किन से छुटकारा पाने के लिए एक कटोरी में नींबू का रस और टमाटर का गूदा मिला लें। इसके बाद 10 से 15 मिनट के लिए इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाकर रखें। वहीं, जब ये सूख जाए तो ठंडे पानी से अपने चेहरे को धो लें। इससे सन से होने वाली टैनिंग हट जाएगी और आपके रंग में निखार आएगा।

हाथों-पैरों में ऐसे लक्षण का मतलब शरीर में आयरन की है कमी...

शरीर को स्वस्थ और फिट बनाए रखने के लिए पौष्टिक आहार का सेवन करना सबसे आवश्यक माना जाता है। पौष्टिक आहार का मतलब, ऐसी चीजों का सेवन जिससे शरीर के लिए आवश्यक मैक्रोन्यूट्रिएंट्स की आसानी से पूर्ति की जा सके। जब हम स्वस्थ शरीर की बात करते हैं, तो इसके लिए कुछ पोषक तत्वों की सबसे अधिक आवश्यकता होती है- आयरन उनमें से एक है। आयरन वह मूल घटक है जो शरीर को हीमोग्लोबिन बनाने में मदद करता है। हीमोग्लोबिन, लाल रक्त कोशिकाओं में पाया जाने वाला एक प्रोटीन है जो फेफड़ों से ऑक्सीजन को पूरे शरीर के ऊतकों और अंगों तक पहुंचाता है। यदि शरीर में आयरन की कमी हो जाए तो ऊतकों तक ऑक्सीजन पहुंचने में दिक्कत हो सकती है, जो सेहत के लिए गंभीर समस्याओं का कारण बनती है। शरीर में आयरन की कमी का पता लगाने के लिए आमतौर पर खून की जांच कराने की सलाह दी जाती है, पर क्या आप जानते हैं कि शरीर में दिखने वाले कुछ संकेतों के आधार पर भी आसानी से इसका पता लगाया जा सकता है? आइए हाथों और पैरों में आयरन की कमी के कारण दिखने वाले संकेतों के बारे में जानते हैं जिनके आधार पर समस्या का आसानी से निदान किया जा सकता है? स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक शरीर में आयरन की कमी के कारण लोगों को एनीमिया की समस्या हो सकती है। अक्सर प्रारंभिक अवस्था में लोगों का इस तरफ ध्यान नहीं जाता है जिसके कारण बाद में गंभीर समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। आयरन की कमी के एनीमिया से संबंधित इन लक्षणों पर सभी को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। त्वचा में पीलापन, दुर्बलता और कमजोरी, सिर दर्द- चक्कर आना, अत्यधिक थकान महसूस करते रहना।, शरीर में सूजन, जीभ में दर्द बना रहना, भूख कम लगना।

हाथों-पैरों का ठंडा हो जाना

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक आयरन की कमी के सामान्य लक्षणों के अलावा कुछ लोगों को हाथों और पैरों में भी इसके संकेत महसूस हो सकते हैं। जिन लोगों के शरीर में आयरन की कमी होती है उनके हाथ और पैर अक्सर ठंडे बने रहते हैं। यदि आपको भी लगातार इस तरह की समस्या का अनुभव होता है तो इस बारे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करके समस्या का निदान कराना आवश्यक हो जाता है।

क्यों होता है शरीर में

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक ऐसे कई कारण है जिनके चलत शरीर में इस बेहद आवश्यक मैक्रोन्यूट्रिएंट्स की कमी हो सकती है। रक्त में मौजूद लाल रक्त कोशिकाओं के भीतर आयरन होता है, कई स्थितियों में शरीर से खून ज्यादा निकल जाने के कारण आयरन की कमी हो सकती है। माहवारी के कारण महिलाओं को आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया का खतरा अधिक होता है।

आयरन की पूर्ति कैसे करें?

अध्ययनों से पता चलता है कि यदि हम अपने आहार को सही कर लें तो शरीर में आयरन की कमी को आसानी से पूरा किया जा सकता है। इसके लिए उन चीजों का अधिक से अधिक सेवन किया जाना चाहिए जिसमें आयरन की मात्रा अधिक होती है। रेड मीट और पोल्ट्री, समुद्री भोजन, बीन्स, गहरी हरी पत्तेदार सब्जियां, और खुबानी को आयरन का स्रोत माना जाता है।

सेहत के लिए अमृत के सामान है जौ का पानी, रोजाना सेवन से दूर होंगी ये बीमारियाँ

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक जौ एक बहुत ही फायदेमंद अनाज है। जौ में विटामिन बी-कॉम्प्लेक्स, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, मैगनीज, सेलेनियम, जिंक, कॉपर, प्रोटीन, अमीनो एसिड, फाइबर और कई तरह के एंटी-ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। नियमित रूप से जौ का पानी पीने से स्वास्थ्य को कई लाभ होते हैं और कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से छुटकारा मिलता है।

आजकल हर कोई फिट और हेल्दी रहना चाहते हैं। स्वस्थ रहने के लिए लोग अपनी डाइट में तरह-तरह की चीजें शामिल करते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक जौ एक बहुत ही फायदेमंद अनाज है। जौ में विटामिन बी-कॉम्प्लेक्स, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, मैगनीज, सेलेनियम, जिंक, कॉपर, प्रोटीन, अमीनो एसिड, फाइबर और कई तरह के एंटी-ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। नियमित रूप से जौ का पानी पीने से स्वास्थ्य को कई लाभ होते हैं और कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से छुटकारा मिलता है। आज के इस लेख में हम आपको जौ का पानी बनाने की विधि और इसके फायदों के बारे बताने जा रहे हैं-

जौ का पानी बनाने के लिए दो बड़े चम्मच जौ लें और इसे अच्छी तरह साफ कर लें। अब इसे करीब एक घंटे तक एक से दो कप पानी में भिगोकर छोड़ दें। इसके बाद जौ के पानी को तीन-चार गिलास पानी में धीमी आंच पर उबाल लें। 15-20 मिनट उबलने के बाद गैस को बंद कर दें। फिर इस पानी के ठंडा करके दिनभर में एक से दो बार पिएं।

जौ का पानी पीने के फायदे

- यूरीन से जुड़ी समस्याओं में जौ का पानी बहुत फायदेमंद होता है। जो लोग किडनी से जुड़ी समस्याओं से परेशान हैं, उनके लिए भी जौ के पानी बहुत ही फायदेमंद है।
- जो लोग वजन घटाना चाहते हैं, उनके लिए जाऊ के पानी का सेवन बहुत फायदेमंद माना जाता है। रोजाना जौ के पानी के सेवन से वेट लॉस में मदद मिलती है। इससे शरीर में जमा चर्बी तेजी से घटाने में मदद मिलती है।
- जौ के पानी का सेवन हमारे दिल के स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। जिम लोगों को हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या है, उनके लिए जाऊ का पानी बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। नियमित रूप से जौ के पानी का सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल लेवल कम करने में मदद मिलती है।

हॉट लुक में सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा मौनी का ग्लैमरस वीडियो...

अभिनेत्री मौनी रॉय आए दिन अपनी स्टाइलिंग और ड्रेसेज को लेकर चर्चाओं में रहती हैं। बीते कुछ दिनों से एक्ट्रेस अपनी शादी-शुदा जिंदगी को लेकर चर्चा में थीं। वह हमेशा नए-नए अवतारों में नजर आती हैं, चाहे फिर बात शार्ट डेस की हो या साड़ी की। उनकी खूबसूरती सभी में देखने लायक होती है। एक बार फिर अभिनेत्री के एक वायरल होते वीडियो में उनका ग्लैमरस अंदाज फैंस को इंप्रेस कर रहा है।

अपनी शादी की सारी रस्में निभाने के बाद एक बार फिर अभिनेत्री अपने काम पर ध्यान दे रही हैं। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली मौनी हमेशा ध्यान रखती हैं कि उनके फैंस को उनकी हर खबर मिलती रहे। उनके शूट के समय रिकॉर्ड हुआ एक वीडियो इंस्टाग्राम पर काफी वायरल हो रहा है। इस वीडियो में मौनी मैटेलिक ब्राउन कलर की साड़ी ऑफ शोल्डर ब्लाउज के साथ पहने नजर आ रही हैं। ज्वैलरी के नाम पर उन्होंने केवल मांग टीका और अपने हाथ में रिंग्स पहनी हुई हैं। वह इस वीडियो में अपने शूट के लिए जाती नजर आ रही हैं। उनकी यह वीडियो उनके फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। वह इस वीडियो को काफी पसंद कर रहे हैं और इसपर जमकर कमेंट्स भी कर रहे हैं। लोगों को उनका यह लुक काफी पसंद आ रहा है।

मौनी रॉय ने एक डांस रिएलिटी शो में जज की भूमिका में हाल ही में डेब्यू किया है। इसके बाद से ही वह अब एक के बाद एक अपने लुक की तस्वीरें फैंस के साथ साझा कर रही हैं। उन्होंने कुछ दिनों पहले इसी साड़ी में कराए गए अपने ग्लैमेरस फोटोशूट की तस्वीरें अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की थीं। बंगाली क्वीन मौनी रॉय ने 27 जनवरी 2022 को अपने लॉन्ग टाइम मलयाली बॉयफ्रेंड सूरज नांबियार के साथ शादी रचाई थी। मौनी रॉय अपनी मैरिड लाइफ का फुल मजा ले रही हैं।

18 साल छोटी है राहुल महाजन की तीसरी पत्नी नताल्या...

स्टार प्लस का नया रियलिटी शो 'द स्मार्ट जोड़ी' आज से शुरू होने वाला है। इस शो में एक साथ 10 सेलिब्रिटी कपल प्रतिभागी बनेंगे। शो बहुत ही मजेदार होने वाला है क्योंकि फैंस को ये जानने का मौका मिलेगा कि उनके पसंदीदा कपल का रिश्ता रियल और रील लाइफ में कितना अलग है। स्मार्ट जोड़ी में आने वाली जोड़ियों का खुलासा हो गया है। शो में बिग बॉस फेम राहुल महाजन अपनी पत्नी नताल्या महाजन के साथ दिखेंगे। शो का पहला प्रोमो वीडियो रिलीज किया जा चुका है। जिसमें राहुल अपनी लव लाइफ के बारे में बता रहे हैं। प्रोमो में राहुल महाजन कह रहे हैं कि दिल तो बच्चा हैं ना इसलिए हो गया तीसरी बार प्यार। राहुल की पत्नी रशियन हैं। ऐसे में राहुल को रशियन नहीं आती है और नताल्या हिंदी नहीं बोल पाती। वीडियो में राहुल फिर ट्रांसलेटर का उपयोग करते हैं। ऐसे में शो में राहुल की लव की गाड़ी कैसे पटरी पर आती है देखना दिलचस्प होगा।

रिया चक्रवर्ती ने पर्पल लहंगे में शेयर की नई तस्वीरें, बोलीं- तितली बनने की मेरी यात्रा...

अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती अब अपनी पुरानी जिंदगी में लौट चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने स्टूडियों में रिकॉर्डिंग करते हुए अपनी तस्वीरें पोस्ट की थीं। बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती सवालों के घेरे में आ गईं थीं जिसकी वजह से उनको काफी मुश्किलों को सामना करना पड़ा था। इसके बाद ड्रग्स केस में नाम आने के बाद भी मामले ने काफी तूल पकड़ लिया था। तब से रिया ने मीडिया और सोशल साइट्स के दूरी बना ली थी और बहुत कम एक्टिव रहती थीं। हालांकि अब रिया इन सब चीजों से उबर रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह काफी खूबसूरत नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में रिया ने पर्पल कलर का सिंपल लहंगा पहना हुआ है और साथ में उन्होंने फुल स्वीव्स वाला जरदोजी की कढ़ाई का ब्लाउज मैच किया है। इसी के साथ उन्होंने मैचिंग नेट का दुट्टा कैरी किया है। रिया ने कानों में झुमकों के साथ अपने लुक को कंप्लीट किया है।

40 लाख फॉलोअर्स के साथ फोर्ब्स अंडर 30 की लिस्ट में शामिल हुईं जन्नत...

टी वी अभिनेत्री जन्नत जुबैर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह लगातार अपनी वीडियोज और फोटोज फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। यही वजह है कि वह सोशल मीडिया पर भी छाई रहती हैं। छोटी सी उम्र में ही फैन फॉलोइंग के मामले में जन्नत कई बड़े-बड़े कलाकारों को टक्कर देती नजर आती हैं। इसी बीच एक्ट्रेस में सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस के साथ एक बड़ी खुशखबरी साझा की है। दरअसल, जन्नत ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर बताया कि इंस्टाग्राम पर 40 मिलियन फॉलोअर्स होने पर उन्हें फोर्ब्स की अंडर 30 लिस्ट में जगह मिली है। इस उपलब्धि को हासिल करने के बाद जन्नत की खुशी का ठिकाना नहीं है। इस उपलब्धि को अभिनेत्री अलग ही ढंग में सेलिब्रेट करती नजर आ रही हैं।

इंटरनेट पर 40 मिलियन की फैन फॉलोइंग के साथ ही जन्नत की अंडर 30 फेमस फेस की लिस्ट में जगह बना ली है। इस बारे में फैंस को जानकारी देते हुए उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट भी शेयर किया है। इस पोस्ट को शेयर करते हुए उन्होंने एक तस्वीर शेयर करते हुए यह जानकारी साझा की है।

इस पोस्ट के साथ ही उन्होंने कैप्शन में अपनी खुशी जाहिर की है। इस तस्वीर के साथ जन्नत में कैप्शन में लिखा, यह मेरी किशोरावस्था की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक होना चाहिए। अभिनेत्री के फैंस उनके इस पोस्ट पर जमकर प्यार लुटाते नजर आ रहे हैं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो जन्नत जुबैर तू आशिकी, फुलवा, हिचकी जैसे शो और लव का दी एंड जैसी

फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। 20 वर्षीय जन्नत जुबैर ने कलर्स टीवी के सीरियल फुलवा से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। आखिरी बार वह म्यूजिक वीडियो वल्ला- वल्ला में नजर आई थीं

अभिनेत्री आलिया भट्ट ने साड़ी में शेयर की फोटो

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं। आलिया की तस्वीरों को देखकर उनके फैंस उनकी खूब तारीफ करते हैं और उनकी सुंदरता पर दिल खोलकर टिप्पणी करते हैं। अब आलिया भट्ट ने इंस्टाग्राम पर अपनी ताजा तस्वीरें शेयर की हैं जिनको उनके फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। आलिया भट्ट की फिल्म ''गंगूबाई काठियावाड़ी' रिलीज होने वाली है जिसे लेकर वह सुर्खियों में हैं।

सोशल मीडिया पर फिल्म का ट्रेलर और आलिया के लुक को काफी पसंद किया गया है। यह फिल्म 25 फरवरी को रिलीज हो रही है और अभिनेत्री आलिया भट्ट इस फिल्म का जोरों-शोरो से प्रचार भी कर रही हैं। अब उन्होंने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उन पर से प्रशंसक अपनी नजरें हटा नहीं पा रहे हैं। इन तस्वीरों में आलिया भट्ट बेहद खूबसूरत लग रही हैं। तस्वीरों में आलिया भट्ट ने सफेद रंग की प्लेन साटन साड़ी और स्लीवलेस ब्लाउज पहन रखा है। खुले बालों में वब बहुत सुंदर लग रही हैं। आलिया ने अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए कानों में बड़े राउंड शेप के इअरिंग डाले हैं। उन्होंने बालों में एक तरफ लाल गुलाब लगा रखा है जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं और तारीफ कर रहे हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए आलिया भट्ट ने कैप्शन में लिखा है, 'आ रही हैं गंगू. सिर्फ सिनेमा में- 25 फरवरी से।'

ट्रेलर में दिखी श्रुति, अर्जन बाजवा गौहर और सत्यजीत की चमक

अमेज़न प्राइम वीडियो ने अपनी वेब सीरीज बेस्टसेलर के ट्रेलर को मंगलवार को रिलीज कर दिया। हालांकि, मंगलवार के दिन एक के बाद एक हिंदी सिनेमा में हुए तमाम बड़े ऐलानों के बीच ये ट्रेलर कहीं गुम होकर रह सकता था लेकिन इस सीरीज में मिथुन चक्रवर्ती की मौजूदगी ने लोगों की उत्सुकता इसे लेकर बनाए रखे। ट्रेलर से पता चलता है कि ये सीरीज एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर है। सस्पेंस और ड्रामा की छौंक भी इसमें लगाई गई है। प्राइम वीडियो पर ये सीरीज 18 फरवरी से शुरू होने जा रही है। सीरीज का निर्देशन किया है मुकुल अभ्यंकर ने।

मुकुल अभ्यंकर निर्देशित बेस्टसेलर में मिथुन चक्रवर्ती, श्रुति हासन, अर्जन बाजवा, गौहर खान, सत्यजीत दुबे और सोनाली कुलकर्णी जैसे दमदार सितारों की फौज है। मुकुल

कहते हैं, 'स्क्रिप्ट पढ़ते ही ये सीरीज मुझे इतनी जोरदार और रोमांचक लगी कि मैंने इसे लिए फौरन हां कर दी। दर्शक इस सीरीज के हर रहस्यमय क्षण को बेहद पसंद करेंगे और आठवां एपिसोड खत्म होने तक उनकी भूख और ज्यादा बढ़ जाएगी।" वहीं सीरीज का आकर्षण बन चुके मिथुन के मुताबिक "बेस्टसेलर वाला मेरा किरदार लोकेश प्रमाणिक दिलचस्प व्यवहार करने वाला एक अनोखा व्यक्तित्व है। मुझे उसकी तमाम सनकों के साथ यह रोल निभाने में बड़ा मजा आया। मेरा इससे बेहतर स्ट्रीमिंग डेब्यू हो ही नहीं सकता था।" मिथुन चक्रवर्ती के अलावा श्रुति हासन भी इसे अपना डिजिटल डेब्यू मान रही हैं हालांकि वह इसके पहले भी डिजिटली नजर आ चुकी हैं। वह कहती हैं, 'मैं इस बात को लेकर रोमांचित हूं कि बेस्टसेलर मेरा फुल-फीचर डिजिटल डेब्यू है। जिस पल मैंने इसकी स्क्रिप्ट देखी, मैं इसे पढ़ती ही रह गई। मैं कहानी में मौजूद परतों के भीतर गहराई तक उतर गई और मुझे अपना किरदार इतना सम्मोहक लगा कि मुझे इसे निभाना ही था।

लज्जा से लेकर राजी तक इन फिल्मों में महिला कलाकारों ने अपने किरदार का लोहा मनवाया

बदलते समय के साथ बॉलीवुड में भी काफी चीजें बदल गई हैं। पहले के समय में लगभग सभी फिल्में पुरुषों पर केन्द्रित होती थीं। उनमें महिलाओं के किरदार अबला, मजबूर मां, सीधी सादी पत्नी और अपनी हद में रहने वाली एक बेटी तक ही सीमित थे। बदलते समय में बॉलीवुड में भी बदलाव आया है। महिलाओं पर आधारित कई ऐसी फिल्में बनी हैं, जिनमें दिखाया गया है कि समाज में जितना योगदान एक पुरुष का है उतना ही योगदान महिला का भी है। इन फिल्मों के जरिए बॉलीवुड ने ये दिखाने की कोशिश की है औरतों ने अपनी हिम्मत के आगे किस्मत को पैरों पर झुकने के लिए मजबूर कर दिया है। आज हम आपको कुछ ऐसी चुनिंदा नारी प्रधान फिल्मों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें आपको इस महिला दिवस पर जरुर देखना चाहिए।

लज्जा

राजकुमार संतोषी की यह फिल्म उस समय उन लोगों के मुंह पर एक तमाचा थी जो पहले तो नारी को देवी की तरह पूजते थे, बाद में उसे बोझ समझकर मां के गर्भ में ही मार देते थे। फिल्म में दिखाया गया है कि जहां पर महिलाओं का रेप होता है, उन्हें मारा-पीटा जाता है, दहेज के लिए जिंदा जला दिया जाता है, ऐसे में यही महिलाएं अगर काली का रुप धारण कर लें तो उस दाकियानूसी सोंच का और अत्याचारी लोगों का विनाश तय है।

नीरजा

यह फिल्म एक फ्लाइट अटेंडेंट नीरजा भनोट पर बनी है। 2015 में आई इस फिल्म में सोनम कपूर ने दमदार अभिनय किया है। यह एक जीवनी पर आधारित फिल्म है, जिसके फॉक्स स्टार स्टूडियो के बैनर तले अतुल कशबेकर ने बनाया है। फिल्म में दिखाया गया है कि 5 सितंबर 1986 को मुंबई-न्यूयार्क उड़ान के दौरान प्लेन को कराची में आतंकवादियों द्वारा हैक कर लिया गया था। जिसके बाद नीरजा ने फ्लाइट में मौजूद लोगों की जान बचाने के लिए खुद की जान दे दी थी।

पिंक

अनिरुद्ध चौधरी द्वारा निर्देशित ये फिल्म 2016 में आई थी। इसमें दिखाया गया था कि समाज चाहे कितना भी मॉर्डन क्यों न हो जाए फिर भी लड़कियों के कपड़ों के जरिए ही उन्हें जज किया जाता है। फिल्म में दिखाया गया है कि अगर कोई लड़की किसी लड़के के साथ हंस-हंसकर बात करती है या फिर छोटे कपड़े पहनती है तो उसका चरित्र ठीक नहीं है। इस फिल्म में एक और जरुरी मैसेज दिया गया है और वह ये है कि यदि कोई लड़की किसी लड़के को न बोलती है तो उसे सिर्फ और सिर्फ 'न' ही समझें।

इंग्लिश विंग्लिश

श्रीदेवी की इस फिल्म का डायरेक्शन गौरी शिंदे ने किया था। ये एक ऐसी महिला की कहानी है, जिसे अंग्रेजी नहीं आती है। वह अंग्रेजी सीखने के लिए क्लास ज्वाइन करती है क्योंकि उसके बच्चे और पति उसकी इस कमजोरी का मजाक बनाते हैं। बाद में श्रीदेवी अंग्रेजी सीखकर परिवार में सभी के अपनी वैल्यू बताती हैं।

क्वीन

कंगना रनौत वैसे तो बॉलीवुड की पंगा क्वीन कही जाती हैं, लेकिन फिल्मी दुनिया में उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है। क्वीन में कंगना का किरदार एक सिंपल लड़की का है, जो अपनी शादी टूट जाने के बाद भी हनीमून पैकेज में सिर्फ घूमने के लिए चली जाती है। वहां वह अपनी सभी इच्छाएं पूरी करती है।

राजी

राजी फिल्म आलिया पर ही केन्द्रित है। इसमें वह अपनी जान की परवाह किए बिना देश को बचाने के लिए एक पाकिस्तानी लड़के से शादी करती है, फिर जासूस बनकर पाकिस्तान की खूफिया जानकारी भारत तक पहुंचाती है। फिल्म में आलिया का रोल काफी पसंद किया था।

शिवरात्रि के महोत्सव की पूर्ण तैयारियों पर धूमेस्वर मंदिर मे संतो की हुई बैठक मे चित्रकूट के मण्डलेस्वर रामस्वरूपा चारी सहित शनि मंदिर शनि सचरा, करैल, धौलपुर सहित कही जगह के महामंडलेश्वर सहित काफी संत हुए एकत्रित। इस कार्यक्रम का आयोजन धूमेस्वर मन्दिर के महामंडलेश्वर अनिरुद वन जी उपस्थित थे।

मा. शिवराजसिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

मा. नरोत्तम मिश्रा
गृह मंत्री, मध्यप्रदेश

मा. भूपेंद्र सिंह
नगर विकास मंत्री, मध्यप्रदेश

प्रशासक
बृज मोहन आर्य

कौशलेंद्र विक्रम सिंह
कलेक्टर, ग्वालियर

पीयुष श्रीवास्तव
सीएमओ नगर परिषद

पीछोर नगर परिषद समस्त पिछोर नगर वासियों से यह अपील करती है...

1. स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छता का ध्यान रखे साथ ही कचड़ा नगर परिषद की कचरा लेने आने बाली गाड़ी में डाले।
2. डेंगू बीमारी डेंगू मच्छरों के काटने से होती है इसलिए डेंगू विमारी से बचने के लिए , आस पास गदंगी ना फैलाये, और ना आस पास गंदे पानी को एकत्रित होने दे। क्योकि मच्छरों पनपने का ऐसे स्थान बहुत उचित होते है ।
3. कोरोना से बचने के लिए वैक्सीन अवश्य लगवाए जिन्होंने प्रथम डोज लगवा लिया है वो दूसरा डोज अवश्य लगवाये, जिनको प्रथम डोज नही लगा है वो अपने आधार कार्ड को लेकर अस्पताल और वैक्सीनेशन शिविर मैं जाकर रजिस्ट्रेशन कराए और तुरंत वैक्सीन लगवाये। जिससे आप भी सुरक्षित रहे साथ मैं माता पिता और परिवार को सुरक्षित रखे।
4. पिछोर नगर परिषद हमेशा आपकी सेवा मैं तत्यपर्य है आप भी नगर परिषद का सहयोग करे जिससे पीछोर नगर परिषद का विकाश हो सके।
5. पेड़ पौधों को अवश्य लगाएं।
6. करों, नलों के विल का भुगतान अवश्य करें ।
7. कालिंदी उत्सव में आकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं ।